हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 25.09.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 66 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

लेखा परीक्षण से सार्वजनिक धन की सुरक्षा के साथ शासन में जनता का विश्वास बढ़ता है : मुर्मू

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि लेखापरीक्षा संस्थाओं द्वारा लेखापरीक्षा और मूल्यांकन से न केवल सार्वजनिक धन की सुरक्षा होती है, बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी बढ़ता है। राष्ट्रपति नई दिल्ली में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा आयोजित 16वीं एशियाई सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थान संगठन (एएसओएसएआई) सभा के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत का कैग देश के सार्वजनिक वित्त में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अकारण नहीं था कि भारतीय संविधान ने कैग के कार्यालय को व्यापक अधिकार और पूर्ण स्वायत्तता प्रदान की है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि कैग का कार्यालय संविधान निमार्ताओं की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है। यह नीति संबंधी और नैतिक आचरण की एक सख्त संहिता का पालन करता है जो इसके कामकाज में सर्वोच्च स्तर की ईमानदारी सुनिश्चित करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के ऑडिट का कार्य पारंपरिक ऑडिटिंग से आगे बढ़कर जन कल्याणकारी योजनाओं और परियोजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन करना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सभी नागरिकों को समान रूप से सेवा

एएसओएसएआई के उद्घाटन सत्र को संबोधित करतीं राष्ट्रपति

प्रदान करें। उन्होंने कहा कि तेजी से प्रौद्योगिकी-संचालित दुनिया में, अधिक से अधिक सार्वजनिक सेवाएं प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रदान की जा रही हैं। इसलिए, ऑडिट को अपने निरीक्षण कार्यों को प्रभावी ढंग से करने में सक्षम होने के लिए तकनीकी विकास के साथ बने रहने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज हम ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी जैसी उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियां आधुनिक शासन की रीढ़ बन रही हैं। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) नागरिकों को प्रदान की जाने वाली डिजिटल अर्थव्यवस्था और सेवाओं के कामकाज को समर्थन देने और बढ़ाने के लिए आधार के रूप में कार्य करती है। डिजिटल पहचान से लेकर ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म तक, डीपीआई में सार्वजनिक सेवाओं और वस्तुओं की डिलीवरी में क्रांति लाने की क्षमता है, जिससे वे अधिक सुलभ, कुशल और समावेशी बन सकें।

राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों की डिजिटल तकनीकों तक पहुंच कम है, डिजिटल कौशल विकसित करने के कम अवसर हैं और डिजिटल अर्थव्यवस्था में उनका प्रतिनिधित्व कम है। यह विभाजन न केवल आवश्यक सेवाओं तक उनकी पहुंच को सीमित करता है बल्कि असमानता को भी बढ़ाता है। यहीं पर सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (एसएआई) की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। लेखा परीक्षकों के रूप में, उनके पास यह सुनिश्चित करने की अनूठी ज़िम्मेदारी और अवसर है कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को इस तरह से डिजाइन और कार्यान्वित किया जाए जो सभी के लिए समावेशी और सुलभ हो।

राष्ट्रपति ने कहा कि वित्तीय दुनिया अक्सर अपारदर्शी लेखा प्रथाओं से घिरी रहती है। इस स्थिति में, स्वतंत्र सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों की भूमिका यह देखना है कि सार्वजनिक संसाधनों का प्रबंधन कुशलतापूर्वक, प्रभावी ढंग और पूरी ईमानदारी के साथ किया जाए। एसएआई द्वारा किए गए लेखा परीक्षा और मूल्यांकन न केवल सार्वजनिक धन की सुरक्षा करते हैं बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के कैग संस्थान का सार्वजनिक लेखा-परीक्षण का समृद्ध इतिहास रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 16वीं एएसओएसएआई सभा के मेजबान के रूप में एसएआई इंडिया के पास सभा में एकत्रित विद्वानों के विचार-विमर्श में बहुत कुछ प्रस्तुत करने को होगा। उन्होंने 2024 से 2027 की अवधि के लिए एएसओएसएआई की अध्यक्षता संभालने के लिए एसएआई इंडिया को बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत के कैग के कुशल नेतृत्व में, एएसओएसएआई सदस्यों के बीच अधिक सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देते हुए नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस अवसर पर भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक गिरीश चंद्र मुर्मू, उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के एस सुब्रमण्यन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एक नजर

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक 27 सितंबर को

रांची : राज्य कैबिनेट की बैठक 27 सितंबर को रांची के धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट बिल्डिंग में शाम चार बजे से होगी। झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले होने वाली कैबिनेट की बैठक में कई अहम और लोकलुभावन फैसले होने की उम्मीद है। मंत्रिपरिषद की बैठक के बारे में मंगलवार को मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक 27 सितंबर को अपराह्न चार बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी।

नदी में नहाने के दौरान डूबने से छह की मौत

पटना : बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के लखौरा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव की रहने वाली तीन बहनें जीतीया पर्व के मौके पर सोती नदी में नहाने के लिए गई थीं। नहाने के दौरान ही तीनों बहनों के गहरे पानी में चली गईं और डूबने से उनकी मौत हो गई। मृतकों की पहचान शिवपूजन राम की 20 वर्षीय विवाहित पुत्री दीपनी कुमारी, 15 वर्षीय पुत्री मंजू कुमारी और परमानंद बैठा की 18 वर्षीय पुत्री रीमा कुमारी के रूप में हुई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में फिलहाल कोई बयान नहीं दिया है। दूसरी घटना मुंगरे की है। यहां गंगा में आए बाढ़ के पानी में बच्चों और युवाओं की मौज-मस्ती भारी पड़ गयी।

हेमन्त सोरेन ने चतरा एवं कोडरमा को 1500 करोड़ रुपये की योजनाओं की दी सौगात

केंद्र बकाया पैसे का ब्याज ही दे दे तो मंईयां सम्मान की राशि को डबल कर देंगे : सीएम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को चतरा जिला के ईटखोरी स्थित मां भद्रकाली की पावन धरती पर आयोजित "आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार" कार्यक्रम में लगभग 841 करोड़ की 702 विकास योजनाएं चतरा एवं कोडरमा जिला वासियों को समर्पित कर झारखंड राज्य के सर्वांगीण विकास का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि आपके उत्साह, सहयोग एवं समर्थन से हमारी सरकार को ताकत मिल रहा है। इसी की बदौलत ही हम इस राज्य को मजबूती दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का एक लाख 36 हजार करोड़ रुपये केंद्र पर बकाया है अगर इस राशि का हमें सिर्फ ब्याज ही मिल जाए तो इस राज्य को आगे बढ़ाने के लिए किसी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। राज्यवासियों के लिए झारखंड मुखयमंत्री मंईयां सम्मान योजना जैसी अनेकों योजनाओं को लेकर आपके बीच आ आ सकेंगे। आज हम तमाम चुनौतियों और विपरीत परिस्थितियों के बीच भी इस राज्य को सजाने और संवारने के लिए पूरी ताकत के साथ काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार गांव- देहात से चल रही है । हमारी सरकार के पांच वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस दौरान हमारी सरकार की कार्यशैली से आप कितने आगे

लाभुकों को योजनाओं का लाभ देते मुख्यमंत्री व मंच पर मौजूद नेतागण

बढ़ें। इसे जानने और देखने के लिए पूरे राज्य का भ्रमण कर रहे हैं। इस क्रम में यह भी देख रहे हैं कि सरकार की योजनाएं आप तक किस तरीके से पहुंच रही। अधिकारी आपके दरवाजे पर पहुंचकर आपकी समस्याओं का समाधान किस तरीके से कर रहे हैं। हमारी कोशिश है जिलों के भ्रमण के दौरान आम जनता से मिले सुझावों के आधार पर आगे भी और भी बेहतर से बेहतर योजनाएं आपके लिए लेकर आ सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड मुखयमंत्री मंईयां सम्मान योजना को बहन- बेटियों का अपार समर्थन मिल रहा है। आज यह योजना सबसे सफल और लोकप्रिय योजना के रूप में सामने आया है। इस योजना को लेकर पूरे राज्य की महिलाओं में अजब उत्साह देखने को मिल रहा है । मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपको सशक्त बनाने के लिए हर कदम पर सरकार आपके साथ खड़ी रहेगी।

जो 20 वर्ष में नहीं हो सका वह 4 वर्षों में कर दिखाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के लिए हमें लंबा संघर्ष करना पड़ा। अलग राज्य के लिए चली लंबी लड़ाई में अनेकों लोगों ने अपने को बलिदान कर दिया। लेकिन, अफसोस इस बात का है कि अलग राज्य बनने के बाद विकास को जो गति मिलनी चाहिए , वह नहीं हो सका। अलग राज्य के गठन के 20 वर्षों तक यह राज्य उपेक्षित बना रहा। लेकिन, 2019 के दिसंबर में जब हमारी सरकार बनी हो हमने इस राज्य को आगे बढ़ने का सिलसिला प्रारंभ किया। मैं दावे के साथ कर सकता हूं कि हमारी सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में लगभग दो वर्षों तक कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ते हुए भी जितने कार्य कर दिखाए, वह 20 वर्षों में नहीं हो सका।

किसानों से धान खरीदने के साथ राइस मिल भी खोलने की तैयारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब किसान खुशहाल होंगे तो राज्य मजबूत होगा। इसी बात को ध्यान में रखकर किसानों के कल्याण के लिए सरकार लगाकर कार्य कर रही है । हमारी सरकार किसानों से धान खरीद ही रही है, अब राइस मिल खोलने का भी निर्णय ले चुके हैं। राज्य में जल्द ही कई राइस मिल खुलेंगे। इन राइस मिलों में जो चावल बनेगा, उसे हम गरीबों के बीच मुफ्त वितरित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आज सभी बुजुर्गों को पेंशन दे रहे हैं। 50 लाख बहन- बेटियों को वर्ष में 12 हजार रुपये सम्मान राशि देने की ऐतिहासिक योजना लेकर आए हैं। बड़े पैमाओं पर युवाओं को नौकरी के साथ स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता सरकार उपलब्ध करा रही है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से अब तक 9 लाख बच्चियों को जोड़कर पढ़ाई का जिम्मा सरकार उठा रही है। गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना के तहत सरकार अपनी गारंटी पर विद्यार्थियों को 15 लाख रुपये तक का शिक्षा लोन दे रही है, ताकि वह पढ़- लिखकर इंजीनियर, डॉक्टर, वकील और अफसर बन सकें। सके। यह पहला राज्य है जो अपने विद्यार्थियों को विदेश में उच्च शिक्षा के लिए पूरा खर्च दे रही है। ऐसी अनेकों और भी योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से हम समाज के हर वर्ग और तबके को मजबूत बनाने का काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चतरा एवं कोडरमा जिले को लगभग 841 करोड़ रुपए की 702 योजनाओं का तोहफा दिया। इसमें चतरा जिला अंतर्गत 501 करोड़ 78 लाख रुपये की 501 योजनाओं का शिलान्यास तथा 35 करोड़ 58 लाख रुपये की 15 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है। कोडरमा जिले में 174 करोड़ 11 लाख रुपये की 91 योजनाओं का शिलान्यास एवं 129 करोड़ 66 लाख रुपये की 95 योजनाओं

जम्मू-कश्मीर चुनाव: दूसरे चरण में 239 उम्मीदवार मैदान में

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर : जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में बुधवार को 26 सीटों के लिए 25 लाख से ज्यादा मतदाता 239 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। ये विधानसभा क्षेत्र छह ज़िलों में फैले हैं - तीन घाटी में और इतने ही जम्मू संभाग में।

एक अधिकारी ने बताया, निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू और परेशानी मुक्त बनाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने इन क्षेत्रों में 3,502 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। इनमें 1,056 शहरी मतदान केंद्र और 2,446 ग्रामीण मतदान केंद्र हैं।

अधिकारियों के अनुसार, पारदर्शिता सुनिश्चित करने के चुनाव आयोग के प्रयासों के तहत सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा होगी। अधिकारी ने बताया, मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए दूसरे चरण के लिए 157 विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं - 26 'गुलाबी मतदान केंद्र' जिनका प्रबंधन महिलाएं करेंगी, 26 मतदान केंद्र जिनका संचालन दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा, 26 मतदान केंद्र जिनका संचालन युवाओं द्वारा किया जाएगा, 31 सीमावर्ती मतदान केंद्र, 26 हरित मतदान केंद्र और 22 विशिष्ट मतदान केंद्र। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। इस चरण के लिए मुख्य नाम पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा और भाजपा जम्मू-कश्मीर प्रमुख रविंदर रैना हैं।

अब्दुल्ला गंदेरबल और बडगाम सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि कर्रा सेंट्रल शाल्टेंग से चुनाव लड़ रहे हैं। रैना राजौरी जिले की नौशेरा सीट को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे, जिसे उन्होंने 2014 के विधानसभा चुनावों में जीता था। दूसरे चरण पर भी सबकी निगाहें रहेंगी क्योंकि जेल में बंद अलगाववादी नेता सरजन अहमद वागे उर्फ बरकती नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता इंजीनियर राशिद के खिलाफ लोकसभा चुनाव की सफलता को दोहराने की उम्मीद कर रहे हैं। बरकती बीरवाह और गंदेरबल विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं।

राशिद इंजीनियर के नाम से लोकप्रिय शेख अब्दुल राशिद ने इस वर्ष के शुरू में हुए संसदीय चुनाव में तिहाड़ जेल से चुनाव लड़ा था और फिर भी बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से अब्दुल्ला को दो लाख से अधिक मतों के अंतर से हराने में सफल रहे थे। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में अन्य प्रमुख उम्मीदवार अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी (चन्नपोरा), पूर्व मंत्री अली मोहम्मद सागर (खानयार), अब्दुल रहीम राथर (चरार-ए-शरीफ), और चौधरी जुल्फिकार अली (बुधल) और सैयद मुश्ताक बुखारी (सूरनकोट) है। चौधरी जुल्फिकार अली और सैयद मुश्ताक बुखारी इस बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

इंडी गठबंधन की तुष्टीकरण की राजनीति से खतरे में झारखंड की सांस्कृतिक धरोहर : शुभेंदु अधिकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बलियापुर और चंदनकियारी में मंगलवार को आयोजित परिवर्तन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि परिवर्तन यात्रा के माध्यम से झारखंड के हर कोने में जाकर जनता को जागरूक किया जा रहा है ताकि राज्य में भारतीय संस्कृति, जनजातीय मूलवासी संस्कृति और सनातन धर्म की रक्षा करने वाली सरकार स्थापित की जा सके। वर्तमान में इंडी गठबंधन की सरकार झारखंड में हमारी सांस्कृतिक धरोहर को समाप्त करने और तुष्टीकरण की राजनीति करने में जुटी हुई है। अधिकारी ने

कहा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गलत नीतियों के कारण बांग्लादेशी रोहिंग्या देश में घुसपैठ कर रहे हैं और झारखंड में भी डेमोग्राफी चेंज हो रहा है। यह इंडी गठबंधन की भ्रष्टाचारी सरकार की देन है, जो बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि झारखंड की वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार ने अपने किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है। हेमंत सरकार ने पांच लाख नौकरियां देने का वादा किया था लेकिन उसे पूरा नहीं किया। हर गरीब परिवार को 72 हजार रुपये और चूल्हा खर्च के लिए 2000 रुपये देने का वादा भी अधूरा रह गया। अब जब सरकार को अहसास हो गया है कि वह जाने वाली है, तो 1000 रुपये देने की घोषणा कर रही है।

अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन कोयला और खनन घोटाले में शामिल रहे हैं और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलमगीर आलम गो तस्करी और टेंडर घोटालों में फंसे हैं। ईडी द्वारा उनके घर से करोड़ों रुपये बरामद किए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि झारखंड में भाजपा की लोकसभा चुनावों में बढ़त थी और इस विधानसभा चुनाव में भाजपा और भी अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर सिंदरी में फिर से उद्योग स्थापित किए जाएंगे और राज्य में युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। भाजपा ही झारखंड में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, सड़कों और सेतु निर्माण का कार्य कर सकती है। बंगाल और झारखंड के भाजपा कार्यकर्ता मिलकर इस भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकने का कार्य करेंगे।

अधिकारी ने सभा में उपस्थित लोगों से अपील की कि इस परिवर्तन यात्रा के माध्यम से हर बूथ और क्षेत्र में भाजपा को मजबूती से खड़ा करें ताकि झारखंड में विकास और समृद्धि के नए युग की शुरूआत हो सके।

राज्य में निष्पक्ष मतदान कराने को प्रतिबद्ध : आयोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा को लेकर केंद्रीय निर्वाचन आयोग की टीम का दो दिवसीय दौरा मंगलवार को संपन्न हो गया है। आयोग ने कहा है कि हम राज्य में निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी रूप से विधानसभा के चुनाव कराने को प्रतिबद्ध हैं। कानून व्यवस्था और चुनाव आयोग के निदेर्शों का बिना किसी पक्षपात के सख्ती के साथ पालन कराया जाएगा। राज्य सरकार, प्रशासन और कानून का अनुपालन कराने वाली एजेंसियों को इसके लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. एसएस संधू के साथ रांची में झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव तैयारियों की विस्तृत और व्यापक समीक्षा की। झारखंड में राज्य विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी, 2025 को समाप्त होने वाला है और राज्य में 81 एसी (44 सामान्य; 09 एससी; 28 एसटी) के लिए चुनाव निर्धारित हैं।

23-24 सितंबर को आयोग के दो दिवसीय समीक्षा दौरे के दौरान राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों जैसे आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, नेशनल पीपुल्स पार्टी, आजसू पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल के प्रतिनिधि आयोग से मिलने आए। सभी राजनीतिक दलों ने लोकसभा चुनाव 2024 के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सराहना व्यक्त की। अधिकांश दलों ने सर्वसम्मति से चुनाव प्रक्रिया में अधिक भागीदारी के लिए चुनाव कार्यक्रम तय करने से पहले अक्टूबर और नवंबर के महीने में दिवाली, छठ, दुर्गा पूजा और राज्य स्थापना दिवस जैसे विभिन्न त्योहारों पर विचार करने का अनुरोध किया।

एक नजर

पदमा पहुंची भाजपा की परिवर्तन यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

पदमा : भाजपा की परिवर्तन यात्रा पहुँची पदमा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने रथ का जोरदार स्वागत किया। रथ पर सवार होकर पहुँचे सांसद मनीष जायसवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह आदि पदमा बाजार पहुँचे। उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हेमन्त सरकार के वादा खिलाफी के विरोध में जनता ने बदलाव का मुड बना लिया है। बरही से अकेला यादव व झारखण्ड से हेमन्त सोरेन को उखाड़ फेंकना है। राकेश प्रसाद ने परिवर्तन यात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला। पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि बरही परिवर्तन को तैयार है। बरही में बाप बेटा कंपनी को उखाड़ फेंकना है। मौके पर भाजपा नेता बटेश्वर मेहता, अर्जून साव, मंडल अध्यक्ष बाबुलाल मेहता, नारायण यादव, अजय मेहता, अवध यादव, सुबोध यादव, उपेंद्र पाठक, कालीचरण मेहता, दसरथ मेहता, उमेश यादव, सुरेन्द्र शर्मा, अशोक राणा, अजित गिरी, राजू राणा, संतेन्द्र राणा, सहित अन्य उपस्थित थे।

लक्की कूपन के जरिये ग्राहक जीत सकेंगें कार : धनंजय सोनी

मेदिनीनगर (पलामू) : मेदिनीनगर स्थित सोना महल द ज्वेलरी शॉप में किशना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के द्वारा तीन दिवसीय प्रदर्शनी मेला का आयोजन किया गया है । यह प्रदर्शनी मेला 25 सितंबर तक चलेगी । प्रदर्शनी में दिल्ली, राजकोट, मुम्बई समेत दुबई तक कि डिजाइन उपलब्ध है जो कि ग्राहकों को बेहद पसंद आ रही है। प्रदर्शनी मेला में सोने से बनी हार, मंगलसूत्र, अंगूठी, इयरिंग, चूड़ी, डायमंड से बनी गहने बेहद ही सस्ते दर पर उपलब्ध है। वही बीस हजार की खरीदारी पर ग्राहकों को एक लक्की कूपन दिया जा रहा है जिसमे लक्की कूपन के जरिये ग्राहक एक कार जीत सकेंगें।

यशवंत सिन्हा का चौपारण दौरा आज

चौपारण : अटल विचार मंच के संस्थापक, भारत सरकार के पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री सह हजारीबाग लोकसभा के पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा का दिन बुधवार को समय दो बजे दिन में चौपारण दौरा होगा। उक्त जानकारी अटल विचार मंच के वरिष्ठ सदस्य राजेश सहाय ने दिया। उन्होंने बताया की अटल बिहारी वाजपेयी को अपना आदर्श मानने वाले सिन्हा के राजनितिक सक्रियता से हजारीबाग नगर निगम, बिजली विभाग, सदर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के कार्यकलापों में अपेक्षित सुधार और तेजी देखी जा रही है। इसी कड़ी में ब्लॉक मोड़ (दुर्गा मंदिर) परिसर से दनुआ घाटी एवं जीटी रोड पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर एनएचएआई के पदाधिकारियों और आम लोगों के साथ वार्ता करेंगे। मालूम हो कि जब से जीटी रोड सिक्स लेन चौड़ीकरण और चौपारण में फ्लाइ ओवर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है। तब से सड़क दुर्घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है। गत दिनों में सुस्त गति से कार्य करने और दनुआ घाटी में सड़क का एलाइमेंट सही नहीं रहने के कारण सैकड़ों लोग असमय कालकलवित हो चुके हैं। हाल ही में विश्वकर्मा पूजा के दिन चौपारण निवासी 17 वर्षीय प्रीतम केशरी की दर्दनाक मौत ने पुरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा मृतक प्रीतम केशरी के शोकाकुल परिजनों से भी मुलाकात करेंगे और इस समस्या का स्थाई समाधान निकालने का प्रयास करेंगे।

जनता बेहाल, हेमंत सरकार मालामाल, भाजपा लाएगी असली बदलाव : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड में भाजपा की परिवर्तन यात्रा 24 सितंबर को बरही विधानसभा क्षेत्र में पहुंची। प्रखण्ड मैदान में आयोजित परिवर्तन सभा में झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी मुख्य रूप से शामिल हुए। इसके अलावा परिवर्तन सभा में राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह कार्यक्रम संयोजक राकेश प्रसाद, भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, प्रभारी विनय सिंह मौजूद थे। परिवर्तन सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह व संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर व मण्डल अध्यक्ष विजय यादव ने संयुक्त रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन मण्डल अध्यक्ष भगवान केशरी ने किया। पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, उत्पाद सिपाही दौड़ के दौरान 19 अभ्यर्थियों की मौत की जिम्मेदारी कौन लेगा? सरकार ने युवाओं को हड़बड़ी में भर्ती निकाल कर मौत के मुंह में धकेला है। उन्होंने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और कुशासन का आरोप लगाते हुए कहा कि यह सरकार अब विदाई की कगार पर है। श्री मरांडी ने इंटरनेट बंद करने के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, हेमंत सरकार परिवर्तन यात्रा के प्रचार से डर गई है, इसलिए परीक्षा में कदाचार रोकने के बहाने पूरे राज्य में इंटरनेट बंद करा दिया है। आज के समय में इंटरनेट दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुका है और इसे बंद करके सरकार ने युवाओं को परेशान किया है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने 5 वर्षों तक परीक्षाओं को रद्द किया और अब चुनाव से पहले इसे लेकर नाटक कर रही है। श्री मरांडी ने कहा, हेमंत सरकार के मंत्री मालामाल हो गए हैं, जबकि जनता बेहाल है। इस राज्य की बालू, पत्थर, जमीन, और कोयला लूट लिया गया है। बाबूलाल मरांडी ने कहा, हेमंत सोरेन की अगुवाई में चल रही सरकार झूठ बोलने की मशीन है। झारखंड में पिछले पांच वर्ष बबार्दी के रूप में याद किए जाएंगे। इस बबार्दी से उबारने का काम सिर्फ भाजपा कर सकती है, क्योंकि भाजपा सुशासन और विकास का प्रतीक है। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया गया है और अब वहां भी तिरंगा शान से लहराता है। बाबूलाल मरांडी ने कहा, झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भी सशक्त होंगे। भ्रष्टाचार और माफियाओं को खत्म करने का काम भाजपा सरकार ही करेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़कागांव विश्वकर्मा पूजा के विसर्जन में पत्थर बाजी होती है और गिरफ्तारी हिन्दू समाज की होती है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनती है तो सार्वजनिक जुलूस को रोकने का काम करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और उन्हें तिहाड़ जेल भेजने का काम किया जाएगा।

विधायक की जनता दरबार में दर्जनों आवेदन हुए जमा, कई का हुआ तत्वरित समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के साप्ताहिक जनता दरबार मंगलवार को भी जारी रहा। विधायक अंबा प्रसाद में उपस्थित होकर दर्जनों फरियादियों का फरियाद सुनी एवं समस्याओं को समाधान करने का प्रयास किया। इस दौरान दर्जनों आवेदन जमा हुए जिसमें कई आवेदन का समाधान तुरंत कर दिया गया। विधायक अंबा प्रसाद ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र के पांच महत्वपूर्ण सड़कों का निर्माण के लिए प्रपोजल तैयार किया गया है। जिसमें केरेडारी प्रखंड के ग्राम फुलझड़ से डमारू तक 4:250 किलोमीटर, तिलैया से हुंडरू तक पौने 3 किलोमीटर तक, बड़का गांव प्रखंड में चिरुडीह से हेसाबार तक 4:500 किलोमीटर, फटरिया पानी से कोती तक 2:200 किलोमीटर, कोसी से सेहदा तक 5:450 किलोमीटर तक, पत्थर कुदुवा से सिमराजरा तक 5:300 किलोमीटर सड़क निर्माण कराया जाएगा।मौके पर उपस्थित बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, 20 सूत्री अध्यक्ष हाजी तबस्सुम, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, आसित चक्रवर्ती, मोहम्मद जमाल खान, शमशेर आलम, कांग्रेस युवा प्रखंड अध्यक्ष आनंद कुमार, जगत नंदन प्रसाद गुप्ता, के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

कांग्रेस से नियुक्त पर्यवेक्षक को सील बंद लिफाफे में सौंपी गई विस वार प्रत्याशियों के पांच नाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में हजारीबाग जिला कमेटी की बैठक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने की। बैठक में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवारी के लिए रायसुमारी के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस से नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित सभी प्रखंड प्रभारी, नगर और प्रखंड अध्यक्ष के साथ बंद लिफाफे में अपने अपने प्रखंडों की सूची सौपी। नरेश वर्मा बैठक में मुख्य रूप से भाग लिए। कार्यक्रम का संचालन जावेद इकबाल और धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्याय सह प्रवक्ता निसार खान ने की। मंगलवार की बैठक में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने सर्वप्रथम नियुक्त पर्यवेक्षक का स्वागत करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सारी वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए सभी बिंदुओं पर बारीकी से बातों को रखा तत्पश्चात जिला के पर्यवेक्षक नरेश वर्मा ने कहा कि मुझे प्रदेश कांग्रेस ने जिस मकसद से आपके पास भेजा है उसे पूरी ईमानदारी तथा निष्ठा पूर्वक निष्पक्षता से बात को रखेंगे आपकी बातों को सुनकर आपकी इच्छाओं तथा भावनाओं को अपने आलाकमान तथा प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचाऊंगा। हमने देखा और पाया कि हजारीबाग जिला में हर सीट पर कांग्रेस का संगठन मजबूत है सभी विधानसभा को जीतने का माद्दा रखते है हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रदेश अध्यक्ष जी हर कार्यकर्ताओ की बातों को गंभीरतापूर्वक लेंगे तथा आपके हितों का पूरा-पूरा ख्याल रखेंगे ।इस दौरान पर्यवेक्षक पार्टी कार्यालय में बंद कमरे में बारी-बारी से सभी प्रखंड व नगर अध्यक्ष, विधानसभाब वार चुनाव लड़ने के लिए दावेदार आवेदनकर्ता, जिला के नेताओं, कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों से मिले और उनकी बातों को बारीकी से सुना। पर्यवेक्षक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को अपना मंतव्य के साथ विधानसभा चुनाव में विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले दावेदारी की सूची समर्पित करेंगे।

हेमंत सोरेन की वादाखिलाफी के लिए चलाई जा रही है परिवर्तन यात्रा : अनपूर्णा देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

छत्तरपुर पलामू : छतरपुर के हाई स्कूल के मैदान में भाजपा की परिवर्तन यात्रा व विशाल जनसभा का आयोजन मंगलवार को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप मे भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उपस्थित रहीं। अनपुर्णा देवी ने मंच से कहा कि यह मौजूदा झारखंड सरकार के वादा खिलाफी के लिए परिवर्तन यात्रा चलाई जा रही है। उन्होंने कहा है कि हेमंत सरकार झारखंड की जनता के साथ छलावा किया है। अपने किए हुए वादे को निभा नहीं सके सरकार में बेरोजगारी और भय का माहौल बना हुआ है। चुनाव के समय मतदाताओं को लुभाने के लिए तरह-तरह की योजनाएं बनाकर हेमंत सरकार जनता को बेवकूफ बना रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जनता से किए गए सभी वादों को पूरा कर रही है तथा माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है नरेंद्र मोदी का कार्यकाल देखते हुए जनता ने तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में चुना है। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि छतरपुर को जिला बनाने की मांग को लेकर हम लोग 4 साल से परेशान हैं। लेकिन हेमंत सोरेन के उदासीन रवैया के चलते यह काम अभी तक लटका हुआ है। वहीं पूर्व सांसद घूरन राम ने कहा कि झारखंड सरकार ने लोगों को ठगने का काम किया है। युवाओं को ठगने का काम किया है बेरोजगारी बधाई चरम सीमा पर है।

हरिहरगंज चेक पोस्ट पर चला वाहन चेकिंग अभियान, चार ट्रक जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हरिहरगंज (पलामू) : उपायुक्त शशि रंजन द्वारा अवैध खनन भंडारण परिवहन के रोकथाम को लेकर दिए गए निर्देश के आलोक में जिला खान निरीक्षक शुभम कुमार ने रविवार की रात हरिहरगंज पहुंचे, जहां पर उन्होंने प्रशासन द्वारा अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस बल के साथ वाहनों की जांच की। वाहन चेकिंग के दौरान वाहन संख्या - बीआर 61 एटी -4187, जेएच . 12एच.2745, बीआर 01. सीई 0752, बीआर 04.एन .6846 को स्टोन चिप्स ले जाते पाया गया। इसके बाद चालक द्वारा उपलब्ध कराए गए कागजतो की जांच की गयी। जांच पर पूरी तरह से संतुष्ट नहीं होने पर वाहन को स्टोन चिप्स समेत जप्त कर लिया एवं हरिहरगंज पुलिस को सुपुर्द कर दिया। जिला खान निरीक्षक शुभम कुमार ने सोमवार को बताया कि वाहन में स्टोन चिप्स लोड है, कागजात की जांच के बाद कुछ त्रुटियां पायी गयी है। जांच के उपरांत स्टोन चिप्स का अवैध परिवहन पाया गया तो चालक तथा वाहन मालिक समेत इसमें संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिला खान निरीक्षक के साथ हरिहरगंज थाना के एसआई सुनील कुमार झा सहित पुलिस के जवान शामिल थे।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में धांधली पर युवाओं ने किया प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा आयोजित सीजीएल परीक्षा में हुए धांधली के विरोध में युवाओं द्वारा भव्य 'युवा आक्रोश प्रदर्शन' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मटवारी गांधी मैदान से हुई जहां पर सैकड़ो की संख्या में युवा शामिल हुई। आक्रोश रैली मटवारी गांधी मैदान से कोर्रा चौक से बाबूगांव चौक से पीटीसी चौक से डिस्टिक मोड कर संपन्न हुई। इस प्रदर्शन में सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया और सरकार के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया। युवाओं ने हाथों में तकती लेकर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का विरोध किया, जिसमें परीक्षा को अगले 48 घंटे में रद्द करने की मांग की गई, परीक्षा में विद्यार्थियों के साथ हुई धांधली और और धोखा को लेकर विद्यार्थी काफी आक्रोश में नजर आए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जेएसएससी की परीक्षाओं में गड़बड़ी हुआ है जिसके कारण योग्य छात्रों को उनके हक से वंचित हुए हैं इस धांधली के खिलाफ प्रदर्शन में छात्रों ने नारेबाजी करते हुए अपने हक के लिए न्याय की मांग की, वहीं युवाओं ने हेमंत सोरेन की जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में भाजपा नेता हर्ष अजमेरा भी शामिल हुए, युवाओं के इस प्रदर्शन में उनके साथ कदम से कदम चलाते हुए उनका सहयोग किया और प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया और कहा भाजपा नेता हर्ष अजमेरा ने प्रदर्शन के दौरान छात्रों का समर्थन करते हुए कहा, यह बेहद दुखद है कि जिस परीक्षा के जरिए हमारे राज्य के होनहार और मेहनती युवाओं का भविष्य तय होना था, उसमें इतनी बड़ी धांधली हो रही है। जे.एस.एस.सी जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में भी धांधली हो रही है, लापरवाही और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है, परीक्षा की धांधली को लेकर अब तक राज्य सरकार के द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने आगे कहा, ₹हमारे युवा देश का भविष्य हैं, और उनके साथ इस प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा पूरी तरह से इन छात्रों के साथ खड़ी है, यदि सरकार इस परीक्षा धांधली की निष्पक्ष जांच नहीं कराती और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं करती, तो हम सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेंगे। अजमेरा ने युवाओं को भरोसा दिलाते हुए कहा, आपके संघर्ष में हम आपके साथ हैं। यह लड़ाई सिर्फ एक परीक्षा की नहीं है, बल्कि यह आपके भविष्य की है, और हम इसे किसी भी हाल में बर्बाद नहीं होने देंगे। भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि ऐसी धांधलियों पर रोक लगे और झारखंड के युवाओं को उनके अधिकार मिलें। हर्ष अजमेरा के उपस्थिति से प्रदर्शनकारियों को ताकत मिली जिससे युवाओं के मनोबल में वृद्धि हुई। युवाओं ने मांग की है कि परीक्षा की जांच कराई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त खबरें

अज्ञात लोगों ने खड़ी पिकअप वाहन को जला दिया, मामला थाना पहुंचा

बड़कागांव : बड़कागांव थाना क्षेत्र के चंदौल पंचायत स्थित महुगाईखुर्द निवासी चालक गणेश प्रजापति के दरवाजे पर खड़ी बोलेरो पिकअप वाहन नंबर जेएच05एइ -6482 को बीती रात अज्ञात लोगों द्वारा आग लगा दिया गया। उक्त बोलेरो होरम गांव निवासी राजेश महतो का है जिसमें गणेश प्रजापति चालक है। प्रतिदिन वाहन चलाकर अपने दरवाजा में लाकर खड़ा करता था। घटना का सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कुंदन कांत विमल ने घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। इस संबंध में चालक गणेश प्रजापति द्वारा आपसी रंजीस के कारण ही अपने गांव के कुछ लोगों पर शक जाहिर करते हुए बड़कागांव थाना में आवेदन देते हुए पुलिस से जांच पड़ताल कर कार्रवाई करने की मांग की है।

भाजपा नेता रवि किशन आएंगे बड़कागांव, सभा को करेंगे संबोधित

बड़कागांव : आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है। उत्तर प्रदेश राज्य के सांसद रवि किशन कल 3 :00 बजे हेलीकॉप्टर से बड़का गांव पहुंचेंगे। बड़कागांव प्लस टू हाई स्कूल के मैदान में उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। तैयारी को लेकर बड़का गांव पश्चिम पंचायत भवन में भाजपायों ने बैठक की गई है और कार्यक्रम को बेहतर से बेहतर करने का निर्णय लिया गया है। पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, चतरा जिला भाजपा किसान मोर्चा प्रभारी जुगनू सिंह,आदित्य साहू सोनी मंडल अध्यक्ष बड़कागांव पश्चिम, राजेश कुमार गुप्ता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, मूलचंद साहू प्रदेश कार्यकारी सदस्य, पूनम साहू युवा मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता, दामोदर सिंह जिला उपाध्यक्ष, जय नारायण महतो जिला मंत्री, टूकेश्वर प्रसाद प्रभारी केरेडारी, उपेंद्र कुशवाहा विधानसभा विस्तारक, रामपति राम,मेवा ठाकुर, नरसिंह प्रसाद महामंत्री, शिव शंकर मेहता, किशोर राणा, उदय मेहता, कैलाश कुमार राणा, कलीनाथ गुप्ता, भीखन महतो, रामस्वरूप महतो, राजीव रंजन, प्रदीप महतो, नंदलाल महतो, तीला नाथ साव, अवध किशोर मिश्रा, अवध किशोर मेहता के अलावा अन्य उपस्थित थे।

महुदी में जितिया पर्व एवं सोनपुरा में दुर्गा पूजा मनाने को लेकर हुई बैठक

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के कांडतरी पंचायत अंतर्गत ग्राम महुदी में जितिया पर्व मनाने को लेकर तैयारी जोरों पर है।वहीं ग्राम सोनपुरा में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा मनाने को लेकर तैयारी की जा रही है। इसके लेकर दोनों गांव में अलग-अलग बैठक की गई।जितिया पर्व को लेकर सर्व सम्मति से अध्यक्ष गणेश राम , सचिव रवि कुमार महतो एवं कोषाध्यक्ष अशोक राम बनाए गए।जितिया पर्व को लेकर पूर्व पंचायत समिति प्रतिनिधि खेमलाल राम ने बताया कि भोक्ता देव स्थान ऊपर महुदी में इस वर्ष से दो दिवसीय मेले का आयोजन का शुभारंभ किया जा रहा है।जितिया मेला 27 सितंबर से शुरू होकर 28 सितंबर को संपन्न होगा।मेले को आकर्षक बनाने को लेकर वह लोगों की मांग पर 27 सितंबर को झूमर का कार्यक्रम एंव 28 सितंबर को संस्कृतिक आधुनिक नागपुरी आर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया जाऐगा।उन्होंने बताया कि जितिया मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के विधानसभा प्रभारी रोशन लाल चौधरी होगें।वहीं विशिष्ट अतिथि बड़कागांव प्रमुख फुलवा देवी, उप प्रमुख वचन देव कुमार, बड़कागांव मध्य जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि सह समाजसेवी कालेश्वर गंझू एवं पूर्व मुखिया पारस प्रसाद होंगे। वहीं ग्राम सोनपुरा में दुर्गा पूजा पर्व मनाने को लेकर बैठक की गई।

भाजपा ने किया छत्तरपुर में परिवर्तन यात्रा व विशाल जनसभा का आयोजन

छत्तरपुर (पलामू) : छतरपुर नगर पंचयात स्थित हाई स्कूल के मैदान में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के परिवर्तन यात्रा व विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप मे केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन यात्रा हेमंत सोरेन के वादा के खिलाफ चलाई जा रही है यह परिवर्तन यात्रा झारखंड में परिवर्तन लाने के ख्याल से किया जा रहा है यह यात्रा यहां के माताएं बहने युवा वर्ग के किसान बेरोजगार युवक यूतियां तथा दबे कुछले लोगों की आवाज बुलंद करने के लिए चलाई जा रही है। उन्होंने कहा है कि हेमंत सोरेन ने वादा किया था की महिलाओं को चूल्हा खर्च के रूप में प्रति माह 2000 देंगे, उन्होंने कहा था प्रति वर्ष 5 लाख युवाओं को रोजगार देंगे अगर नहीं देते है तो उन्हें बेरोजगारी भत्ता के रूप में प्रति माह 5000 देंगे। बहुत तरह के वायदे वर्तमान सरकार ने किए थे। परंतु मैं आप लोगों से यह पूछना चाहती हूं कि यह सब कुछ मिला क्या? अभी देख रहें है कि चुनाव सामने है चुनावी फायदा लेने के लिए उन्होंने मइयां समान योजना लागू किया। कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो वादा करती है उसे हर सम्भव पूरा भी करती है। पार्टी के 10 साल के कार्यकाल को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के जनता तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया। कहा झारखंड में गठबंधन का सरकार नहीं ठग बंधन का सरकार है जिसने भोली भाली जनता को ठगने का काम कर रही है।

जीसीपीए कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

छतरपुर (पलामू) : जीसीपीए महाविद्यालय, छतरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ छतरपुर बीडीओ आशीष कुमार,नौडीहा बाजार के बीडीओ सुश्री शुभम बेला ,प्रभारी प्राचार्य प्रो राजकिशोर लाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसमें अतिथि के रूप में उपस्थित छतरपुर बीडीओ आशीष कुमार साहू ने बताया कि राष्ट्र की सेवा स्वच्छता से प्रारंभ करनी चाहिए। विद्यार्थी जीवन में जब छात्र-छात्राओं 15-20 वर्ष की आयु में शिक्षा ग्रहण करते हैं तो उन्हें शिक्षा के साथ-साथ सेवा व स्वच्छता के मायने भी सीखने चाहिए, क्योंकि विद्यार्थी जीवन की आयु में ही जो छात्र/छात्रा सीखता है। वह उसे जीवनपर्यंत काम आता है। अत: विद्यार्थी जीवन में प्रारंभ किया गया सेवा कार्य व स्वच्छता से संबंधित क्रियाएं उसके जीवन का अभिन्न अंग बन जाते हैं।

एक नजर

ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार

रांची : सुखदेव नगर थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर खरीद बिक्री करने के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों में सिती राम और अभिषेक कुमार यादव शामिल है। इनके पास से सिल्वर फॉईल में लपेटा हुआ कुल 16 पुडिया प्रतिबंधित नशीला पदार्थ ब्राउन शुगर (वजन करीब 1.90 ग्राम), एक ब्लु रंग का स्मार्टफोन और एक सफेद एव काले रंग का यामाहा एमटी बाइक बरामद किया गया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना के किशोरगंज रोड नंबर पांच के पास अवैध नशीले पदार्थों का खरीद विक्री हो रहा है। सूचना के बाद एक टीम का गठन किया गया। टीम ने छापेमारी कर उक्त स्थान पर छापेमारी की। पुलिस टीम को देखकर दो लोग भागने लगे। टीम ने दोनों को खदेड़ कर पकड़ लिया।

तलहा की जमानत याचिका खारिज

रांची : पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी तलहा खान की जमानत याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। ईडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिका खारिज कर दी है। तलहा की ओर से अधिवक्ता स्नेह सिंह और ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने बहस की। इससे पहले तलहा खान ने जमानत के लिए हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर कर चुके हैं लेकिन दोनों ही कोर्ट ने उसे जमानत देने से इनकार कर चुका है। उल्लेखनीय है कि तलहा खान को ईडी ने 13 अप्रैल, 2023 को गिरफ्तार किया था।

कमलेश कुमार के खिलाफ ईडी ने दाखिल किया आरोप पत्र

रांची : कांके जमीन फर्जीवाड़ा मामले में आरोपित जमीन कारोबारी कमलेश कुमार के खिलाफ ईडी ने पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार की अदालत में मंगलवार को आरोप पत्र दायर कर दिया है। आरोप पत्र में कमलेश के साथ कांके सीओ जय कुमार राम सहित छह लोगों के नाम शामिल हैं। कमलेश के खिलाफ सरकारी और रैयती जमीन पर अवैध ढंग से कब्जा करने, जमीन का नेचर बदलकर बेचने सहित अन्य आरोप है। आरोप पत्र में ईडी ने जमीन के पूरे घोटाले की विस्तृत जानकारी दी गयी है। 26 जुलाई को ईडी की टीम ने पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार किया था। जमीन कारोबारी कमलेश पर 300 एकड़ जमीन पर कब्जा करने का आरोप है। 21 जून को कमलेश के ठिकाने पर ईडी ने छापेमारी की थी। छापेमारी में उसके आवास से एक करोड़ नकद के साथ 100 रायफल की गोलियां बरामद किया गया था। कांके थाने में दर्ज दो केस और गोंदा थाना में दर्ज दो केस यानी कुल चार केस को टेकओवर कर ईडी ने कमलेश कुमार, अमरेंद्र कुमार पांडे और नूरुल अंसारी के खिलाफ ईसीआईआर केस दर्ज की है।

कोर्ट ने एनआईए नक्सली के आवाज के नमूने की जांच की दी अनुमति

रांची : एनआईए के विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत ने मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ओर से दाखिल आवेदन पर सुनवाई के बाद आरोपित नक्सली सब्यसाची गोस्वामी के आवाज के नमूने प्राप्त कर जांच करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने पुलिस रिमांड में रहते हुए स्टेट फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री निदेशक रांची को एनआईए शाखा कार्यालय में आरोपित व्यक्ति के आवाज के नमूना प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञ को प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ता ही होते हैं सर्वोपरि : केशव महतो कमलेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में संवाद आपके साथ कार्यक्रम जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो की अध्यक्षता में नामकुम स्थित सामलौंग के सांई बैंक्वेट हॉल में मंगलवार को किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और विशिष्ट अतिथि के रूप में एआईसीसी के रांची लोकसभा पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बालमुचू, प्रदेश कांग्रेस के जिला पर्यवेक्षक सुरेंद्र प्रसाद यादव और खिजरी विधायक राजेश कच्छप मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है और आप सभी उसके रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में पार्टी नई पहल करते हुए प्रत्याशी को कार्यकर्ताओं के प्रति उत्तरदायी एवं विकास कार्यों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनसे शपथ पत्र लेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी में सर्वोपरि होते हैं इसलिए उनके मान-सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

मौके पर रांची लोकसभा के पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय ने कहा कि बुथ स्तर के कार्यकर्ता ही चुनाव जीताते हैं। अतः सशक्त बुथ कमिटी का निर्माण सुनिश्चित करना होगा। संवाद आपके साथ कार्यक्रम को मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रवींद्र सिंह, आवास बोर्ड अध्यक्ष संजय लाल पासवान, ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अभिलाष साहू, पूर्व मंत्री योगेन्द्र साहु सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता डॉ इलयास मजीद और धन्यवाद ज्ञापन राजीव रंजन राजू ने किया।

हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव एवं देवघर डीसी को जारी किया अवमानना नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में देवघर में बाबा बैजनाथ मंदिर के निकट क्यू कॉम्प्लेक्स के फेज दो का निर्माण कार्य शुरू नहीं होने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की अवमानना याचिका की सुनवाई मंगलवार को हुई। मामले में हाई कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार द्वारा दायर किए गए शोकाज को रद्द कर दिया।

राज्य सरकार की ओर से कहा गया था कि सीएसआर फंड से देवघर में क्यू कॉम्प्लेक्स के फेज दो का निर्माण नहीं कराया जा सकता है, जिस पर हाई कोर्ट की खंडपीठ ने राज्य के मुख्य सचिव, पर्यटन सचिव और देवघर डीसी को और अवमानना नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि कोर्ट के आदेश का अनुपालन 10 माह बाद भी क्यों नहीं किया गया। उनके खिलाफ क्यों नहीं अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए? हाई कोर्ट की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर निर्धारित की है।

हाई कोर्ट की खंडपीठ ने दिसंबर 2023 में निशिकांत दुबे की ओर जनहित याचिका को स्वीकृत करते हुए देवघर में बाबा बैजनाथ मंदिर के क्यू कॉम्प्लेक्स का निर्माण जल्द करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि नवयुग कंपनी लिमिटेड के द्वारा सीएसआर के तहत देवघर में क्यू कॉम्प्लेक्स के द्वितीय फेज के निर्माण के लिए 120 करोड़ देने का जो आग्रह किया था, उसे राज्य सरकार स्वीकार करें। इस राशि से देवघर में क्यू कंपलेक्स के द्वितीय फेज का निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

कोर्ट ने सरकार को क्यू कॉम्प्लेक्स के द्वितीय फेज के निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग करने का भी निर्देश दिया था लेकिन हाई कोर्ट के आदेश का पालन नहीं होने पर निशिकांत दुबे की ओर से हाई कोर्ट में और अवमानना याचिका दाखिल की गई।

नवनियुक्त चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव पहुंचे रांची, एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव मंगलवार को एयर इंडिया के विमान से रांची एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पर हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्रार एस्टेब्लिशमेंट, प्रोटोकॉल के अधिकारी, लॉ सेक्रेटरी, रांची डीसी, राजपाल के प्रधान सचिव, रांची एसएसपी ने उनका स्वागत किया। वहां से नवनियुक्त चीफ जस्टिस होटल रेडिसन ब्लू पहुंचे, जहां वे रुकेंगे।

बुधवार पूर्वाह्न 10:30 राज्यपाल उन्हें राजभवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव को स्थानांतरित करते हुए झारखंड हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया है।

बेहतर शिक्षा व्यवस्था में स्वयंसेवी संस्थाओं का अहम योगदान : आदित्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में आउट ऑफ स्कूल बच्चों को विद्यालय से जोड़ने, विद्यालयों में शून्य ड्रॉपआउट सुनिश्चित करने और शत-प्रतिशत नामांकन कराने में राज्य में संचालित स्वयंसेवी सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को गैर वित्तीय आधार पर सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अलावा स्कूल स्कोर कार्ड, प्रोजेक्ट इम्पैक्ट के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन को भी सुनिश्चित करेंगे। आज राज्य शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा 24 स्वयंसेवी सहयोगी संस्थाओ के प्रतिनिधियों एवं जिला प्रभाग प्रभारियों के लिए इस संबंध में विशेष संयुक्त प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी।

इस कार्यशाला में राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करने में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के साथ साथ स्वयंसेवी सहयोगी संस्थाओं का भी अहम योगदान है। विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता को उत्कृष्ट बनाने और बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने में संस्थाएं सहयोग दें।

उन्होंने संस्थाओ द्वारा समर्थित विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन, शत-प्रतिशत ट्रांजिशन और शून्य ड्रॉपआउट के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए प्रत्येक महीने कम से कम 10 विद्यालयों के लक्ष्य को प्राप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधि जिस भी विद्यालय में जाएं वहां के स्कूल स्कोर कार्ड का अनुश्रवण भी करें। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवी सहयोगी संस्थाओ में हर किसी की भूमिका अनन्य है और हर संस्था किसी ना किसी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है।

महिला टीम के बाद झारखण्ड पुरुष टीम भी बनी पारा थ्रो बॉल राष्ट्रीय चैंपियन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : महिला टीम के बाद झारखण्ड पुरुष टीम ने पारा थ्रो बाल फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में पारा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के द्वारा हरिवंश टानाभगत इंडोर स्टेडियम खेलगांव में बीसीसीएल कप पारा थ्रो बॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान को 3-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया जबकि हरियाणा को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। कांटे के तककर में झारखण्ड ने राजस्थान को 15-13, 15-12, 11-15 एवं 15-10 से मात दिया। विदित हो कि महिला वर्ग में झारखण्ड महिला टीम ने राजस्थान को 2 -0 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया था। विजेताओं को कप के साथ व्यक्तिगत पदक एवं नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। प्रतियोगिता में निर्मला रावत, निदेशक पारा थ्रो बाल फेडरेशन ऑफ इंडिया, फेडरेशन के अध्यक्ष डॉक्टर अल्बर्ट प्रेम कुमार, सुधा लील्हा, रमेश सिंह, निशा मेहता, मंजीत सिंह, कमल कुमार अग्रवाल ने खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत और कास्य पदक प्रदान किया। झारखण्ड टीम के कोच मुकेश कंचन ने कहा कि यह झारखण्ड के लिए गर्व का विषय है। राज्य की टीम ने विपरीत परिस्थियों में तैयारी कर यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने कहा कि अगर सहयोग और अवसर मिले तो राज्य के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने मे सक्षम हैं। इस अवसर पर राज्य के कप्तान सनोज महतो ने कहा, कि यह जीत निशक्तता पर जीत है। संस्था के अध्यक्ष श्री राहुल मेहता ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग के लिए बीसीसीएल, सीसीएल, सीएमपीडीआई, एनटीपीसी, झारखंड सरकार, मुक्ति संस्थान, भूषण डेंटल क्लिनिक, विमेन हेल्पलाइन सोसायटी, डिसेबल स्पोर्ट्स एवं जन उत्थान समिति, दराद आदि को धन्यवाद दिया।

आंगनबाड़ी सेविका-सहियाओं का रैली-धरना को राष्ट्र सेवा फाउंडेशन ने दिया समर्थन

आंगनबाड़ी सेविका-सहियाओं की उचित मांगों को पूरा करे हेमंत सरकार : सुनील कुमार सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य आंगनबाड़ी सेविका-सहियाओं की आठ सूत्री मांगों को लेकर मोरहाबादी मैदान रांची में एक दिवसीय रैली /प्रदर्शन की गई। जिसमें लगभग दस हजार सेविका-सहियाओं एकत्र हुई। इस बाबत राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह को अपनी मांगों को लेकर समर्थन के लिए ज्ञापन सौंपा। जिसमें सेविका-सहियाओं का कहना है कि हमारी आठ सूत्री मांगों को जल्द से जल्द पूरा करे राज्य सरकार, नहीं तो अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। इस अवसर पर आंगनबाड़ी सेविका-सहियाओं की एक प्रतिनिधि राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह से मिली और लेटर की प्रति देते हुए समर्थन किए जाने से सबंधित अपनी मांगों को लेकर चर्चा की। मौके पर सुनील कुमार सिंह ने सेविका-सहियाओं की बातों को सुना और उनकी उचित मांगों को समर्थन किया। वहीं सुनील कुमार सिंह ने कहा कि मैं झारखंड की हेमंत सरकार से पूछना चाहता हूं कि, आखिर क्या वजह है कि, आए दिन राज भवन हो या मोरहाबादी मैदान, कर्मचारियों की धरना प्रदर्शन जारी रहता है। कभी दिव्यांगजनों की धरना, कभी मुखिया संघ की धरना, कभी जल सहिया दीदी लोग की धरना, कभी सहायक पुलिस कर्मियों की धरना, कभी सहायक अध्यापकों की धरना, आदि आदि कर्मचारियों की धरनाओं के साथ आज आंगनवाड़ी सेविका-सहियाओं की धरना /प्रदर्शन तथा रैली की जा रही है, आखिर सरकार क्या कर रही है? इस गठबंधन की सरकार में ना हीं युवाओं को कोई रोजगार देने का काम किया गया? ना हीं महिलाओं की सुरक्षा दे पा रही है? इस सरकार के लगभग 5 साल के कार्यकाल में लगभग 7000 मां, बहन, बहू, बेटियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं घट चुकी है। जनता बेहाल है, हर तरफ लूट खसोट और भ्रष्टाचार व्याप्त है। अब जब विधान सभा चुनाव होने वाला है तो, चुनाव में लाभ लेने के लिए, अंतिम समय में महिलाओं और युवाओं को खुश करने के लिए, मंईयां सम्मान योजना लाना, और उत्पाद सिपाही बहाली व जेएसएससी सीजीएल परीक्षा आयोजित कर रही है? कहा कि राज्य सरकार उत्पाद सिपाहियों को इतना दौड़ लगवा रही है कि, उनकी जानें तक चली जा रही है? अभी तक लगभग 18 से 20 उत्पाद सिपाही अभ्यर्थियों की दौड़ के क्रम में अपनी जान गवां चुके हैं, और लगभग 200 उत्पाद सिपाही डायलिसिस पर हैं! वहीं 21 और 22 सितंबर की जेएसएससीझ सीजीएल परीक्षाओं को कदाचार मुक्त कराने को लेकर इंटरनेट सेवा बंद किया गया? जबकि परीक्षाओं में गड़बड़ी की मामले आने शुरू हो गए हैं! रामगढ़ में जेएसएससी परीक्षार्थियों को 25/ 25 लाख लेकर पास करने संबंधित गिरोह का एक युवक को पकड़ा गया। कई जगह छात्रों को प्रश्न पत्र के सील पहले से टूटे होने की खबरें आ रही है? कुछ और भी विषय हैं जो संदेह के घेरे में है? जिससे प्रतीत होता है कि, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में भी भारी धांधली, कदाचार, और भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर हो रही है? बहरहाल राष्ट्र सेवा फाउंडेशन हेमंत सरकार से आग्रह करते हुए मांग करती है कि, आंगनबाड़ी सेविका सहायिकाएं की उचित मांगों को पूरा किया जाए। ताकि सेविका-सहियाओं अपने घर परिवार को सही से चला सके।

मौके पर आंगनबाड़ी सेविका लीना सिन्हा, लालिमा देवी, कांता कुमारी,वीना कुमारी, उमा देवी, रिंकू देवी,रानी कुमारी,आशा देवी,संगीता कुमारी सहित हजारों की संख्या में सेविका सहायिकाएं शामिल थीं।

संक्षिप्त खबरें

कवयित्री 'मीनू' मीना सिन्हा को 'वृंदा- उपेंद्र हिंदी रत्न सम्मान' से किया गया सम्मानित

रांची : जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन, बांका के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कवयित्री 'मीनू' मीना सिन्हा को 'वृंदा-उपेंद्र हिंदी रत्न सम्मान' से सम्मानित किया गया जिसमें नकद राशि 2100/- उन्हें प्रदान किया गया। मीनू कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड, रांची की अवकाश प्राप्त लाइब्रेरियन हैं। इनका जन्म स्थान प्रखंड बरियारपुर, जिला मुंगेर राज्य, बिहार और कर्मभूमि रांची है। डेढ़ सौ से अधिक साहित्यक संस्थाओं द्वारा सम्मानित कवयित्री के पॉच काव्य संग्रह प्रकाशित हैं। जीवनधारा, बेटियां, अनुभव के दरख्त, पत राखो हे मेरी माता, और गिरिपथ की रचयिता 'मीनू' की दो पुस्तकें गद्य विधा में 'अखंड अहिवात' कहानी संग्रह और 'कश्मीर से कन्याकुमारी' यात्रा संस्मरण शीघ्र प्रकाश्य हैं। राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित होती रहती हैं। सेवानिवृत्ति के बाद रचनाओं के सतत सृजन में सक्रिय रहती हैं। इनके पति डॉ मनोरंजन प्रसाद सिन्हा रांची वेटनरी कॉलेज के अवकाश प्राप्त डीन हैं।

श्याम मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 120 वा श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने महाबली बजरंगबली की ज्योति प्रज्वलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग अर्पित कर श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित जनों से करवाया। भक्तजन श्री हनुमान जी की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा सेवा श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा मुकेश मित्तल ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया श्रवन ढानढनिया अनिल नारनोली स्नेह पोद्दार सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में एकादशी के अवसर पर शनिवार 28 सितंबर को रात्रि 9:30 बजे से एकादशी संकीर्तन का आयोजन होगा। इस अवसर पर कोलकाता से मंगाई जा रहे फूलों से खाटूनरेश सहित सभी देवी देवताओं का विशेष दिव्य श्रृंगार होगा। सुशीला देवी सावा कमलेश सावा राजू सावा अपने परिवार के साथ खाटू नरेश की अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करेंगे।

30 सितंबर से महत्वपूर्ण ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी

रांची : दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल में चल रहे विकास कार्यों के लिए ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण कई ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। इस संबंध में रेलवे ने सूचना जारी की है, जिसके मुताबिक ट्रेन संख्या 13351 धनबाद अलपुझा एक्सप्रेस 30 सितंबर से 27 अक्टूबर तक अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुड़ीवाड़ा, विजयवाड़ा होकर चलेगी। मार्ग परिवर्तन के कारण इस ट्रेन का ताडेपल्लीगुडेम तथा एलूरु स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा। ट्रेन संख्या 22837 हटिया एणार्कुलम एक्सप्रेस 30 सितंबर, 7, 14 और 21 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर चलेगी। मार्ग परिवर्तन के कारण इस ट्रेन का एलुरु स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा। ट्रेन संख्या 18637 हटिया सर एम विश्वईश्वरैया, बेंगलुरु एक्सप्रेस 5, 12, 19 और 26 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर चलेगी। ट्रेन संख्या 12835 हटिया सर एम विश्वईश्वरैया बेंगलुरु एक्सप्रेस 1, 6, 8, 6, 8, 13, 15, 20, 22, 27 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर चलेगी।

हाई कोर्ट ने भंग की धार्मिक न्याय बोर्ड की पहाड़ी मंदिर कमेटी

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में पहाड़ी मंदिर विकास समिति की दायर याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। सुनवाई में अदालत ने राज्य सरकार और धार्मिक न्यास बोर्ड की बनाई गई कमेटी को भंग कर दी है। अदालत ने निर्देश दिया है कि पूर्व की तरह रांची डीसी के नेतृत्व वाली कमेटी पहाड़ी मंदिर का कार्यभार देखेगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि समिति को किसी प्रकार का धारा 29 का नोटिस (समिति भंग करने का कारण) नहीं दिया गया। ना ही जिला न्यायाधीश से मंदिर विकास के लिए कोई योजना दी गई और न ही जिला न्यायाधीश से किसी प्रकार की कोई सहमति ली गई। समिति भंग करने से पहले बोर्ड से कोई आदेश भी पारित भी नहीं कराया गया। धार्मिक न्यास के चेयरमैन का आदेश सही नहीं है। पहाड़ी मंदिर विकास समिति के ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा ने पक्ष रखा। धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार ने पक्ष रखा।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में सफाई कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान पखवाड़ा के तहत मंगलवार को विश्वविद्यालय अस्पताल में सफाईकर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कर्मियों के वजन, बीपी, शुगर, पल्स आदि की जांच की गई तथा उन्हें विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ यू एस वर्मा द्वारा आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर में विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों के लगभग 50 कर्मियों की जांच की गई। एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ बीके झा ने बताया कि राजभवन के निर्देश के आलोक में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसके तहत बीएयू के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रावास परिसर, महाविद्यालय परिसर, निकटवर्ती बाजार आदि की सफाई करने के साथ-साथ स्वच्छता सेवा रैली, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर, निबंध, वाद विवाद, क्विज एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन चल रहा है।

एक नजर

मजदूर की जेसीबी की चपेट मे आने से दर्दनाक मौत

धनबाद : टीलाटांड़ महिला थाना के समीप एन एच 32 महुदा कतरास मार्ग में दिहाड़ी मजदूरी करने जा रहे हैं काको बस्ती के हाड़ी टोला के तारा नापित(45) की जेसीबी वाहन की चपेट में आने से दर्द नाक मौत हो गई। बताया जाता है कि घर में जितिया के लिए मछली और फल फूल खरीद कर वह प्रत्येक दिन की तरह काम की तलाश में काको से अपने गंतव्य स्थान पर जा रहा था। तभी टीलातांड महिला थाना के पास एन एच ३२ में जेसीबी वहां की चपेट में आने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई घटना स्थल पर लोगों की भीड़ लग गई घटना की सूचना मिलते ही कतरास थाना प्रभारी आसित कुमार सिंह अपने दल बल के साथ पहुंचे। परिजनों ने लोगों के सहयोग से सड़क पर बैठ गए और मुआवजा की मांग करने लगे। जेसीबी को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। चालक मौके से हुआ फरार। करीब बारह बजे शव को पुलिस समझौता के बाद पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया।

सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की हुई बैठक

सिल्ली/मुरी : सिल्ली प्रखंड के राधिका मैदान में मंगलवार के दिन दुर्गा पूजा को लेकर सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति की ओर से एक आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने दुर्गा पूजा को भव्य तरीके और हर्षोल्लास के साथ मनाने को लेकर विचार विमर्श किया। बैठक में सर्वसम्मति से अनुरूमा मॉडल स्कूल के संचालक रमन साहू को अध्यक्ष के रूप में चुना गया। मौके पर सुधीर साहू, पूर्व मुखिया सुरेश मुंडा, मुखिया भरत मुंडा, कंचन सोनार, प्रदीप विश्वकर्मा, भागवत सोनार, सुजीत सोनार, दीपक सोनार, राजेश साहु, नटवर शर्मा, शंकर विश्वकर्मा एवं चण्डी विश्वकर्मा इत्यादि सदस्यगण उपस्थित रहे।

प्रोडक्शन रीलेटेड पे के लिए भारी बारिश में कर्मियों ने किया प्रदर्शन

बोकारो : प्रोडक्शन रिलेटेड पे के लिए बीएसएल कर्मियो नें आज एसएमएस 1 में जोरदार प्रदर्शन किया है । बीएकेएस बोकारो के नेतृत्व में, 6ठें दिन एसएमएस 1 में कार्यरत कर्मचारी अपने सीजीएम कार्यालय के समक्ष एकत्र हुए तथा प्रोडक्शन रिलेटेड पे के लिए जोरदार प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि सेल प्रबंधन द्वारा एकतरफा तरिके से लागु किए गए एएसपीएलआईएस फॉमुर्ला को रद्द करने की माँग, बीएसएल कर्मी विगत दो वर्षो से कर रहे है। 2022 में 40500 रुपया बोनस देने के बाद पिछले वर्ष एकतरफा तरिके से मात्र 23000 रुपया बोनस राशी भेजने के कारण बीएसएल कर्मचारी आक्रोशित है। एक तरफ घटते मैनपावर के बावजुद प्रोडक्शन डेढ़ गुणा हो गया। सेल का कुल व्यापार में 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुआ है, लेबर प्रोडक्टिविटि प्रत्येक साल रिकॉर्ड रुप से बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ कर्मचारियों के प्रत्येक सुविधा में कटौती किया जा रहा है। सेल अधिकिरियों को पर्क्स का एरियर तक दिया जा रहा है जबकि कर्मचारियो को फिटमेंट और पर्क्स दोनो का एरियर लटकाए हुए है। सेल चेयरमैन खुद पीबीटी का 5 प्रतिशत हिस्सा के रुप में पीआरपी ले रहे है। कर्मचारियों को अच्छे बोनस से भी वंचित रखा गया है। अध्यक्ष हरिओम ने कहा कि लगातार तीन वर्ष तक एक लाख करोड़ रुपया से अधिक का व्यापार करने वाली महारत्ना कंपनी के कर्मचारी मिनिरत्ना कंपनी जैसा भी बोनस नही पा रहे है ।

अत्याचार व अन्याय करने वाली विकास विरोधी सरकार को उखाड़ फेंकना है : शिवराज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- भाजपा सरकार बनी तो 287000 रिक्त पदों को भर युवाओं को रोजगार देगी सरकार
- सरकार बनी तो तीन महीने के अंदर एयरपोर्ट होगी चालू, विस्थापितो की समस्याओं का होगा निदान

बोकारो : झारखंड चुनाव प्रभारी व केन्द्रीय ग्रामीण विकास कृषि कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सेक्टर वन स्थित विवेकानंद मैदान मे चुनावी बिगुल फूंका। तेज बारिश होने के बावजूद पानी मे भींगते हुए शिवराज सिंह चौहान ने अपने 25 मिनट की भाषण में जनता से आहवान करते हुए कहा कि समय आ गया कि अत्याचारी, अन्याय करने वाली, विकास विरोधी हेमन्त सरकार को उखाड़ फेकना है। शिवराज पूरे चुनावी मोड में दिखे। उन्होने कहा कि झारखंड की माटी, रोटी और बेटी की अस्मिता की रक्षार्थ डबल इंजन की सरकार को लाना जरूरी है। भाजपा सरकार आएगी तो विदेशी घुसपैठियो पर नकेल कसने का काम करेगी। केन्द्रीय मंत्री ने जनता से वादा किया कि भाजपा सरकार आती है तो प्रदेश में रिक्त पड़े 2,87,000 पदों को भरने का काम करेगी। वहीं विस्थापित, पुर्नवास और रोजगार से जुड़ी समस्याओं की निदान की जाएगी। बोकारो एयरपोर्ट की चर्चा करते हुए शिवराज ने कहा कि राज्य सरकार की अकर्मणयता के कारण इसकी परिचालन आरंभ नहीं हो पा रही है। भाजपा सरकार बनी तो सरकार बनते ही तीन महिने के अंदर इसकी परिचालन आरंभ कर दी जाएगी। हेमन्त सरकार पर तीखी प्रहार करते हुए कहा यह विकास विरोधी है। यह सिर्फ राज्य को लूटने में लगी है। जल, जंगल व जमीन की बात करने वाले आदिवासियों की जमीन हथिया कर जेल यात्रा कर रहे हैं और जेल से बाहर आने के बाद ऐसी छवि जनता के बीच प्रस्तुत कर रहें है जैसे की वो कोई पुण्य का काम कर लौटे हो। सांसद ढुल्लू महतो ने कहा राज्य में पति पत्नी की सरकार है। ढुल्लू ने बेरमो विधायक अनुप सिंह का नाम तो नहीं लिया अनुप के सुरक्षा व्यवस्था मे खर्च हो रहे पैसे पर प्रश्न उठाया। सभा को बोकारो चुनाव प्रभारी, पूर्व औरंगाबाद सांसद सुशील सिंह, चुनाव क्लास्टर प्रभारी व बिहार सरकार के मंत्री नितिन नविन, रोहित लाल सिंह व बोकारो विधायक ने संबोधित किया। कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी चंद्रशेखर अग्रवाल, पूर्व सांसद रविन्द्र राय, जयदेव राय, वीरभद्र प्रसाद सिंह, डॉ परिंदा सिंह, अर्चना सिंह, लीला देवी, ममता गोस्वामी, करूणा अनिल स्वर्णकार, गिरजा देवी सहित जिला व मंडल के भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने बीसीसीएल कोलियरी कार्यालय के गेट में जड़ा ताला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

तेतुलमारी (धनबाद): रामकनाली ओपी अंतर्गत रामकनाली बस्ती के ग्रामीणों ने बीसीसीएल एरिया 04 के रामकनाली कोलियरी कार्यालय गेट में ताला जड़ा ताला, जमकरा बवाल काटा। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने ही रामकनाली ओपी परीसर पहुँचकर भी हंगामा किया। दरअसल गत दिनों चोरों द्वारा कोलियरी के विद्युत सबस्टेशन का केबल लूट लिया गया। जिस कारण इलाके में बिजली और जलापूर्ति पूरी तरह ठप है। और ग्रामीणों को कई प्रकार के कठियाईयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने स्थानीय बीसीसीएल प्रबन्धन पर बिजली बहाल करने में शिथिलता बरतने का आरोप लगाया है।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सम्बंधित बीसीसीएल के अधिकारियों से सम्पर्क साधा गया तो उनके द्वारा गैर जिम्मेदाराना जबाव मिला। वहीं सीधे तौर पर यह चेतावनी भी दी है कि जबतक इलाके में बिजली और जलापूर्ति सुचारू नही होगा तबतक कार्यालय में इसी तरह तालाबंदी रहेगा। दर्जनों ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन भी किया।

बोकारो को डेंगू के डंक से बचाने में जुटा बीएसएल का जन स्वास्थ्य विभाग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू के प्रकोप से शहर को सुरक्षित रखने के लिए एक व्यापक अभियान की शुरूआत की गई है। इसके तहत लगातार प्रत्येक सेक्टर, मार्केट, हटिया सहित टाउनशिप के अन्य क्षेत्रों में फॉगिंग और एंटी-लार्वा ट्रीटमेंट किया जा रहा है ताकि डेंगू मच्छरों को पनपने से रोका जा सके। इसके साथ-साथ डेंगू से बचाव के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार और जन-जागरूकता के प्रयास भी किए जा रहे हैं। लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि वे अपने घरों और घर के परिसर में पानी जमा न होने दें और स्वच्छता बनाए रखें, ताकि डेंगू और मलेरिया मच्छरों का प्रजनन रोका जा सके। लोगों से अनुरोध किया जा रहा है कि वे पुराने टायर, बर्तन, और अन्य वस्तुएं, जिनमें पानी जमा हो सकता है, उन्हें हटा दें। इसके साथ ही, पानी के बर्तनों को ढककर रखने और पानी की टंकियों, कूलरों, और फूलों के गमलों की नियमित सफाई करने की सलाह भी दी जा रही है. बीएसएल द्वारा द्वारा एंटी-लार्वा ट्रीटमेंट का साप्ताहिक शेड्यूल तैयार किया गया है। जिसके तहत हर दिन अलग-अलग सेक्टरों में जन स्वास्थ्य विभाग की टीम घरों, बाजारों और अन्य इलाकों में जाकर डेंगू मच्छरों के पनपने के संभावित खतरों की जाँच करती है और आवश्यकतानुसार दवा का छिड़काव किया जाता है। जाँच के क्रम में लोगों को अपने घरों और आवसीय परिसर में पानी जमा न होने देने की सलाह दी जा रही है ताकि डेंगू मच्छर पनपने न सके। इसके साथ ही टाउनशिप में नियमित रूप से फॉगिंग की शुरूआत भी की गई है जिसके लिए एक अलग से साप्ताहिक शेड्यूल तैयार किया गया है।

बाघमारा की जनता की मांग है रोहित यादव बने प्रत्याशी : सोनू शर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कतरास (धनबाद) : कांग्रेस पार्टी के बाघमारा विधानसभा चुनाव प्रवेक्षक नवनीत नीरज तथा कतरास नगर के प्रवेक्षक बाघमारा विधानसभा के संभावित प्रत्याशियों से रायशुमारी के लिए बाघमारा के डुमरा गेस्ट हाउस पहुंचे। जहां संभावित प्रत्याशी रोहित यादव तथा जलेश्वर महतो के प्रतिनिधि तथा अशोक लाल, लगन देव यादव, राजेश राम उपस्थित हुए सभी ने अपनी दावेदारी पेश की जहां रोहित यादव के समर्थक भारी संख्या में उपस्थित थे।श्री यादव के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित सोनू शर्मा ने कहा बाघमारा की जनता की मांग है रोहित यादव क्षेत्र की जनता का उन्हें आशीर्वाद प्राप्त है। पार्टी अगर उन्हें प्रत्याशी बनाती है,तो बाघमारा की जनता एक लाख से ज्यादा मतो से जिताकर इतिहास बनाने का काम करेगी। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता रविंद्र पांडे मंडल अध्यक्ष दयाल महतो, प्रखंड अध्यक्ष बलराम महतो, जावेद रजा, दिलीप मिश्रा, बिनोद राय, मो आमीन उल्लाह, मो इफ्तेकर दुर्गा रवानी, परदेसी यादव, परेश दासौंधी, पप्पू पासवान, मो मिराज, प्रदीप राम, अवधेश राम, राजू सिंह, मो मुजाहिद, मो सफी, मधु, आदि सैकड़ो कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 का अपर समाहर्ता ने किया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत मंगलवार को अपर समाहर्ता विनोद कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन तथा जिला तम्बाकू नियंत्रण कोषांग की जिला नोडल पदाधिकारी डॉ मंजु दास ने जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 2.0 का शुभारंभ किया। इस संबंध में डॉ मंजु दास ने बताया कि 24 सितम्बर से 24 नवम्बर 2024 (60 दिन) तक चलाए जाने वाले इस अभियान के तहत जिले के युवाओं को तम्बाकू के दुष्परिणामों के प्रति जागरुक किया जाएगा। मौके पर कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ पंकज उइके, एनसीडी सलाहकार, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन राँची, डॉ देवाशीष सरकार, जिला सलाहकार राहुल कुमार, सोशल वर्कर शुभांकर मैत्रा, उमाशंकर मंडल, लालदेव रजक एवं पल्लवी सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

'संवाद आपके साथ' कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

नामकुम : मंगलवार को रांची जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में 'संवाद आपके साथ' कार्यक्रम जिलाध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो की अध्यक्षता में साई बैंक्वेट हॉल, सामलौंग में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एआईसीसी के रांची लोकसभा पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार बालमुचू, प्रदेश कांग्रेस के जिला पर्यवेक्षक सुरेंद्र प्रसाद यादव एवं खिजरी विधायक राजेश कच्छप की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का अपना गौरवशाली इतिहास रहा है और आप सभी उसके रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में पार्टी नई पहल करते हुए प्रत्याशी को कार्यकताओं के प्रति उत्तरदायी एवं विकास कार्यों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु उनसे शपथ पत्र लेगी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी में सर्वोपरि होते हैं इसलिए उनके मान-सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। सभा को संबोधित करते हुए रांची लोकसभा के पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय ने कहा कि बुथ स्तर के कार्यकर्ता ही चुनाव जीताते हैं। अतः सशक्त बुथ कमिटी का निर्माण सुनिश्चित करना होगा। आज के इस 'संवाद आपके साथ' कार्यक्रम को रवींद्र सिंह,अध्यक्ष, मार्केटिंग बोर्ड, संजय लाल पासवान, अध्यक्ष, आवास बोर्ड, अभिलाष साहू, अध्यक्ष,ओबीसी विभाग, पूर्व मंत्री योगेन्द्र साहु, यशस्विनी सहाय, अजय नाथ शाहदेव, अमूल्य नीरज खलखो, सत्यनारायण सिंह, सुरेश बैठा, सतीश पॉल मुंजनी, अमरेन्द्र सिंह,बेलेस तिर्की, सुंदरी तिर्की, सीता लकड़ा आदि वरिष्ठ नेताओं ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में निरंजन पासवान, रीता चौधरी, सुरेन राम, ऐनुल हक, चंदन बैठा, डॉ इलियास मजीद, विक्टोरिया देवी, रीना सांगा, मेरी तिर्की, जफर इमाम, अशफाक आलम, शाहिद अंसारी, अर्चना मिश्रा, राजीव रंजन, जगदीश चंद्र महतो, रमेश पांडे, तुलसी खरवार, अजय साहू, संजर खान, शिवटहल नायक, सहावीर लोहारा, तुलसी खरवार, अजगुत महतो, संजय सेठ, साबिर अंसारी, अमरनाथ मुंडा, अजय साहू, राजकिशोर सिंह मुंडा, कार्तिक चंद्र महतो, पंचू तिर्की, कल्याण लिंडा, कृष्णा अहीर, गुहीराम महतो, मंजूर मोमिन अंसारी, अनीता देवी, मीनू सिंह, अनु बेक, शैलेंद्र महतो, मुकुंद यादव, कृष्ण मोहन महतो, देवेंद्र नाथ महतो, उपेंद्र गोंझू , विनोद सिंह, गौरी शंकर महतो, शैलेन्द्र सिंह, शाहिद अंसारी, विजय टोप्पो, एतवा उरांव,अनिल टोप्पो आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल पहुंचे धनबाद, सर्किट हाउस में दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

धनबाद : झारखंड के राज्यपाल माननीय संतोष गंगवार मंगलवार की दोपहर दुमका से रांची जाने के क्रम में धनबाद पहुंचे। इस मौके पर माननीय राज्यपाल को सर्किट हाउस में जिला प्रशासन द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यपाल के सर्किट हाउस पहुंचने पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, सिटी एसपी अजीत कुमार ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। कुछ देर सर्किट हाउस में विश्राम करने के बाद राज्यपाल रांची के लिए प्रस्थान कर गए। मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, एसडीओ राजेश कुमार, सिटी एसपी अजीत कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, डीएसपी हेडक्वार्टर १ शंकर कामती, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर दीपक कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीएसपी ट्रैफिक अरविन्द कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, एनडीसी दीपक कुमार दुबे, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी के कुलपति राम कुमार सिंह, अंचल अधिकारी पुटकी विकास आनंद, कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

तिलक जेडिया बनेंगे झरिया की आवाज, युवा सदन में हुए चयनित

धनबाद : झारखंड सरकार द्वारा आयोजित झारखंड युवा सदन 4.0 में झरिया विधानसभा से तिलक जेडिया का नाम चयनित हुआ है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में तिलक जी झरिया विधानसभा तथा झारखंड के अनेकों मुद्दों पर अपनी बात सदन में रखेंगे। तिलक धनबाद के पी. के रॉय महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान के छात्र है और वह विगत कई वर्षो से छात्रों की आवाज है। अब वह झरिया की अगुवाई करते हुए युवा सदन में अपनी आवाज को मजबूती से रखेंगे। उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार के इस कार्यक्रम के जरिए पढ़े लिखे,समाज कल्याण की विचारधारा रखने वाले युवा अपने प्रतिभा को निखार सकते हैं। मुझे इस बात की बहुत ही खुशी है कि मुझे भी झरिया विधानसभा क्षेत्र से युवा सदन जैसे कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिला।

जिरवाबाड़ी थाना में आवेदन देने के 10 दिन बाद भी नहीं दर्ज हुई प्राथमिकी

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत जगजीवन रविदास पिता स्वर्ग ज्योतिष रविदास साकिन छोटा पंचगढ़ के रहने वाले ने अपने 17 वर्षीय पुत्री छोटी कुमारी के अपहरण को लेकर 14 सितंबर 2024 को जिरवाबाड़ी थाना में मनीष रजक पिता किशोर रजक साकिन छोटा पंचगढ़ के रहने वाले के विरुद्ध आवेदन दिया था। जहां 10 दिन बीत जाने के बाद भी जिरवाबाड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज नहीं किया गया। जहां जगजीवन रविदास से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि उनकी पुत्री छोटी कुमारी घर से काम करने को बोलकर निकली थी,लेकिन घर वापस नहीं आने पर परिवार वालों ने हर जगह खोजबीन शुरू कर दिया। जहां घर वापस नहीं आने पर पिता को अशंका हुआ कि उनके पुत्री को घर के बगल में रहने वाला मनीष रजक लड़का ने पुत्री को शादी के नियत से अपहरण कर के कहीं लेकर चला गया। जहां मनीष रजक के पिता किशोर रजक से पूछने पर मनीष रजक कहां है तो कहता है कि मुझे नहीं पता मेरा बेटा कहां है जाकर तुम लोग ढूंढो। वही 23 सितंबर 2024 को पुत्री छोटी कुमारी और मनीष रजक दोनों साथ में आ गए, जहां जिरवाबाड़ी थाना में जगजीवन रविदास की पुत्री छोटी कुमारी को बैठा कर रखा हुआ है और 14 सितंबर 2024 को मनीष रजक के विरुद्ध आवेदन देने के बावजूद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। जहां जिरवाबाड़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज नहीं होने के कारण मामला रफा दफा करने को है। अब देखना है कि जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी मामला को संज्ञान में लेते हैं या नहीं?

खिजरी विधानसभा में 30 को होगा परिवर्तन संकल्प यात्रा का आयोजन : सुनील

अनगड़ा : रांची जिला अंगड़ा प्रखंड चिल दाग में भारतीय जनता पार्टी का बैठक हुआ। बैठक का मुख्य उद्देश्य 30 सितंबर को खिजरी विधानसभा में परिवर्तन संकल्प यात्रा होना है। इसी को लेकर शक्ति केंद्र चिलदाग में बैठक मंडल अध्यक्ष सुनील महतो की अध्याचता में रखा गया। बैठक में विशेष परिवर्तन संकल्प यात्रा को सफल बनाने को लेकर चर्चा परिचर्चा की गई। मौके पर अनगडा मंडल पूर्व अध्यक्ष रामनाथ महतो मंडल संयोजक बोथ अध्यक्ष नरेश महतो पंचायत संयोजक बाबूलाल महतो रामचरण महतो हरनाथ करमाली लालू महतो रवि महतो राजेश महतो एवं सभी भारतीय जनता पार्टी के भारी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता शामिल थे।

सिल्ली में जितिया पुजा संपन्न, माताओं ने किया निर्जला व्रत

सिल्ली/मुरी : पुत्र के दीघार्यु व कल्याण की कामना को लेकर मनाया जाने वाला जितिया व्रत सिल्ली मुरी समेत प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में मंगलवार को विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। व्रती माताओं ने निर्जला उपवास रखकर भगवान जीमूत वाहन की विधिवत पूजा-अर्चना एवं जीवित पुत्रिका व्रत कथा का नियमानुसार श्रवण किया। इसके लिए कई घर के आंगन में तो कई जगहों पर सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया। पूजा के पश्चात बच्चों के मांथे पर तिलक चंदन लगाकर हाथों में मोली धागा बांधा एवं प्रसाद वितरण किया। व्रती माताओं ने सोमवार को नहाय-खाय के साथ पूजा की विधि विधान प्रारंभ की थी। वहीं बुधवार को निकटतम जलाशयों में कलश एवं जितिया डाली का विसर्जन के पश्चात ही महिलाएं व्रत तोड़कर अन्न, जल ग्रहण कर व्रत पूर्ण करेंगे। पुजा का दो दिन तिथि के कारण कई जगहों पर आज बुधवार को भी पुजा का आयोजन किया जाएगा।

चैनपुर में जंगली हाथी का आतंक, एक व्यक्ति की कुचल कर ली जान

वन विभाग की लापरवाही से बढ़ रहा जंगली हाथियों का खतरा, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चैनपुर : चैनपुर थाना क्षेत्र के बेंदोरा पंचायत अंतर्गत दत्तरा गांव निवासी मतीयस केरकेट्टा (48) का शव मंगलवार दोपहर 1 बजे दत्तरा जंगल से मिला। ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार की रात गांव में जंगली हाथी के घुसने की सूचना मिलने पर घंट बजाकर ग्रामीणों को एकत्रित कर जंगली हाथी को गांव से दूर खड़े करने के लिए सभी ग्रामीण निकले थे। वही अपने घरों में फसलों की रक्षा के लिए ग्रामीणों ने रात भर रात जगा भी की। वहीं दूसरे दिन सोमवार को मतीयस केरकेट्टा का कोई पता नहीं चला तो लोगों ने काफी खोजबीन की। दिन भर के खोजबीन के बाद भी मतीयस का कहीं पता नहीं चला जिसके बाद मंगलवार दोपहर लगभग 1:00 बजे जंगल से मतीयस का जंगली हाथी के द्वारा कुचला हुआ शव मिला। जिसके बाद इसकी सूचना पंचायत के मुखिया सुशील दीपक मिंज को दी गई जिसके बाद मुखिया ने चैनपुर थाना वह फॉरेस्ट विभाग को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही चैनपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ग्रामीणों ने वन विभाग के लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जंगली हाथी लगातार क्षेत्र में विचरण कर लोगों के घरों व फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं आए दिन जानमाल की छाती हो रही है बावजूद वन विभाग क्षेत्र से हाथी को खदेड़ने में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है जिससे ग्रामीण वन विभाग के प्रति काफी आक्रोशित नजर आ रहे हैं। बताते चलें कि कुछ दिन पूर्व ही हाथी प्रभावित गांव की महिलाओं ने वन विभाग का घेराव कर जंगली हाथी को क्षेत्र से खरीदने की मांग वन विभाग से की थी इसके कुछ दिन बाद ही जंगली हाथी के द्वारा एक व्यक्ति को कुचलकर मार दिया गया वहीं कुछ महीने पूर्व ही चैनपुर के सदान बुकमा गांव में अहले सुबह जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला था। जंगली हाथी के उत्पात से क्षेत्र के लोग काफी भयभीत हैं अपने जानमाल की सुरक्षा के लिए रतजगा करने के लिए विवश है। ग्रामीणों का कहना है कि हम खेती गृहस्ती कर अपना जीवन चला रहे हैं दिनभर खेतों में काम करते हैं व रात में जंगली हाथी को खदेड़ने के लिए रात जग्गा करते हैं। हमारे दुख को देखने वाला कोई नहीं है। आखिर हमें कब जंगली हाथी के आतंक से निजात मिलेगा। कब हम रातों को चैन की नींद सो सकेंगे। वन विभाग को इस पर ठोस कदम उठाते हुए हाथी को दूर खदेड़ना चाहिए। वही इस संबंध में झामुमो के जिला उपाध्यक्ष सह जिला बिस सूत्री सदस्य सुशील दीपक मिंज ने कहा है कि वन विभाग क्षेत्र से हाथी को खदेड़ने में काफी लापरवाह नजर आ रही है। प्रत्येक दिन किसी न किसी गांव में हाथी फसलों वह घरों को नुकसान पहुंचा ही रहे हैं इससे जान माल का भी खतरा होती रही है।

झारखण्ड सरकार
गृह,कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग,झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

68वीं औपबंधिक सूची
जिला–हजारीबाग

क्र0	आवेदनकर्त्ता का विवरण	केस सं0/वाद सं0	झा0 आं0 के सेनानी पुस्तिका में नाम	आन्दोलनकारी होने का संक्षिप्त कारण	गृह विभाग के संकल्प संख्या–2108 दिनांक 07.05.2012 के आलोक में श्रेणी का वर्गीकरण।
1.	1. आवेदन क्रमांक–3741/24 2. आवेदक–चाँदमुनी देवी (आश्रित पत्नी) 3. पति–स्व0 तलकू मांझी (आंदोलनकारी) 4. ग्राम–उरीमारी पोस्ट–गोसय बलिया 5. थाना–उरीमारी प्रखण्ड–बड़कागांव 6. लिंग–महिला आयु–51 वर्ष 7. पहचान चिह्न–अंकित नहीं।	बड़कागांव थाना काण्ड सं0 115/93 जी0आर0 सं0 1942/93	नहीं	कारण :– दिनांक 15.03.1993 को झारखण्ड बंद एवं आर्थिक नाकेबंदी पर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप। जेल की अवधि–22 दिन	2(viii)(a) (आश्रित पत्नी)
2.	1. आवेदन क्रमांक–3743/24 2. आवेदक–बुधन मांझी 3. पिता–लखन मांझी 4. ग्राम–उरीमारी पोस्ट–उरीमारी 5. थाना–उरीमारी प्रखण्ड–बड़कागांव 6. लिंग–पुरुष आयु–41 वर्ष 7. पहचान चिह्न–अंकित नहीं।	बड़कागांव थाना काण्ड सं0 115/93 जी0आर0 सं0 1942/93	नहीं	कारण :– दिनांक 15.03.1993 को झारखण्ड बंद एवं आर्थिक नाकेबंदी पर विधि–व्यवस्था भंग करने का आरोप।	2(ix)

नोट :– 1. सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि यथा नाम, पिता का नाम, पूरा पता, लिंग, आयु, पहचान चिह्न, केस/वाद सं0, झा0 आंदोलन के सेनानी पुस्तिका, कारण, जेल अवधि आदि में पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं और यदि जेल गये हैं तो उसका प्रमाण पत्र/आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध करावें।
2. जिन आवेदकों का चिन्हितीकरण अखबार कतरन/बैठक पंजी/सदस्यता प्रमाण पत्र के आधार पर किया गया है, वे सम्पुष्टिकरण से पूर्व उक्त कागजात को सक्षम पदाधिकारी से अभिप्रमाणित कर, इसमें नाम होने के आशय का शपथ पत्र अवश्य रूप से उपलब्ध करावें।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य (नरसिंह मुर्मू) सदस्य (दुर्गा उराँव) अध्यक्ष

PR 336862 Home(24-25).D

संक्षिप्त खबरें

सिलवे पंचायत में हुई आजसू की बैठक

अनगड़ा : नामकोम प्रखंड के सिलवे अन्तर्गत भंवालटोली में आजसू पार्टी की बैठक आशा टोप्पो जी के अध्यक्षता में की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव थे उरांव ने अपने संबोधन कहा कि दूरभाग्य है, देश आजादी के 77 वर्ष बित जाने और झारखंड राज्य स्थापना हुए 24 वर्ष हो जाने के बाद भी ये 30–35 घरो में बसे ग्रामीण विकास के अभाव की जिन्दगी जिने को मजबूर हैं। न हीं शुद्ध पिने को पानी न हीं चलने को रोड़ उलातू भुवालटोली वैसा टोला है जो सिलवे पंचायत में स्थित है जबकि उषा मार्टिन इस पंचायत को गोद लिया है। ग्रामीणों ने कहा रोड नही तो इस बार वोट नहीं। इस मौके पर नामकुम उपप्रमुख सह आजसू पार्टी जिला अध्यक्ष वीणा कुमारी एवं केंद्रीय सचिव जितेन्द्र सिंह ग्राम प्रभारी नीना देवी, बबीता देवी, रीना देवी, सुनीता देवी, पैरो देवी आदि दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

अनगड़ा में विभिन्न योजनाओं का विधायक ने रखी आधारशिला

अनगड़ा : खिजरी विधानसभा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों पर छह योजनाओं का शिलान्यास खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने किया। इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रिया तिर्की जी भी उपस्थित रही सर्वप्रथम अनगड़ा जरगा से अम्बाझरिया तक पथ का सदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास, कथलीजारा से मसरीजारा तक पथ का सदृढ़ीकरण कार्य का आधारशिला, झारखण्ड सरकार विधायक मद खिजरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अनगड़ा प्रखण्ड के ग्राम बोंगईबेड़ा टोला सिरपा में बजरंगबली मंदिर से गोपाल महतो के घर तक पी.सी.सी पथ निर्माण कार्य का आधारशिला, ग्राम बोंगाईबेड़ा के डुमारबेड़ा में महादेव उरांव के घर से सोमा उरांव के घर तक 1385 फीट पी. सी. सी. पथ निर्माण कार्य का आधारशिला, चतरा–सताकी से बानपुर तक पथ का सदृढ़ीकरण कार्य का शिलान्यास, अनगड़ा प्रखण्ड के ग्राम बानपुर नदी दीपा में काला रोड से फिलीप मिंज के घर तक पी.सी. सी. पथ निर्माण कार्य का आधारशिला राजेश कच्छप, माननीय विधायक, खिजरी विधानसभा क्षेत्र के द्वारा किया गया। तमाम जगहों पर विधिवित पूर्जा अर्चना के साथ शिलान्यास किया गया। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि हम विकास के लिए प्रतिबद्ध है जिसके वजह से ही क्षेत्र वासियों को इन योजनाओं की सौगतें मिली है तमाम सड़कों को जनवरी के अंतिम महिनों में पूरा किया जाना है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुण्डा प्रखण्ड अध्यक्ष एतवा उरांव विधायक प्रतिनिधि शिक्षा विभाग सकीर अंसारी विधायक प्रतिनिधी मत्सय विभाग सचिन नायक युवा अध्यक्ष अजय करमाली मुखिया हिरदू उरांव, क्रिस्टीना तिर्की, पंचायत समिति संज्योति देवी, एमलेन खेश उपमुखिया अंजली कुमारी सहित जितेन्द्र महतो, छोटेलाल महतो, धनीराम महतो, अनमोल लकड़ा, खुशबू तिर्की, प्रदीप महतो, शंकर उरांव एव सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का किया गया शुभारंभ

सरिया (गिरिडीह) : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग द्वारा सरिया महाविद्यालय सरिया परिसर में दोदिवसीय अन्तर महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस प्रतियोगिता में विनोबा भावे विश्वविद्यालय की पीजी टीम, संत कोलम्बस हजारीबाग, अन्नदा कॉलेज हजारीबाग, रामगढ़ कॉलेज रामगढ़, चतरा कॉलेज चतरा, पारसनाथ कॉलेज इसरी, जे जे कॉलेज झुमरीतिलैया कोडरमा, आदर्श कॉलेज राजधनवार, आर एनवाईएम कॉलेज बरही, गिरिडीह कॉलेज गिरिडीह और सरिया कॉलेज सरिया समेत 11 कॉलेज की टीमें शामिल हुई। मंगलवार को पहला दिन के पहले राउंड के मुकाबले में विभाबि पीजी हजारीबाग, अन्नदा कॉलेज हजारीबाग और बरही कॉलेज की टीम हारकर बाहर हो गयी। इसके बाद क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला गया पहला क्वार्टर फाईनल गिरिडीह कॉलेज व चतरा कॉलेज के बीच में खेला गया जिसमें गिरिडीह कॉलेज की टीम 50–12 प्वाइंट से विजयी हुई। इसके बाद जेजे कॉलेज झुमरीतिलैया बनाम रामगढ़ कॉलेज के बीच खेला गया जिसमें जेजे कॉलेज झुमरीतिलैया की टीम 23–18 प्वाइंट से विजयी हुई। तीसरा क्वार्टर फाईनल सरिया कॉलेज सरिया व पारसनाथ कॉलेज इसरी के बीच खेला गया जिसमें सरिया कॉलेज की टीम 49–29 प्वाइंट से जीती। अंतिम क्वार्टर फाइनल का मुकाबला संत कोलम्बस कॉलेज हजारीबाग व आदर्श कॉलेज राजधनवार के बीच हुआ। जिसमें संत कोलम्बस की टीम 54–19 से बिजयी हुई। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली में गिरिडीह जिला कबड्डी एशोसिएशन के छह सदस्य थे जबकि प्रतियोगिता को सफल बनाने में सरिया कॉलेज के सचिव मनोहर सिंह बग्गा, प्राचार्य डा. संतोष कुमार लाल, राजेश जैन, चयनकर्ता विभावि द्वारा प्रतिनियुक्त सीताराम रजक, आयोजक सचिव आशीष कुमार सिंह, मुन्ना कुमार राणा, अलका रानी जोजो, सीताराम सुमन, बैजनाथ मिस्त्री समेत अन्य लोग शामिल रहे।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग
झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग।

67वीं औपबंधिक सूची
जिला–हजारीबाग (पार्ट–10)

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20042021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
विवरण :– आयोग द्वारा चिन्हित आन्दोलनकारी धनेश्वर महतो तथा रामा सिंह के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य के समक्ष शपथ पत्र के माध्यम से तथा आवेदन में दर्ज बयान के आधार पर।		
548.	1 आवेदन क्र0–3271/24 2 आवेदक–बासुदेव महतो, पिता–स्व0 माधो महतो 3 ग्राम–चैनपुर, पोस्ट–चैनपुर, थाना–माण्डू, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–65 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
549.	1 आवेदन क्र0–3272/24 2 आवेदक–पारसनाथ महतो, पिता–स्व0 रुपन महतो 3 ग्राम–खपीया, पोस्ट–चैनपुर, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–53 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
550.	1 आवेदन क्र0–3273/24 2 आवेदक–रती महतो, पिता–भुनेश्वर महतो 3 ग्राम–खपीया, पोस्ट–चैनपुर, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
551.	1 आवेदन क्र0–3274/24 2 आवेदक–अर्जुन करमाली, पिता–स्व0 जगरनाथ करमाली 3 ग्राम–खपीया, पोस्ट–चैनपुर, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
552.	1 आवेदन क्र0–3275/24 2 आवेदक–जुगेश्वर महतो, पिता–स्व0 करम महतो 3 ग्राम–खपीया, पोस्ट–चैनपुर, थाना–माण्डू, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–ललाट पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
553.	1 आवेदन क्र0–3276/24 2 आवेदक–लगनु महतो, पिता–स्व0 समलाल महतो 3 ग्राम–डोंडेगोड़ा, पोस्ट–चैनपुर, थाना–माण्डू, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में जख्म का निशान।	कंडिका–2(ix)
554.	1 आवेदन क्र0–3277/24 2 आवेदक–सुरेन्द्र रजवार, पिता–स्व0 गुलाब रजवार 3 ग्राम–हेसालौंग, पोस्ट–हेसालौंग, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
555.	1 आवेदन क्र0–3278/24 2 आवेदक–वकील महतो, पिता–लालदेव महतो 3 ग्राम–सेनेगढ़ा, पोस्ट–रबोध, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें आंख के उपर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
556.	1 आवेदन क्र0–3279/24 2 आवेदक–सुखदेव मांझी, पिता–स्व0 रुपन मांझी 3 ग्राम–सेनेगढ़ा, पोस्ट–रबोध, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक के बायां तरफ तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
557.	1 आवेदन क्र0–3288/24 2 आवेदक–सरजु मांझी, पिता–स्व0 होपना मांझी 3 ग्राम–सेनेगढ़ा, पोस्ट–रबोध, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
558.	1 आवेदन क्र0–3289/24 2 आवेदक–रामलाल मांझी, पिता–दुर्गालाल मांझी 3 ग्राम–सेनेगढ़ा, पोस्ट–रबोध, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
559.	1 आवेदन क्र0–3280/24 2 आवेदक–मो0 निरासो देवी, पति–स्व0 भरत महतो 3 ग्राम–सेनेगढ़ा, पोस्ट–रबोध, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–महिला, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें पैर में कटा हुआ निशान।	कंडिका–2(ix)
560.	1 आवेदन क्र0–3281/24 2 आवेदक–मो0 लछवा देवी, पति–स्व0 लक्ष्मण महतो 3 ग्राम–सेनेगढ़ा, पोस्ट–रबोध, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–महिला, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें गाल में तिल का दाग।	कंडिका–2(ix)
561.	1 आवेदन क्र0–3282/24 2 आवेदक–मो0 विकाशा देवी, पति–स्व0 पुसन महतो 3 ग्राम–कनकी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–महिला, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
562.	1 आवेदन क्र0–3283/24 2 आवेदक–बिशेश्वर महतो, पिता–स्व0 बासुदेव महतो 3 ग्राम–कोदवे, पोस्ट–रबोध, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
563.	1 आवेदन क्र0–3284/24 2 आवेदक–राजदीप सिंह, पिता–पुनेश्वर सिंह 3 ग्राम–कोदवे, पोस्ट–रबोध, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
564.	1 आवेदन क्र0–3285/24 2 आवेदक–कजरु महतो, पिता–स्व0 बाली महतो 3 ग्राम–होसिर, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
565.	1 आवेदन क्र0–3286/24 2 आवेदक–बिनोद महतो, पिता–स्व0 करमा महतो 3 ग्राम–रिकवा, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
566.	1 आवेदन क्र0–3287/24 2 आवेदक–नकुल महतो, पिता–स्व0 पारसनाथ महतो 3 ग्राम–डाडी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–पेट में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
567.	1 आवेदन क्र0–3290/24 2 आवेदक–महेश ठाकुर, पिता–स्व0 फलीन्द्र ठाकुर 3 ग्राम–डाडी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–69 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
568.	1 आवेदन क्र0–3291/24 2 आवेदक–रती महतो, पिता–स्व0 रघु महतो 3 ग्राम–डाडी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
569.	1 आवेदन क्र0–3292/24 2 आवेदक–खिरोधर महतो, पिता–स्व0 बिगन महतो 3 ग्राम–डाडी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–45 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में गोटी का निशान।	कंडिका–2(ix)
570.	1 आवेदन क्र0–3293/24 2 आवेदक–नती महतो, पिता–स्व0 सोहराई महतो 3 ग्राम–कनकी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
571.	1 आवेदन क्र0–3294/24 2 आवेदक–जगदीश महतो, पिता–स्व0 बनवारी महतो 3 ग्राम–कनकी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
572.	1 आवेदन क्र0–3295/24 2 आवेदक–खेमलाल महतो, पिता–स्व0 गोविन्द महतो 3 ग्राम–कनकी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–67 वर्ष, पहचान चिन्ह–छाती के बायें मासा का निशान।	कंडिका–2(ix)
573.	1 आवेदन क्र0–3296/24 2 आवेदक–जगरनाथ महतो, पिता–स्व0 गोविन्द महतो 3 ग्राम–कनकी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
574.	1 आवेदन क्र0–3297/24 2 आवेदक–राजेन्द्र महतो, पिता–स्व0 मुखल महतो 3 ग्राम–रिकवा, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
575.	1 आवेदन क्र0–3298/24 2 आवेदक–धनी महतो, पिता–स्व0 धर्मनाथ महतो 3 ग्राम–रिकवा, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें कान में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
576.	1 आवेदन क्र0–3299/24 2 आवेदक–भोला महतो, पिता–स्व0 लेदंग महतो 3 ग्राम–होसीर, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें आंख के उपर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
577.	1 आवेदन क्र0–3300/24 2 आवेदक–भुपाल महतो, पिता–स्व0 बालदेव महतो 3 ग्राम–होसीर, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–67 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें हाथ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
578.	1 आवेदन क्र0–3301/24 2 आवेदक–मोहम्मद सेराज अंसारी, पिता–स्व0 अलीजान मियाँ 3 ग्राम–होसीर, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4 लिंग–पुरुष, आयु–52 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
579.	1 आवेदन क्र0–2585/24 2 आवेदक–रघुलाल महतो, पिता–स्व0 छेदी महतो 3 ग्राम–रतवे, पोस्ट–करमा, थाना–माण्डू, प्रखण्ड–माण्डू 4 लिंग–पुरुष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें आंख के उपर कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
580.	1 आवेदन क्र0–2584/24 2 आवेदक–बन्धु महतो, पिता–स्व0 मलिक महतो 3 ग्राम–कोठार, पोस्ट–कैथा, थाना–रामगढ़, प्रखण्ड–रामगढ़ 4 लिंग–पुरुष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
581.	1. आवेदन क्र0–3690/24 2. आवेदक–वीणा देवी, पति–विनोद प्रसाद 3. ग्राम–हेसालौंग, पोस्ट–हेसालौंग, थाना–गिद्दी ए, प्रखण्ड–डाडी 4. लिंग–महिला आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
582.	1. आवेदन क्र0–3691/24 2. आवेदक–बिनोद प्रसाद, पिता–स्व0 पुण्य प्रकाश साहु 3. ग्राम–हेसालौंग, पोस्ट–हेसालौंग, थाना–गिद्दी ए, प्रखण्ड–डाडी 4. लिंग–पुरुष आयु–62 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
583.	1. आवेदन क्र0–3692/24 2. आवेदक–राजेश्वर महतो, पिता–स्व0 बिजु महतो 3. ग्राम–डाडी, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4. लिंग–पुरुष आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में जले का निशान।	कंडिका–2(ix)
584.	1. आवेदन क्र0–3693/24 2. आवेदक–प्रीतलाल महतो, पिता–स्व0 राम किसुन महतो 3. ग्राम–होसीर, पोस्ट–डाडी, थाना–गिद्दी, प्रखण्ड–डाडी 4. लिंग–पुरुष आयु–60 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें पैर में कटा हुआ निशान।	कंडिका–2(ix)
विवरण :– चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी फागु बेसरा एवं चन्द्रनाथ भाई पटेल द्वारा शपथ पत्र के माध्यम से की गई अनुशंसा तथा चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी चन्द्रनाथ भाई पटेल एवं संजय मांझी द्वारा आयोग के माननीय सदस्य श्री नरसिंह मुर्मू के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान तथा पहचान के आधार पर।		
585.	1 आवेदन क्र0–3458/24 2 आवेदक–सुजली देवी, पति–बुटन मांझी 3 ग्राम–सरगुला, पोस्ट–गोसाईबलिया, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड–बड़कागाँव 4 लिंग–महिला, आयु–39 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में कटा निशान।	कंडिका–2(ix)
586.	1 आवेदन क्र0–3459/24 2 आवेदक–सीता देवी, पति–मिठीलाल मांझी 3 ग्राम–बधरैया सरगुला, पोस्ट–गोसाईबलिया, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड–बड़कागाँव 4 लिंग–महिला, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–गले में तील।	कंडिका–2(ix)
587.	1 आवेदन क्र0–3460/24 2 आवेदक–सुरजमुनी देवी, पति–कुन्नु मांझी 3 ग्राम–बधरैया सरगुला, पोस्ट–गोसाईबलिया, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड–बड़कागाँव 4 लिंग–महिला, आयु–48 वर्ष, पहचान चिन्ह–गला में गेंधा।	कंडिका–2(ix)
588.	1 आवेदन क्र0–3461/24 2 आवेदक–सीता देवी, पति–महादेव मांझी 3 ग्राम–बधरैया सरगुला, पोस्ट–गोसाईबलिया, थाना–बड़कागाँव, प्रखण्ड–बड़कागाँव 4 लिंग–महिला, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–बाये कंधे में तील।	कंडिका–2(ix)
589.	1. आवेदन क्र0–3510/24 2. आवेदक–बिन्दु देवी, पति–बाजु साव 3. ग्राम–बासाडीह, पोस्ट–जरबा, थाना–चरही, प्रखण्ड–चुरचु 4. लिंग–महिला, आयु–46 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी फागु बेसरा एवं दिलीप वर्मा के द्वारा आयोग के मा0 सदस्य के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।		
590.	1 आवेदन क्र0–3546/24 2 आवेदक–उमेश प्रसाद गुप्ता, पिता–स्व0 बद्री साव 3 ग्राम–परासी, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–पुरुष, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायें पैर घुटना के पास कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
591.	1 आवेदन क्र0–3547/24 2 आवेदक–प्यारी देवी, पति–उमेश प्रसाद गुप्ता 3 ग्राम–परासी, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–महिला, आयु–57 वर्ष, पहचान चिन्ह–पीठ पर मासा का निशान।	कंडिका–2(ix)
विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी भुवनेश्वर प्रसाद मेहता एवं चन्द्रनाथ भाई पटेल के द्वारा आयोग के मा0 सदस्य के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।		
592.	1 आवेदन क्र0–3548/24 2 आवेदक–सुदीप सिंह, पिता–स्व0 हिरा सिंह 3 ग्राम–परासी, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–पुरुष, आयु–55 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें तरफ पेट पर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
593.	1 आवेदन क्र0–3549/24 2 आवेदक–लक्ष्मण प्रसाद मेहता, पिता–खेमलाल मेहता 3 ग्राम–बोंगा, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–पुरुष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
594.	1 आवेदन क्र0–3550/24 2 आवेदक–बसंत कुमार मेहता, पिता–डेगलाल महतो 3 ग्राम–बरका खुर्द, पोस्ट–रतनपुर, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–पुरुष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
595.	1 आवेदन क्र0–3551/24 2 आवेदक–टेकन प्रसाद कुशवाहा उर्फ टेकनारायण प्रसाद कुशवाहा, पिता–बाबुलाल महतो 3 ग्राम–खुटरा, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–पुरुष, आयु–51 वर्ष, पहचान चिन्ह–होंठ में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
596.	1 आवेदन क्र0–3552/24 2 आवेदक–ललित किशोर, पिता–जगलाली महतो 3 ग्राम–बरवाँ, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–पुरुष, आयु–61 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ की अंगुली में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
597.	1 आवेदन क्र0–3553/24 2 आवेदक–महेश वैद्य, पिता–राम किसुन वैद्य 3 ग्राम–परासी, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–पुरुष, आयु–54 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें जांघ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
598.	1 आवेदन क्र0–3554/24 2 आवेदक–पोखलाल कुशवाहा, पिता–स्व0 गाजो महतो 3 ग्राम–खुटरा, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–पुरुष, आयु–71 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें जांघ में घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
599.	1 आवेदन क्र0–3555/24 2 आवेदक–मंजू देवी, पति–टेकन प्रसाद कुशवाहा 3 ग्राम–खुटरा, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–महिला, आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–दायां पैर कटा।	कंडिका–2(ix)
600.	1 आवेदन क्र0–3556/24 2 आवेदक–संतोषी देवी, पति–स्व0 बिनोद नारायण सिंह 3 ग्राम–परासी, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4 लिंग–महिला, आयु–44 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक में तिल।	कंडिका–2(ix)
विवरण :–चिन्हित झारखण्ड आन्दोलनकारी सुखदेव प्रसाद यादव, दिलीप सिंह एवं पुष्कर महतो के द्वारा आयोग के मा0 सदस्य के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान एवं पहचान के आधार पर।		
601.	1 आवेदन क्र0–3559/24 2 आवेदक–सुनिल प्रसाद, पिता–जगदीश प्रसाद 3 ग्राम–सलगावा, पोस्ट–सलगावा, थाना–कटकमदाग, प्रखण्ड–कटकमदाग 4 लिंग–पुरुष, आयु–41 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ के अंगुली में तिल।	कंडिका–2(ix)
602.	1. आवेदन क्र0–3686/24 2. आवेदक–राहुल कुमार सिंह, पिता–महरु सिंह 3. ग्राम–गोतिया, पोस्ट–मझगाँव, थाना–पदमा ओ0 पी0, प्रखण्ड–पदमा 4. लिंग–पुरुष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–मूँछ पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
603.	1. आवेदन क्र0–3687/24 2. आवेदक–जय प्रकाश साहु, पिता–तुलसी साव 3. ग्राम–बन्दर बेला, पोस्ट–पदमा, थाना–पदमा ओ0पी0, प्रखण्ड–पदमा 4. लिंग–पुरुष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक में के का निशान।	कंडिका–2(ix)
604.	1. आवेदन क्र0–3688/24 2. आवेदक–सचिन कुमार महतो, पिता–तिलेश्वर प्रसाद मेहता 3. ग्राम–कुम्हा, पोस्ट–ईचाक, थाना–ईचाक, प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग–पुरुष, आयु–36 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें हाथ में तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
605.	1. आवेदन क्र0–3689/24 2. आवेदक–गणेश कुमार वर्मा, पति–स्व0 शिवशंकर राम 3. ग्राम–ओकनी, पोस्ट–हजारीबाग, थाना–सदर, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–महिला, आयु–58 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में मस्सा।	कंडिका–2(ix)
606.	1. आवेदन क्र0–3690/24 2. आवेदक–हिमांशु शेखर, पिता–हिरा लाल 3. ग्राम–कार्रा, जेवरा रोड, पोस्ट–कार्रा, थाना–कोर्रा, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–पुरुष, आयु–42 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायें कान पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
607.	1. आवेदन क्र0–3691/24 2. आवेदक–सजय कुमार गुप्ता, पिता–स्व0 रामेश्वर प्रसाद गुप्ता 3. ग्राम–बाड़म बाजार, हजारीबाग, पोस्ट–सदर, थाना–सदर, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–पुरुष, आयु–65 वर्ष, पहचान चिन्ह–नाक पर तिल का निशान।	कंडिका–2(ix)
608.	1. आवेदन क्र0–3692/24 2. आवेदक–जागेश्वर महतो, पिता–मटन महतो 3. ग्राम–करगी, चुरचू, पोस्ट–चुरचू, थाना–चुरचू, प्रखण्ड–चुरचू 4. लिंग–पुरुष, आयु–63 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने गाल पर कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)
609.	1. आवेदन क्र0–3693/24 2. आवेदक–जगदेव मेहता, पिता–स्व0 नन्दक महतो 3. ग्राम–अम्बाडीह, पोस्ट–जगनाथ धाम, थाना–मुफस्सिल, प्रखण्ड–सदर 4. लिंग–पुरुष, आयु–47 वर्ष, पहचान चिन्ह–दाहिने पैर में जख्म का निशान।	कंडिका–2(ix)
610.	1. आवेदन क्र0–3694/24 2. आवेदक–महेन्द्र यादव, पिता–स्व0 बुटन यादव 3. ग्राम–चुरचू, पोस्ट–चुरचू, थाना–चुरचू, प्रखण्ड–चुरचू 4. लिंग–पुरुष, आयु–43 वर्ष, पहचान चिन्ह–बायां जांघ में कटा का निशान।	कंडिका–2(ix)

नोट :–
1. यह सूची पूर्णतया औपबंधिक है।
2. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
3. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुनेश्वर महतो) सदस्य (नरसिंह मुर्मू) सदस्य (दुर्गा उरांव) अध्यक्ष

PR 336678 Home(24-25)D

स्वच्छ भारत मिशन ने बदली भारत की छवि

मधुकर पवार

भारत में इस समय चलाया जा रहा स्वच्छता ही सेवा - 2024 एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस अभियान की विषयवस्तु स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता है। यह स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक दशक के परिवर्तनकारी कार्यों पर आधारित है, जिसने 2014 में अपनी शुरूआत के बाद से भारत के स्वच्छता परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आयाम प्रदान किया है।

इन दिनों समूचे भारत में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत विशेष रूप से केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, कार्यालयों, सार्वजनिक व पर्यटक स्थलों, रेलवे स्टेशनों तथा आसपास के परिसरों आदि की साफ झ सफाई के लिये विशेष सफाई अभियान चलाकर आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है ताकि स्वच्छता अभियान सतत चलता रहे। विगत 19 सितम्बर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उज्जैन प्रवास पर थीं। इस दौरान उन्होंने महाकाल परिसर में झाड़ू लगाकर श्रमदान कर यह संदेश दिया कि चाहे कोई व्यक्ति कितने ही बड़े पद पर क्यों न हो, स्वच्छता उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 10 वर्षों में स्वच्छता अभियान देशव्यापी जन आंदोलन बन गया है। मध्य प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियों की चर्चा करते हुये राष्ट्रपति ने कहा कि इंदौर ने लगातार सात बार देश का स्वछतम शहर बनने का कीर्तिमान स्थापित किया है। भोपाल को सबसे स्वच्छ राजधानी होने का गौरव प्राप्त है। राज्य के अनेक शहर वाटर प्लस और ओडीएफ डबल प्लस की श्रेणी में पुरस्कृत हुए हैं। उन्होंने स्वच्छता के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की उपलब्धियों का श्रेय अग्रिम पंक्ति के सफाई मित्रों को दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन का दूसरा चरण सन 2025 तक चलेगा। इस दौरान हमें संपूर्ण स्वच्छता के लक्ष्य को पूरा करना है।

हाल ही में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने भी राजस्थान के झुंझुनू जिला में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि देश के अधिकांश परिवारों में शौचालयों का नहीं होना एक अभिशाप था। इससे सबसे ज्यादा बेटियों और महिलाओं को शर्मिंदगी उठानी पड़ती थी लेकिन अब स्वच्छ भारत मिशन से उनका सम्मान और गौरव बढ़ा है। यूनिसेफ के सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि अब करीब 93 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि उन्हें सम्मान मिला है और वे सुरक्षित महसूस करती हैं। हाल ही में एक शोध में पाया गया कि स्वच्छ भारत मिशन के शुरू होने के बाद नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय कमी आई है। शोध के निष्कर्ष में बताया गया है कि भारत में सन 2014 के बाद से हर साल 60,000 से 70,000 नवजात शिशुओं की जान बच रही है।

भारत में स्वच्छ भारत मिशन को शुरू हुए लगभग 10 साल हो गए हैं। इस दौरान चरणबद्ध तरीके से शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए गए स्वच्छता अभियान के सार्थक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इस अभियान से बच्चे, युवा, जवान और

बुजुर्ग सभी जुड़े और यह देखते ही देखते जन आंदोलन के रूप में परिवर्तित हो गया। गांव-गांव और शहर- शहर में स्वच्छता को लेकर होड़ सी लग गई और इसके परिणाम स्वरूप गांव, जिला और प्रदेश सहित समूचे भारत में स्वच्छता की बयार बहने लगी। पूरे भारत में आम जनता की सक्रिय भागीदारी से खुले में शौच से मुक्त यानी ओडीएफ घोषित कर दिया गया। करीब 10 साल पहले स्वच्छता को लेकर हमारी मानसिकता पर जो गर्द जमी हुई थी, वह अब पूरी तरह साफ हो गई है। हमारी नजरें अब स्वच्छता के बीच केवल गंदगी पर ही जाकर टिकती है। जब चारों ओर स्वच्छता का वातावरण बन रहा है तब कहीं जरा सी भी गंदगी रहती है, वहीं हमारी नजरें ठहर जाती हैं। यह स्वच्छता को लेकर बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है।

स्वच्छता को लेकर प्रशासन के साथ आम नागरिकों में भी जुनून सवार है तभी तो मध्य प्रदेश का इंदौर शहर भारत में सबसे स्वच्छ शहर का तमगा लेकर 7 सालों से शीर्ष पर बना हुआ है। इसमें आम नागरिकों और स्वयं सेवी संगठनों का भी सहयोग अतुलनीय है। इंदौर को केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में भी स्वछतम शहर के रूप में मान्यता मिली हुई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि अन्य शहर भी इंदौर से स्वच्छता के विभिन्न मापदंडों पर बराबर आने या इससे आगे निकलने की होड़ में शामिल होने के लिए जी तोड़ मेहनत करने लगे हैं। चूंकि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है और निरंतर स्वच्छता को लेकर सजग रहकर इसके विभिन्न मापदंडों के स्तर को बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण होता है। अब स्वच्छता धीरे झ धीरे आम नागरिकों की आदत में शामिल होने लगा है । इसी का परिणाम है कि आज स्वच्छता के मापदण्डों पर भारत की छवि एक स्वच्छ राष्ट्र के रूप में बन रही है।

भारत में सन 2014 से पहले निर्मल भारत अभियान चलाया जा रहा था जिसमें केवल शौचालय बनाना ही एकमात्र लक्ष्य था लेकिन राशि इतनी कम (मात्र 4600 रुपए) थी कि इससे किसी तरह शौचालय ही बना पाते थे। यह कार्यक्रम औपचारिकता मात्र बन कर रह गया था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की, शौचालय बनवाने के लिये राशि को बढ़ाकर 12,000 रुपए कर दिया जो शौचालय बनवाने के लिये पर्याप्त कही जा सकती है। शौचालयों के निर्माण के साथ पेयजल, स्वच्छता, पॉलिथीन मुक्त शहर - गांव आदि को भी इस अभियान में शामिल कर व्यापकता प्रदान की गई । प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जाने वाले मकानों में शौचालय बनाना अनिवार्य कर दिया जिससे स्वच्छता अभियान को नया आयाम मिला और गरीबों विशेषकर महिलाओं को सम्मान । इसका परिणाम यह हुआ कि सन 2014 में जहां देश में शौचालयों का प्रतिशत करीब 40 था, जो अब बढ़कर करीब 97 प्रतिशत हो गया है। देश में 11.6 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण करके यह सुनिश्चित किया गया है कि भारत खुले में शौच से मुक्त हो जाए। आज की तारीख में भारत के 50% गांव ओडीएफ प्लस मॉडल हो चुके हैं। भारत करीब झ करीब खुले में शौच से मुक्त यानी ओ.डी.एफ. के आसपास पहुंच चुका।

स्वच्छ भारत मिशन में पेयजल उपलब्ध कराना भी एक महत्वपूर्ण कारक है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन चलाया जा रहा है। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश के करीब 19.24 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से लगभग 13.76 करोड़ यानी 71.51 प्रतिशत परिवारों के घरों में नल से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी गई है।

शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता के साथ घर से निकलने वाले सूखे, गीले, जैव अपशिष्ट और इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिक अपशिष्ट के व्यवस्था शुरू करने से शहरी स्वच्छता में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। घर से निकलने वाले सभी तरह के कचरे को घर से ले जाने के लिए सभी नगरीय क्षेत्रों में माकूल व्यवस्था की गई है। अनेक शहरों में गीले कचरे से जैविक खाद और बायोगैस बनाई जा रही है। उज्जैन के महाकाल सहित देश के अनेक धार्मिक स्थलों में फूल, पत्तियां से अब जैविक खाद बनाने के अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। इससे धार्मिक स्थलों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो रहा है, कुछ लोगों को रोजगार भी मिल रहा है और धार्मिक ट्रस्टों को आमदनी भी होने लगी है। देश में रिसायकल नहीं हो सकने वाली पॉलिथीन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। स्वच्छता के लिये तीन आर यानि रिड्यूस, रियूज और रिसायकल अर्थात आवश्यकता कम करना, पुनः उपयोग करना और पुनर्चक्रीकरण पर बल दिया गया है। इस प्रयास से आम नागरिकों के व्यवहार में भी परिवर्तन दिखाई दे रहा है। एक बार ही उपयोग (सिंगल यूज) में आने वाले प्लास्टिक / पोलिथीन से बने गिलास, प्लेट्स आदि का विवाह, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में रोक लगाने के लिये प्रभावी कदम उठाए गये हैं। अनेक नगरीय निकाओं और ग्राम पंचायतों ने बर्तन बैंक बनाकर पोलिथीन मुक्त शहर / ग्राम बनाने की दिशा में अनुकरणीय पहल की है।

भारत में इस समय चलाया जा रहा स्वच्छता ही सेवा - 2024 एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान है जो स्वच्छ और स्वस्थ भारत के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस अभियान की विषयवस्तु स्वभाव स्वच्छता और संस्कार स्वच्छता है। यह स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक दशक के परिवर्तनकारी कार्यों पर आधारित है, जिसने 2014 में अपनी शुरूआत के बाद से भारत के स्वच्छता परिदृश्य को मौलिक रूप से नया आयाम प्रदान किया है। पिछले दस वर्षों में स्वच्छता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो गया है। अब भारत की छवि स्वच्छ भारत के साथ स्वस्थ भारत के रूप में भी बन रही है। स्वच्छता को बनाये रखना सबसे बड़ी चुनौती है लेकिन यह असम्भव भी नहीं है।

(लेखक - भारतीय सूचना सेवा के पूर्व अधिकारी)

संपादकीय

चीन को घुड़की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, क्वाड़ (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) किसी के खिलाफ नहीं है। बल्कि नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था व संप्रभुता के सम्मान के पक्ष में है। यह.अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान के साथ भारत को मिलाकर बनाया गया संगठन है। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, स्वतंत्र, खुला, समावेशी व समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी प्राथमिकता है। किसी देश का नाम लिये बगैर उन्होंने जोड़ा, हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता का सम्मान, क्षेत्रीय अखंड़ता व सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण तरीके से हम समाधान करने के समर्थन में हैं।

प्रधानमंत्री का इशारा परोक्ष रूप से चीन की तरफ था। चूंकि क्वाड़ सदस्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में खुले व्यापार के समर्थक हैं। जिसका सकारात्मक व स्थाई प्रभाव दिख रहा है। लंबे समय से चीन 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति' के तहत चीन-हिंद महासागर क्षेत्र में बंदरगाहों व सैन्य ठिकानों को विकसित कर रहा है। इसके चार प्रमुख समुद्री लोकतांत्रिक देशों के तौर पर यह संगठन शांति व स्थिरता बनाए रखने का कार्य कर रहा है। जो वैश्विक सुरक्षा व समृद्धि के लिए अनिवार्य माना जा रहा है। स्पष्ट रूप से चीन लगातार हमारे करीबी पड़ोसियों म्यामांर, बांग्लादेश, थाईलैंड़, नेपाल, मालदीव जैसे मुल्कों में वर्चस्व बढ़ा कर भारत को घेरने के प्रयास कर रहा है। हालांकि चीन के साथ सीमा विवाद में देश को अमेरिका व जापान का समर्थन प्राप्त है। साथ ही जापान लगातार भारत को बुनियादी ढ़ांचे के विकास के लिए वित्तीय मदद भी कर रहा है। जो चीन का मुकाबला करने में खास मददगार साबित हो रहा है। स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में क्वाड़ के काम का लाभ देश को परोक्ष व प्रत्यक्ष तौर पर निरंतर प्राप्त हो रहा है। मोदी द्वारा बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर प्रमुखता से जिक्र करना तथा विचारों का आदान-प्रदान असरकारी हो सकता है। बहुपक्षीय व द्विपक्षीय स्तरों पर वैश्विक तरक्की, शांति व सुरक्षा को लेकर भारत की प्रतिबद्धता व विचारों का सीधा असर दुनिया के समक्ष शीघ्र ही स्पष्ट होता जाएगा। जो अस्थिरताकारी व एकतरफा कार्रवाई का विरोध कर सकेगा व यथास्थिति को बदलने की सकारात्मक प्रयास होते नजर आ सकेंगे।

चिंतन-मनन

ध्वनि तरंगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तरंगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तरंगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्बजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक इष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तरंगें बाहर न जाकर गुम्बजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मॉदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

दीनदयाल जी की बताई राह पर चल कर साकार होगी सुराज की परिकल्पना

कृष्णमोहन झा

भारतीय राजनीति के क्षितिज पर सन 1951में भारतीय जनसंघ के रूप में एक नये राजनीतिक दल का उदय हुआ जिसके संस्थापक महान देशभक्त डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे । प्रतिकूल राजनीतिक परिस्थितियों में जन्मी उस नवोदित पार्टी की शैशवावस्था से ही उसके लिए अपना खून पसीना एक कर उसे एक विशाल वट वृक्ष के रूप में विकसित करने का सुनहरा स्वप्न जिन देशभक्त युवा नेताओं ने संजोया उनमें एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। विलक्षण प्रतिभाशाली, कुशाग्र बुद्धि,गहन अध्येता ,कुशल संगठक और सदैव सादा जीवन उच्च विचार की राह पर चलने वाले पंडित दयाल उपाध्याय उस समय भी कोई नया चेहरा नहीं थे। पिछले एक दशक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित स्वयं सेवक के रूप में पंडित उपाध्याय की अद्भुत संगठन क्षमता और विशिष्ट चिंतन उनकी पहचान बन चुके थे। भारतीय जनसंघ के महासचिव और राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने पार्टी के आर्थिक और राजनीतिक चिंतन को नयी दिशा प्रदान की। तत्कालीन राजनीतिक परिदृश्य में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए संघर्षरत एक नयी पार्टी के महासचिव पद और अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालना कोई आसान काम नहीं था परन्तु संकल्प शक्ति के धनी दीनदयाल उपाध्याय पार्टी में अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर भारतीय जनसंघ की सुदृढ़ नींव तैयार करने के लिए तन-मन धन से जुटे रहे। उसका ही परिणाम था कि भारतीय जनसंघ की शैशवास्था में ही उसके लिए 'होनहार बिरवान के होत चीकने

पात' कहावत प्रयुक्त होने लगी थी। दीनदयाल उपाध्याय के विशिष्ट राजनीतिक, आर्थिक और दार्शनिक चिंतन ने उन्हें जल्द ही भारतीय राजनीति के क्षितिज पर एक देदीप्यमान नक्षत्र के रूप में स्थापित कर दिया। भारतीय जनसंघ की स्थापना के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय मात्र डेढ़ दशक ही जिए परंतु उनका वह सुनहरा स्वप्न आज साकार हो चुका है । कालांतर में भारतीय जनसंघ ने भारतीय जनता पार्टी का रूप ले लिया और आज वह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के कर्मठ व्यक्तित्व और गहन चिंतन से प्रभावित होकर कहा था कि अगर भारत के पास दो दीनदयाल होते तो इस देश का राजनीतिक परिदृश्य ही अलग होता। पूर्व प्रधानमंत्री स्व पंडित अटल बिहारी वाजपेयी की दृष्टि में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ज्ञान का सूर्य थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का व्यक्तित्व बहु-आयामी था। उन्होंने राष्ट्रवादी विचारधारा पर आधारित पांचजन्य और राष्ट्रधर्म प्रकाशनों की नींव रखी जो आज राष्ट्रवादी विचार क्रान्ति का माध्यम बन चुकी हैं। वे अनेक ग्रंथों के रचयिता थे जिनमें उनकी विद्वता स्पष्ट परिलक्षित होती है। ये ग्रंथ उनके गहन अध्ययन मनन और चिंतन के परिचायक हैं।दीनदयाल जी ने अप्रैल 1965 में मुंबई में आयोजित भारतीय जनसंघ के अधिवेशन में चार अध्यायों में अनूठे एकात्म मानव दर्शन की जो अवधारणा प्रस्तुत की थी वह उनके निधन के 6 दशक बाद भी प्रासंगिक बनी हुई है। पंडित उपाध्याय के जीवन काल में ही एकात्म मानव दर्शन की अवधारणा देश विदेश में चर्चा और जिज्ञासा का विषय बन गई थी। समय के साथ भारत सहित सभी विकासशील देशों में एकात्म मानव दर्शन की स्वीकार्यता निरंतर बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार का मूल मंत्रसबका साथ सबका विकासपंडित उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानव दर्शन से ही प्रेरित है। एकात्म मानव दर्शन मानव मात्र और संपूर्ण सृष्टि के संबंध का दर्शन है जिसका उद्देश्य व्यक्ति और समाज की आवश्यकता को संतुलित करते हुए प्रत्येक मानव के लिए गरिमा पूर्ण जीवन सुनिश्चित करना है। यह अवधारणा प्राकृतिक संसाधनों के एकीकृत और संधारणीय उपभोग का समर्थन करती है। एकात्म मानव दर्शन में मनुष्य के अपने परिवेश के साथ संतुलित एकीकरण को प्रमुखता प्रदान की गई है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के प्रति सम्मान स्वरूप केंद्र की मोदी सरकार और विभिन्न राज्यों की सरकारों ने अनेक योजनाएं प्रारंभ की हैं जो उनके द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय संबंधी विचारों से प्रेरित हैं। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि विराट व्यक्तित्व के धनी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के आर्थिक और राजनीतिक दर्शन को आचरण में उतार कर सुराज की कल्पना को साकार किया जा सकता है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

जलवायु बदलावः आघात से आहत होती सड़कें

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

इस समय एक ध्यान देने की बात यह है कि उत्तराखंड, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में अधिकांश राजमार्ग जो बाधित हैं या धंस रहे हैं अथवा जिन पर खण्ड-खण्ड हो भूखण्ड गिर जाते हैं उनमें व सड़कें भी हैं जिन्हें बारहमासी चालू रखना इसलिए भी आवश्यक हो जाता है क्योंकि वे सीमांतों को छूती हैं। इनका 'ऑल वेदर रोड' यानी बारहमासी सडक्क होना अपेक्षित है। निस्संदिह बनाई भी वे इसी लक्ष्य से बनाई गई होंगी। मौसमी आपदाओं को झेलने में समर्थ सड़कें आपदाओं में राहत, पुनर्वास व पुनर्निमाण कार्यों को भी आसान कर देती हैं। वैसे हर कोई चाहता है कि उसके आवागमन की राह चाहे वे पगडंडियां ही हों बारहमासी हों। समय असमय की चुनौतियों पर खरी उतरती रहीं पगडंडियां इसकी साक्षी हैं। आज की आल वेदर रोड या हर मौसम में खरी उतरने वाली सड़कों की चाहत भी उसी क्रम में है।

संयुक्त राष्ट्र संघ सतत विकास 2030 के लक्ष्यों (एसडीजी) में भी सड़क परिवहन व उससे जुड़े इनफ्रास्ट्रक्चर्स को महत्त्वपूर्ण मानते हुए सड़क परिवहन तथा पुल सड़कों जैसे इनफ्रास्ट्रक्चरों को जलवायु बदलाव के कुप्रभावों से बचाने और उनके अनुकूलन पर काम करने का आह्वान भी किया गया है, जिससे जलवायु बदलाव के आघात से सड़कें कम आहत हों। धरा का बढ़ता तापमान सड़कों पर भी असर डाल रहा है। गरम होती धरा में पिघलते ग्लेशियरों के साथ पिघलती सड़कों पर भी सचेत किया जा रहा है। यह सामयिक भी है। विश्व में अधिकांश पक्की सड़कें जो कोलतार से ही बनतीं रहीं हैं तेज गर्मी में पिघलने लगती हैं। उधर ध्रुवीय प्रदेशों व सदैव बर्फ से ढके रहने वाले क्षेत्रों में जहां वाहन परिचालन बर्फ की सड़कों पर होता है बढ़ते तापक्रम में बर्फ की सड़कें गलने लगती हैं। बारहमासी सड़कों की राह में कई चुनौतियां भी हैं। अति की गर्मी, अति की ठंड़, अति की बरसात के साथ जहां बरसात नहीं होती थी वहां बरसात होने लगी है। अतः सड़कों को बारहमासी बनाने के डिजाइन और सामग्री चयन में भी अनिचितता आ गई है। जलवायु बदलाव के हंगामे के बीच पहले की बनी सड़कों के आसपास का भी मौसम वैसा नहीं रह गया है जैसा उनके बनने के समय था। अतः पहले से बनीं सड़कों को भी ऑल वेदर रोड बनाने के लिए उसी तरह काम किए जाने की जरूरत है। जैसे हम उन भवनों को जो भूकम्प अवरोधी नहीं हैं; रिट्रोफिटिंग कर भूकम्प सहने लायक बनाते हैं। बारहमासी सड़कों के पुलों को भी बारहमासी होना है। बाढ़, नींव कटाव, पुलों के नजदीक अवैद्य खनन के अलावा जलवायु बदलाव के दौर में पुल के संदर्भ में एक अन्य तरह की चुनौती भी आ रही है। चूंकि नदियां अपनी राह बदल रहीं हैं इसलिए कई बार पुल निष्प्रयोजन भी हो रहे हैं। सच्चाई यह भी है कि हर मौसम पर खरी रहने वाली सडक्क भी हर मौसम में यातायात की गारंटी नहीं हो सकती है। सड़कें भले ही मौसमी मार झेल ले उनका कुछ न बिगड़े परंतु विपरीत मौसम की मार वाहन या यात्री झेलने में असमर्थ रहते हैं। उन्हें आगे न बढ़ने की चेतावनियां भी देनी पड़ती है। उदाहरण के लिए आयरलैंड में वाहन चालकों को तेज हवाओं की चेतावनी देते हुए सीमित गति रखने को कहा जाता है। समुद्रों के पास जो सड़कें हैं उनमें तूफानी हवाओं और लहरों में यातायात न जारी रखने की चेतावनियां दी जाती हैं। इसी प्रकार सुरंगों के मुहानों पर बर्फ जम जाती है तो सुरंगों का तो कोई नुकसान नहीं होता है किंतु यातायात बाधित हो जाता है। वैज्ञानिक राय है कि बारहमासी सड़कों के बगल से या भीतर से जो गैस पाइपें, सीवर लाइनें, बिजली की तारें पानी की पाइपें आदि गुजरती है या गुजरेंगी जलवायु बदलाव के बीच गिरते बढ़ते तापक्रम में वे कैसी प्रतिक्रियाएं पैदा करती हैं उनका भी असर निर्माण सामग्री चयन के दौरान संज्ञान में रखा जाना चाहिए। सतत विकास व जलवायु बदलाव के प्रत्युत्तर में सड़क इक्कीसवीं सदी में बनाई जा रहीं हो तो इन बातों पर भी ध्यान दिया जाना आपेक्षित है कि उनसे जलवायु बदलाव से जुड़ी समस्याएं और न बढ़ें, जैव विविधता पर संकट न आए और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े।

प्राकृतिक संसाधनों का कम-से-कम उपयोग हो पर्यावरण हानि कम से कम हो। शोर कम हो। ईधन की खपत कम हो आदि। विडंबना है कि जलवायु बदलाव अनुकूलन के प्रत्युत्त स्वरूप जो बारहमासी सड़के बनाई जा रहीं हैं आपेक्षित रूप से ग्रीन रोड होने के बजाय उनके निर्माण में कतिपय संवेदनशील क्षेत्रों में भी हजारों पेड़ काट दिए जाते हैं। भूमिगत जलस्रोत प्रणालियां ध्वस्त की जाती हैं। हजारों टन मलबा नदियों में डाल दिया जाता है। जैवविविधता के प्रति भी संवेदनशीलता नहीं बरती जाती है व निर्माण के दौरान कम-से-कम कार्बन उत्सर्जन करने वाले ईधन पर ध्यान नहीं दिया जाता है। वास्तव में आल वेदर रोड से ज्यादा जरूरी आल टाइम उपयोग की सड़कों पर काम करने की जरूरत है। सड़कों पर पर्याप्त रोशनी के लक्ष्यों पर तो अभी बात ही नहीं हो रही है। राजनैतिक कारणों से कमजोर भूगर्भीय संरचनाओं पर सड़कों के बनाने के दबाव से भी उबरने की जरूरत है।

एक नजर

पचास वर्षीय व्यक्ति की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत

साहेबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लालबथानी मुसहरी टोला के कारू चौधरी 50 वर्षीय पिता बेलदारी चौधरी की तेज पानी की बहाव में आ जाने के कारण डूब कर मौत हो गई। वहीं इस घटना की सूचना मुफस्सिल थाना को जैसे मिली घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गए एवं शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया। वहीं इस घटना के बाद परिवार की परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

अपर समाहर्ता ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

साहिबगंज : अपर समाहर्ता गौतम भगत ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। भगत ने रामपुर दियारा, गरमटोला, हाजीपुर दियारा सहित कई अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर बाढ़ प्रभावित गांव के ग्रामीणों से मुलाकात की और ग्रामीणों की समस्या से रूबरू हुए। अपर समाहर्ता द्वारा बाढ़ में फंसे लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण किया। जिनमे चूड़ा, गुड़ मोमबत्ती माचिस का वितरण 40 परिवारों के बिच 300 किलोग्राम का वितरण किया गया। भगत ने ग्रामीणों से बातचीत करते हुए आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन के द्वारा राशन की कमी नहीं होने दी जाएगी। समय-समय पर जिला प्रशासन के द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया जाता रहेगा। बाढ़ ग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों से कहा कि वह अपने मवेशियों एवं आवश्यक सामग्री के साथ सुरक्षित स्थानों पर या जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत शिविरों में प्रस्थान करें। वहीं भगत ने बताया कि बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष नाव की व्यवस्था की गई है। दियारा क्षेत्रों में फंसे हुए लोगों को नाव के माध्यम से राहत शिविर ले जाने का कार्य किया जा रहा है। राहत शिविर जाने वाले नागरिकों को जिला प्रशासन द्वारा नाव उपलब्ध कराया जा रहा है।

भाजपाईयों ने परिवर्तन यात्रा कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

पटमदा : जुगसलाई विधानसभा स्तरीय परिवर्तन यात्रा कार्यक्रम स्थल का भाजपाईयों ने बारिश के बीच निरीक्षण किया। इस दौरान निरीक्षण कार्यक्रम में जमशेदपुर लोकसभा की प्रवासी व छत्तीसगढ़ के पंडरिया विधानसभा की विधायक भावना बोहरा, जुगसलाई विधानसभा के प्रभारी सुबोध सिंह गुडडू, विधानसभा प्रवासी सुनील सिंह, मुचीराम बाउरी, हलधर नारायण साह, प्रदीप महतो, प्रदीप बेसरा, अमरजीत सिंह राजा, संदीप मिश्रा, सरत सिंह सरदार , महाबीर महतो, डॉ राजीव कुमार, तेजिंदर सिंह, गोबु घोष आदि उपस्थित थे।

टोल प्लाजा और डैम रोड की समस्या को लेकर एसडीओ को आजसू प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो के निर्देश पर पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी से मुलाकात की तथा ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को नीमडीह जिला परिषद सह आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य असित सिंह पात्र के नेतृत्व में लोगों ने अनुमंडल पदाधिकारी को दो ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जिला परिषद असित सिंह पात्र ने अनुमंडल पदाधिकारी को बताया है कि नीमडीह प्रखंड अंतर्गत चांडिल - पुरुलिया मार्ग पर तेंतलो में टोल प्लाजा का निर्माण किया गया है, जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, मीडिया को जानकारी दिए बिना 23 सितंबर से टोल टैक्स वसूली शुरू कर दी गई हैं। जिला परिषद ने बताया कि रोड़ का निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है और टोल टैक्स लेना शुरू कर दिया है जो गलत है। उन्होंने कहा कि रोड़ का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद ही टोल प्लाजा शुरू किया जाए तथा जमींदाताओं एवं स्थानीय लोगों को नौकरी पर रखा जाए। इसके साथ ही संपूर्ण चांडिल अनुमंडल के लोगों के लिए सभी प्रकार के वाहनों को टोल टैक्स से मुक्त रखा जाए। असित सिंह पात्र ने अपने ज्ञापन में कहा है कि जब तक हमारी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है, तब तक टोल टैक्स वसूली बंद रखा जाए अन्यथा उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। युवा आजसू के जिला उपाध्यक्ष बिजय मोदक ने अनुमंडल पदाधिकारी को चांडिल डैम रोड़ की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि पेयजल आपूर्ति के लिए डैम रोड़ पर पाइपलाइन बिछाने के लिए गड्ढे खोदने के बाद उसे वैसे ही छोड़ दिया गया है। गड्ढों के कारण राहगीरों को काफी परेशानी हो रही हैं। ज्ञापन के माध्यम से बिजय मोदक ने ठेकेदार के ऊपर कार्रवाई करने तथा अविलंब गड्ढों को भरने की मांग की है। इस मौके पर चांडिल प्रखंड अध्यक्ष दुर्योधन गोप, नीमडीह अध्यक्ष दिगंबर सिंह, केंद्रीय सदस्य बासुदेव प्रमाणिक, परसुराम गोराई, शौभिक हालदार आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

15 किसानों के बीच स्प्रे मशीन का किया गया वितरण

कुकडू : सरायकेला जिला के कुकडू प्रखंड कार्यालय सभागार में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के NFSM योजना के तहत कुकडू प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 30 चयनित किसानों में से बताया जा रहा हैं कि इन किसानों ने पिछले वर्ष सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में आवेदन दिया था।

सभी थाना को एसपी द्वारा सख्त निर्देश के बाबजूद खुलेआम चल रहा अवैध लॉटरी का धंधा

ईचागढ़ : बीते जुलाई माह को अवैध लॉटरी को लेकर पड़े छापे के बाद कुछ दिनों के लिए लॉटरी विक्रेता छुप छुप कर अपने अवैध कारोबार को मुकाम तक पहुंचा रहे थे, लेकिन अब वे स्थानीय प्रशासन को ठेंगा दिखाते हुए खुले में घर-घर जाकर के अवैध लॉटरी का धंधा मजबूती से करते हुए अपने तिजोरियां काले कमाई से भर रहे हैं। उन्हें ना तो प्रशासन का खौफ है और नहीं ही जेल जाने का भय। पहले यह अवैध लॉटरी का खेल केवल चांडिल बाजार सहित चौका, नीमडीह, ईचागढ़ और तिरुलडीह के मुख्य चौक चौराहों तक ही सीमित था। लेकिन आज के दिनों में यह लॉटरी गांव के घर-घर तक पहुंचना शुरू हो गया है। यह इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि बीते दिन हुए अवैध लॉटरी के छापेमारी के बाद पुलिस-प्रशासन ने कार्रवाई के नाम पर केवल विक्रेताओं को जेल भेजकर चुप्पी साध लिया। जबकि विक्रेताओं के माध्यम से पुलिस को मुख्य सरगना का नाम पता सब मालूम हो गया था इसके बाद भी आज तक वे पुलिस की गिरफ्त से दूर है या ये कहें की पुलिस ने इस केस से अपना ध्यान ही हटा लिया है। जो भी हो इससे पुलिस की कार्रवाई पर सवालिया निशान तो जरूर लगा है, लोगों का कहना है पुलिस को पर्याप्त सूचना मिलने के बाद भी अवैध लॉटरी के सरगना अब तक हवालात से बाहर है ऐसे में कैसे आज के दिनों में कानून के रखवालों पर कोई विश्वास करें। गरीब मजदूरों और किसानों की गाढ़ी कमाई को बहला फुसला कर लूट के खाने वालों के सामने तो पुलिस नतमस्तक दिख रही है। यही कारण है कि इस अवैध सभी अवैध कारोबार में लगे लॉटरी विक्रेता गांव मोहल्ले के घर-घर तक पहुंच रहा है।

भोगनाडीह में सीएम के आगमन को लेकर प्रशासन ने कार्य स्थल का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के बरहेट प्रखंड अंतर्गत सीएम हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारी जोरों शोरों से चल रही है। साहिबगंज डीडीसी सतीश चंद्र, डीटीओ विष्णु देव कच्छप, भोगनाडीह कार्यक्रम स्थल पहुंच कर जायजा लिया। इस दौरान कार्यक्रम को लेकर भव्य पंडाल का निर्माण किया जा रहा है, डीडीसी ने इसकी जानकारी ली। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त को लेकर अधिकारियों से भी बारी-बारी से जानकारी ली। वही बरहेट भोगनाडीह सड़क दुरुस्त करने को लेकर विभाग को दिशा निर्देश दिए। सीएम के आगमन को लेकर, कार्यक्रम में आने वाले छोटे बड़े वाहनों को रखरखाव के लिए पार्किंग स्थल का चयन किया गया ताकि सड़कों पर वाहनों की जाम की स्थिति ना हो। इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती को लेकर भी जानकारी ली। इस दौरान डीडीसी सतीश चंद्रा ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन साहिबगंज जिले की जनता को संबोधित करेंगे। इसको लेकर तैयारी जोरों शोरों से चल रही है। वही आगमन को लेकर हेलीपैड स्थल निर्माण किया गया है। सीएम हेमंत सोरेन साहिबगंज जिले को परिसंपत्ति एवं करोड़ों रुपए योजनाओं का शिलान्यास का उद्घाटन करेंगे। इधर सीएम हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर बड़े-बड़े बैनर पोस्टर लगाए गए बैनर पोस्टर के माध्यम से राज्य सरकार की उपलब्धियां दर्शी गई है। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भोगनाडीह आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सिद्धू कानू पार्क परिसर में साफ सफाई किया जा रहा है। वही पार्क परिसर में बड़े-बड़े घास, झाड़ उग आए थे। जिला प्रशासन द्वारा पार्कों का साफ सफाई दुरुस्त करने में जुट गई है। वही पार्क परिसर में लगे बड़े-बड़े हाई मास्क लाइट, विभाग तेजी से दुरुस्त कर रही है। प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे देख रेख में साफ सफाई को लेकर दुरुस्त किया जा रहा है। वही वीडियो के नेतृत्व में आगमन की तैयारी को लेकर प्रखंड कर्मियों को तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री सह बरहेट विधानसभा विधायक हेमंत सोरेन आगमन को लेकर कार्यक्रम में बरहेट विधानसभा के झामुमो कार्यकर्ता शामिल होंगे और झामुमो कार्यकताओं में भारी उत्साह है। वही कार्यकर्ता गांव-गांव में पहुंचकर सीएम हेमंत सोरेन आगमन को लेकर प्रचार प्रसार कर रहे हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के पशुओं के लिए जिला प्रशासन ने चारा की व्यवस्था की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला में बाढ़ की समस्या को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट पर हैं, पशुपालकों के बीच पशु-चारा (बिचाली, कुट्टी) का वितरण किया गया। जिला में बाढ कि समस्याओं से निपटने के लिए पशुओं के लिए पशु राहत शिविर मुख्य स्थान शंकुतला घाट, बायसी स्थान, निमार्णाधीन केंद्रीय विद्यालय स्टेडियम रोड, एवं रेलवे माल कैम्पस में बनाई गई है। दिनांक 24.09.2024 को पशुपालन पदाधिकारी डॉ हरिशंकर झा के नेतृत्व में पशुओं के लिए पशु-चारा (बिचाली, कुट्टी) का वितरण किया गया। जिनमें राहत शिविर शकुंतला घाट पर 29 पशुपालकों के बीच, बड़ा पशु 112, छोटा पशु 51 कुल 163 पशुओं के बीच 1150 किलोग्राम (ग्यारह क्विंटल पचास किलोग्राम) पशु चारा (बिचाली कुट्टी) का वितरण किया गया पशु राहत शिविर रेलवे मालगोदाम पर 29 पशुपालकों के बीच, बड़ा पशु 153, छोटा पशु 96 कुल 249 पशुओं के बिच 1650 किलोग्राम (सोलह क्विटल पच्चास किलोग्राम) पशु चारा (बिचाली कुट्टी) का वितरण किया गया।

कांग्रेस विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने जनता दरबार के माध्यम से सुनी आमजनों की समस्याएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखण्ड मुख्यालय स्थित विधायक कक्ष में प्रत्येक मंगलवार की भांति आज मंगलवार को जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने जनता दरबार के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनी। नगर पंचायत बरहरवा एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों विधवा, वृद्धा एवं विकलांग पेंशन, अबुवा आवास, अंचल, राशन कार्ड, बोरिंग, एवं मैया सम्मान योजना आदि से संबंधित समस्या को लेकर उपस्थित हुए। ग्रामीण तथा नगर पंचायत के लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के समक्ष रखा, जिसे बरकत खान ने बारी-बारी से सुनकर संबंधित अधिकारियों से वातार्लाप करके निदान करवाया। आज विधायक कक्ष मे बरहरवा नगर से सलमा खातून पति इजहार मंसूरी जितिया निवासी ग्रीन कार्ड की समस्या को लेकर पहुंची बरकत खान ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से वातार्लाप करके जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने का आग्रह किया। नरसिमल ग्राम बिशनपुर पंचायत में स्कूल के बगल अधूरे बोरिंग की समस्या को लेकर पहुंचे ग्रामीण जिसे जल नल मिशन के तहत करवाने के लिए पदाधिकारी से वातार्लाप किया गया। हसीना बीबी, कॉलोनी बीबी एवं समीमा खातून पहुंची अबुवा आवास की समस्या को लेकर बरकत खान ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास से वातार्लाप कर समस्या का निदान करने का आग्रह किया। बिंदु बड़ा पंचायत के विभिन्न ग्रामों में अबुआ आवास में अनियमितता पर वार्ड सदस्यों द्वारा लिखित आवेदन पर अनुशंसा कर प्रखंड विकास पदाधिकारी के पास भेजा गया। पंचो बीबी, चतुरगुन साह, मंगीया बेवा, उपचंद्र साह के विधवा, वृद्धा एवं विकलांग पेंशन, फॉर्म को अनुशंसा कर स्वीकृति के लिए भेजा गया। अमल कुमार नदी अंचल में सुधार हेतु आवेदन को अंचला अधिकारी के पास भेजा गया। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आए मैया सम्मान योजना के लाभों को सम्मान राशि नहीं मिलने के उपरांत उसे ऑपरेटर द्वारा चेक करवा कर उसके ड्यूटी को सुधार करवाया गया। विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कुछ समस्याओं का निदान ऑन द स्पॉट करवाया तथा बाकी आवेदन को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए जल्द से जल्द समाधान कराने का आग्रह किया। वहीं विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने कहा कि विधायक कक्ष में हम जनता दरबार के माध्यम से जनता का काम करते आए हैं और आगे भी निस्वार्थ भाव से करते रहेंगे।

बोरियो में एनजीओ के नाम पर बड़ा कारनामा, कंबल वितरण के नाम पर आदिवासियों से लाखों की ठगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत बोरियो थाना क्षेत्र के खैरवा पंचायत अंतर्गत धोगड़ा गांव के जादू टोला में बड़ी संख्या में आदिवासी परिवारों से धोखाधड़ी किया गया है। मामले का खुलासा तब हुआ जब गांव के दर्जनों लोगों के बैंक खातों से लगातार अवैध रूप से निकासी होती रही। गांव के खाताधारी जब बैंक निकासी के लिए पहुंचते, तो इन्हें धमकाया जाता, कई दफा बैंक वालों और सीएसपी संचालकों से बहसबाजी होती रही, लेकिन इसकी सुनवाई कहीं नहीं हुई। इसके बाद ठगी के शिकार हुए लोगों ने इस धोखाधड़ी का खुलासा किया है। पूरा मामला एनजीओ के नाम पर कंबल वितरण करने से जुड़ा है। पिछले वर्ष के दिसंबर माह में तीन लोग कार में सवार होकर आदिवासी बहुल धोगड़ा गांव के जादू टोला पहुंचे। गांव की अधिकतर महिलाएं और पुरुष खेत में धान कटाई के लिए गए हुए थे। एनजीओ संस्था के नाम पर आए ठगों ने गांव की प्रधान सह प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका रजीना सोरेन को बताया कि, वे लोग समाज कल्याण के लिए कंबल वितरण के लिए आए हुए हैं। उसके बाद ठगों ने गांव के लोगों से धान कटाई के लिए गए परिजनों को फोन कर गांव बुलाने के लिए कहा। परिजनों को कहा गया कि सभी को फ्री में कंबल बांटा जायेगा। उसके बाद प्राथमिक विद्यालय के ठीक बाहर धनी मुर्मू के घर पर बैठ कर, ठगों ने ग्रामीणों को जमा करवा लिया, सभी को आधार कार्ड साथ में लाने के लिए कहा गया। फिर बारी बारी से फिंगर प्रिंट लेकर आधार कार्ड को स्कैन कर लिया गया। ठगों ने गांव की प्रधान के हाथों कंबल वितरण का कार्यक्रम कराया, इसी दौरान फर्जी एनजीओ द्वारा फोटोबाजी भी की गई। जिस कारण किसी को समझ नहीं आया कि एनजीओ के नाम पर आए लोग ठग हैं। उसके बाद ठीक अगले दिन यानी कि 23 दिसंबर के दिन गांव की प्रधान सह प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका के खाते से अवैध रूप से अचानक से निकासी हो गई, 27 और 28 दिसंबर को जब महिला बोरियो बाजार स्थित बैंक में निकासी के लिए पहुंची तो पता चला कि नौ हजार रुपए पहले ही निकासी हो चुकी है, उसके बाद प्रधान के होश उड़ गए। फिर क्या था देखते ही देखते गांव के करीब एक दर्जन लोगों के खाते से लगातार कई महीनों तक लाखों रुपए की निकासी होती रही। आदिवासी समुदाय के ये खाताधारी जब भी बैंक जाकर खाता लॉक करने की मांग करते तो उन्हें धमकाया जाता या फिर मजाक उड़ा कर कहा जाता कि फ्री में कंबल लेने का परिणाम भुगतना पड़ रहा है, ग्रामीण बताते हैं कि इस कारण कई बार बैंक वालों से उनलोगो की बहसबाजी भी हो चुकी है, फिर भी कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। जब बोरियो बाजार के स्टेट बैंक वालों के सुस्त रवैए से भोले भाले ग्रामीण परेशान हो गए तब खुलकर सामने आए और पत्रकारों के सामने अपनी बातों को रखा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची

अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

अतिअल्पकालीन ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/RANCHI/16/2024-25 Re-tender (2nd Call) P.R. No. 334675 Rural Development (24-25).D

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र०सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	राँची जिला के बुढ़मू प्रखण्ड अंतर्गत चकमे पंचायत स्थित चकमे जिरगालगाढ़ा में आर0सी0सी0 पुलिया निर्माण।	326.091	6,52,200	10,000	18 माह

2.वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 25.09.2024
3.ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 25.09.2024 से दिनांक 01.10.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4.ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, राँची।
5.ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 04.10.2024 अपराह्न 2:00 बजे
6.ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची।
7.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 7903003903
8.परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10.निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है, तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची

PR 336945 (Rural Development)24-25*D

उपायुक्त-सह- जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय,गुमला (समाज कल्याण शाखा)

(अति अल्पकालीन निविदा सूचना)

वित्तीय वर्ष 2024–25 में गुमला जिलान्तर्गत संचालित आँगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों के लिए गर्म पोशाक (Winter Uniform Hoodie) का क्रय करने हेतु निविदा आमांत्रित की गई है।

इच्छुक प्रतिष्ठान मुहरबंद लिफाफे (तकनीकी एवं वित्तीय बीड अलग–अलग) में दिनांक 05.10.2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे तक जिला समाज कल्याण कार्यालय, गुमला में जमा कर सकते हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी जिले के अधिकारिक वेबसाईट gumla.nic.in पर अथवा जिला समाज कल्याण कार्यालय, गुमला से लिया जा सकता है।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,
गुमला

PR 336755 Women, Child Development & Social Security(24-25).D

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, कोडरमा

विज्ञापन सं0 02/2024(Estb.) दिनांक 23.09.2024

Vacancy Notice Of ART Centre Sadar Hospital, Koderma

(Name /Head Of the institution) invites application from suitable candidates for ART Centre, Sadar Hospital, Koderma On purely contractual basis for below mention position.

Sl. No	ART Centre name	Post Code	Name of post	Total No of Post	Category	Consolidated Remuneration per month
01	ART Centre Sadar Hospital, Koderma	ART-JH-KOD-01	Medical Officer	01	UR	72,000/- Per Month
		ART-JH-KOD-02	Staff Nurse	01	UR	21,000/- per Month

2. Education Qualification & Other desirables:

Medical Officer	❖ **The Medical Officer (MO) should essentially be an MBBS.** (Experience candidates and people having working experience in HIV Related field govt. or Pvt. Sector will be given preference.)
Staff Nurse	❖ **GNM or B.Sc (Nursing)** (Experience candidates and people having working experience in HIV Related field govt. or Pvt. Sector will be given preference.)

3. Age Limit:- Up to 62 years of age and medically fit to work.

Walk In interview
Date of Walk in interviews : 04-10-2024
Venue : Civil Surgeon Office Koderma, Sadar Hospital Campus.
Time : 11:30 AM

4. General information & instruction.
A. Society reserves the right to cancel any all position at any stage of recruitment process.
B. At any stage of recruitment, if it is found that candidate dose not full fill the eligibility criteria and/or that fact(s), his/her candidature will stand cancelled.
C. Candidates are required to bring education and experience certificate in original and 01 set self attested photo copy of the documents with Duly filled prescribed Application form.
D. No TA/DA will be paid the candidate for appearing interviews.
E. Candidate are informed that no claim regarding regularized of the job will be entertained.

Tor (Term of Reference) and responsibilities can be download from " koderma.nic.in" Website or obtained from Civil Surgeon office Koderma/ ART centre ,Sadar Hospital Koderma, During Working hours .

Civil Surgeon
Sadar Hospital Koderma

PR 336855 Health Med Edu and Family Welfare(24-25).D

कुवैत में एक मॉडल ऑटो वर्ल्ड शो में बीवायडी सील कार को पेश करती हुई।

इंटर्नशिप के आवेदन की छंटाई एआई के जरिए होगी

- अक्टूबर के मध्य से शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

नई दिल्ली ।

कंपनी मामलों के मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया अक्टूबर के मध्य से शुरू हो सकती है। जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि पहले चरण में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिये योजना के पात्र उम्मीदवारों को छांटा जाएगा। इसके बाद तटस्थ समिति आवेदकों का चयन करेगी और फिर कंपनियां उस सूची में से अपने यहां इंटर्नशिप कराने के लिए आवेदक चुन सकती हैं। समिति में सरकार और उद्योग के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सूत्रों ने कहा` कि योजना के तहत आवेदनों की संख्या देखकर फैसला किया जाएगा कि इस तरह की एक ही समिति बनाई जाए या कई समितियां गठित की जाएं। कंपनी मामलों का मंत्रालय पिछले तीन साल के दौरान कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) मद में कंपनियों द्वारा किए गए खर्च के आधार पर शीर्ष 500 कंपनियों की सूची को अंतिम रूप देने में जुटा है। कंपनियां अपनी मर्जी से इस योजना में शामिल हो सकती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को पेश आम बजट में इंटर्न शिप योजना की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य रोजगार को बढ़ावा देना है। कंपनी मामलों का मंत्रालय

इस योजना के लिए सितंबर के अंत तक पोर्टल शुरू कर सकता है। इस बारे में जानकारी के कंपनी मामलों के मंत्रालय को ईमेल भेजा गया मगर उसका अभी तक जवाब नहीं आया।

सैमसंग में हड़ताल विनिर्माण के लिए खतरा

एक दशक पहले के नोकिया के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र के बंद होने जैसी हो सकती है स्थिति

नई दिल्ली ।

सैमसंग के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र में यदि श्रमिकों की हड़ताल जल्द समाप्त नहीं होती है तो भारत के लिए वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की अपनी चाहत में महत्त्वपूर्ण जमीन खोने का खतरा हो सकता है। दिल्ली स्थित ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने यह अनुमान जताया। अगर तमिलनाडु सरकार शीघ्र हस्तक्षेप नहीं करती है तो स्थिति एक दशक पहले के नोकिया के श्रीपेरंबुदूर संयंत्र के बंद होने जैसी हो सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि नौकरियां समाप्त होंगी और विनिर्माण क्षेत्र में चीन का दबदबा बढ़ेगा। उद्योग मंत्रालय के एक पूर्व अधिकारी की रिपोर्ट के अनुसार भारत को औद्योगिक खुफिया इकाई स्थापित करनी चाहिए ताकि यह पता लग सकें कि इस तरह की बाधाएं किसी विदेशी प्रभाव के कारण तो नहीं खड़ी हो रही हैं। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की चेन्नई के करीब स्थित श्रीपेरंबुदूर में विनिर्माण इकाई में उत्पादन सितंबर की शुरुआत से ही प्रभावित है। इसका कारण यह है कि इस इकाई के सैकड़ों श्रमिक वेतन बढ़ाने, कार्य के घंटे कम करने सहित अन्य मुद्दों की मांग को लेकर सितंबर की शुरुआत से ही हड़ताल पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह हड़ताल सैमसंग तक सीमित नहीं रह गई है। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) इस क्षेत्र में अन्य प्रमुख विनिर्माण इकाइयों में अपनी पहचान बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। सीटू क्षेत्र की फॉक्सकॉन, फ्लेक्स और सैनमिना इकाइयों में अपनी पकड़ बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। यदि इस वामपंथी संगठन पर नजर नहीं रखी गई तो तमिलनाडु का इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। इससे संभवत- व्यापक तौर पर भारत का विनिर्माण उद्योग प्रभावित होगा। इसके अलावा विदेशी निवेशक सैमसंग की स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। विदेशी निवेशक श्रमिक समस्या लंबे समय तक जारी रहने की स्थिति में भारत में अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार कर सकते हैं। भारत अभी दक्षिण कोरिया और दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) से कारोबारी समझौतों की समीक्षा कर रहा है। हड़ताल के कारण जारी स्थिति बिगड़ने की स्थिति में इन बातचीत पर भी असर पड़ सकता है।

यूपी और बिहार में सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर अब पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से मंगलवार सुबह जारी खुदरा भाव में काफी बदलाव दिख रहा है। मंगलवार को ज्यादातर शहरों में तेल के दाम गिरे हैं और कुछ जगह तो पेट्रोल 1 रुपये तक सस्ता हो गया है। वैश्विक बाजार में अभी ब्रेंट क्रूड का भाव 74 डॉलर प्रति बैरल चल रहा है। हालांकि दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिख रहा। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी भाव के अनुसार यूपी के गाजीपुर जिले में पेट्रोल 1.01 रुपये सस्ता होकर 94.84 रुपये लीटर, डीजल भी 1.04 रुपये गिरा और 87.99 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 88 पैसे सस्ता होकर 105.18 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 83 पैसे गिरकर 92.04 रुपये लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में आज पेट्रोल 10 पैसे सस्ता हुआ और 94.84 रुपये लीटर बिक रहा, जबकि डीजल 11 पैसे टूटकर 87.69 रुपये लीटर है। बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी मामूली गिरावट दिखी है। वहीं ब्रेंट क्रूड का भाव टूटकर 74 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरावट के साथ 70.49 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर है। गाजीपुर में पेट्रोल 94.84 रुपये और डीजल 87.99 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 94.84 रुपये और डीजल 87.69 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

निसान मैग्नाइट की मामूली अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अगले महीने यानि की अक्टूबर में निसान मैग्नाइट फेसलिफ्ट के मामूली अपडेट के साथ लॉन्च होने की उम्मीद है। इस अपडेट का उद्देश्य एसयूवी को और अधिक आकर्षक बनाना है। लॉन्च के बाद से निसान मैग्नाइट में ज्यादा बदलाव नहीं हुए हैं, इसलिए अब यह एक सही समय है जब इस एसयूवी को एक मेकओवर मिल सकता है। हालांकि निसान एक प्रमुख वैश्विक कार ब्रांड है, लेकिन भारतीय पैसेंजर व्हीकल बाजार में इसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है। कम बिक्री के कारण निसान को अपनी भारतीय लाइनअप को सीमित करना पड़ा है और अब कंपनी केवल दो मॉडल्स बेचती है - एक कॉम्पैक्ट और किफायती एसयूवी मैग्नाइट और दूसरी प्रीमियम ऑफरिंग एक्स-ट्रैल। इस स्थिति में निसान मैग्नाइट कंपनी के लिए महत्वपूर्ण कार बन गई है, जिसने कंपनी को बाजार में बनाए रखा है। इसी वजह से निसान अब इसका फेसलिफ्ट मॉडल पेश करने की तैयारी कर रहा है, जिसमें कई नई चीजें देखने को मिलेंगी।रिपोर्ट्स के अनुसार, 2024 निसान मैग्नाइट में नए रेडिएटर ग्रिल, फिर से डिजाइन किए गए हेडलैंप, अपडेटेड एलईडी डे-लाइट रनिंग लाइट्स, और नए डिजाइन के फ्रंट और रियर बंपर के रूप में कॉस्मेटिक बदलाव होंगे। इसके अलावा, नई डिज़ाइन के अलॉय व्हील्स और टेललाइट्स भी देखने को मिल सकती हैं। हालांकि, इसके डायमेंशन्स में बदलाव की उम्मीद नहीं है। 2024 निसान मैग्नाइट के इंजन में ज्यादा बदलाव नहीं होंगे। यह मौजूदा मॉडल के इंजन सेट के साथ ही आएगी, जिसमें 1.0-लीटर तीन-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और 1.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन शामिल हैं। नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन 5-स्पीड मैनुअल या 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के साथ आता है, जबकि टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल मोटर 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी यूनिट ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ उपलब्ध है। केबिन के इंटीरियर में भी कुछ स्पोर्टी बदलाव किए जा सकते हैं, हालांकि इसका डिज़ाइन लेआउट पहले जैसा ही रहेगा। 2024 निसान मैग्नाइट का मुकाबला टाटा नेक्सन, मारुति सुज़ुकी ब्रेजा, हुंडई वेन्यू और महिंद्रा 3एक्सओ जैसी एसयूवी से होगा। इसके अलावा, यह रेनो काइगर, मारुति फ्रॉन्क्स और टाटा पंच से भी टक्कर लेगी। डैशबोर्ड में कुछ बदलाव होने की संभावना है, और इसमें सिंगल-पैन सनरूफ और 6 एयरबैग जैसे फीचर्स भी हो सकते हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 12 पैसे की गिरावट के साथ ही 83.67 पर बंद हुआ। रुपये ने आज सुबह शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया और यह तीन पैसे कमजोर होकर 83.57 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप से रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर स्थिर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया। वह 83.54 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.57 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.54 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी बढ़त के साथ 100.92 पर रहा।

देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में 18 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । दुनिया भर में कमजोर मांग की वजह से देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 में सालाना आधार पर रत्न-आभूषण निर्यात 18 फीसदी घटकर 2.01 अरब डॉलर रह गया। जबकि अगस्त 2023 में यह 2.47 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के मुताबिक मासिक आधार पर निर्यात में तेजी देखने को मिली है। जुलाई में देश से 1.66 अरब डॉलर मूल्य के रत्न आभूषणों का निर्यात किया गया था। परिषद ने कहा है कि अमेरिका और चीन जैसे बाजारों में निर्यात बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

एसएंडपी ने भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 फीसदी बरकरार रखा

नयी दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 6.8 प्रतिशत पर मंगलवार को बरकरार रखा और कहा कि उसे उम्मीद है कि आरबीआई अपनी अक्टूबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों में कटौती शुरू कर देगा। एशिया प्रशांत के आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। इसमें कहा गया कि भारत में ठोस वृद्धि से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुद्रास्फीति को अपने लक्ष्य के अनुरूप लाने पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत में अप्रैल-जून तिमाही में उच्च ब्याज दरों ने शहरी मांग को प्रभावित किया और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर धीमी रही। हालांकि, यह समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए हमारे सकल घरेलू उत्पाद के 6.8 प्रतिशत की दर के अनुमान के अनुरूप है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। एसएंडपी ने कहा कि हमारा परिदृश्य यथावत बना हुआ है। हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई जल्द से जल्द अक्टूबर में दरों में कटौती शुरू कर देगा और चालू वित्त वर्ष में दो बार दरों में कटौती की योजना बनाएगा।

बाजार रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद फिसला , सपाट बंद

मुम्बई ।

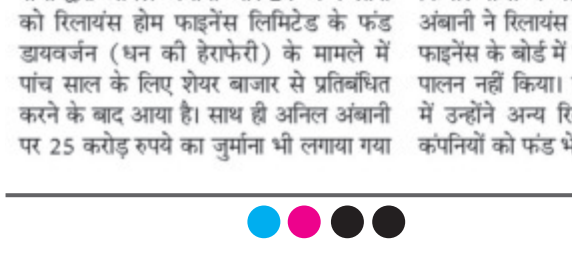

घरेल शेयर बाजार मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में ये गिरावट मुनाफावसूली हावी होने से आयी। आज इंट्रा डे कारोबार के दौरान बाजार में जो तेजी थी वो शाम होते हुए निकल गयी। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स 85,163.23 के शीर्ष स्तर जबकि निफ्टी 26 हजार के उपर चला गया पर इसके बाद निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली शुरु कर दी जिससे बाजार नीचे आ गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 14.57 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आकर 84,914.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 501.35 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,940.40 के स्तर पर बंद हुआ। शेयर बाजार आज भले ही काफी ऊपर आया पर ये तेजी अधिक समय टिक नहीं पायी। इसका एक कारण बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में गिरावट भी रही। निफ्टी बैंक आज 0.25 फीसदी गिर गया। इसमें भी निफ्टी पीएसयू ब्हहुट्ठुद के शेयर ओवरऑल 0.86फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर 0.28 फीसदी नीचे आये। व्यापक बाजार में, स्मॉलकैप इंडेक्स 0.04 फीसदी गिरकर 57,475 पर बंद हुआ, जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.21 फीसदी बढ़कर 49,621 पर बंद हुआ। वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो मेटल स्टॉक्स का प्रदर्शन आज सबसे अच्छा रहा। निफ्टी मेटल 2.97फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी आईटी (0.61फीसदी), निफ्टी ऑटो (0.43फीसदी), निफ्टी ऑयल एंड गैस (0.38फीसदी), निफ्टी फार्मा (0.23फीसदी) और निफ्टी मीडिया (0.01फीसदी) की बढ़त बनाते हुए बंद हुए। निफ्टी पर बैंकिंग शेयरों के अलावा, एफएमसीजी (0.77फीसदी), रियल्टी (0.30फीसदी), हेल्थकेयर (0.04फीसदी) और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.20फीसदी) नीचे आये। निफ्टी के कुल 25 शेयर जबकि, सेंसेक्स के 15 शेयर आज लाभ के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाला शेयर टाटा स्टील (4.32फीसदी) रहे। इसके अलावा, हिंडाल्को, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, अदाणी एंटरप्राइजेज, एचसीएल टेक, ओएनजीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, विप्रो और सनफार्मा जैसे स्टॉक्स ने बढ़त बनाई। वहीं, सेंसेक्स पर टाटा स्टील (4.29 फीसदी) टॉप गेनर स्टॉक रहा। इसके अलावा, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक , महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्यू टॉप परफॉर्मर रहे।

निफ्टी पर आज सबसे बड़ी गिरावट

एसबीआई लाइफ के शेयरों में देखने को मिली। इसके शेयर 2.78 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलिवर, ग्रासिम, अल्ट्राटेक सीमेंट, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, सिप्ला, हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी लाइफ, कोटक महिंद्रा बैंक, नेश्ले इंडिया जैसे स्टॉक्स के शेयर एक फीसदी से ज्यादा गिरे।

वहीं एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग पॉजिटिव सेक्टर में बंद हुए। शंघाई और हांगकांग के बाजार काफी ऊंचे स्तर पर पर बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार भी ऊपर आये। अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। इससे पहले आज सुबह जब बाजार खुला तो शेयर बाजार में पिछले तीन दिनों से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया था। आज सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही गिरावट पर खुले। प्री ओपनिंग सेशन में सेंसेक्स 67.88 अंक 0.080 फीसदी की गिरावट के साथ 84,860.73 के लेवल पर खुला। वहीं, निफ्टी 17.60 अंक 0.068 फीसदी नीचे आकर 25,921.45 के स्तर पर खुला।

एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ को दी मंजूरी

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के आईपीओ को मंजूरी दे दी है, जिसमें कंपनी 2,500 करोड़ रुपए के नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस इश्यू का वैल्यूएशन 7-8 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है और यह दिसंबर तक सूचीबद्ध हो सकता है। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जो रिटेल और कॉरपोरेट सेक्टर में सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड लोन की विभिन्न श्रेणियों में सेवाएं प्रदान करती है। आईपीओ के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी जरूरी है, खासकर अक्टूबर 2022 के सर्कुलर के बाद, जब इसे अपर लेयर एनबीएफसी कैटेगरी में रखा गया था। एचडीएफसी बैंक की एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज में 94.64 फीसदी हिस्सेदारी है। फिलहाल, आईपीओ के लिए बैंकरों का चयन किया जा रहा है। इसमें मॉर्गन स्टेनली, बैंक ऑफ अमेरिका, नोमुरा, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एक्सिस कैपिटल और आईआईएफएल जैसी प्रमुख फर्मों को शामिल किया जा रहा है।

गोवा में मंत्रियों की बैठक में होगी जीएसटी दरों की समीक्षा

नई दिल्ली । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में छह सदस्यीय मंत्रियों का समूह गोवा में मंगलवार और बुधवार को जीएसटी दरों की समीक्षा करेगा। उर्वरक, हैंडलूम और टेक्सटाइल सहित 100 से अधिक उत्पादों पर कर दरों को लेकर चर्चा की जाएगी। इस पैनल की सिफारिशें नवंबर में होने वाली 55वीं वस्तु एवं सेवा कर काउंसिल की बैठक में पेश की जाएंगी। बैठक में रियल एस्टेट से जुड़े मामलों पर भी चर्चा होगी, जिसमें एक मुआवजा योजना भी शामिल हो सकती है, जो इस सेक्टर पर गहरा प्रभाव डाल सकती है। इस मामले से सीधे तौर पर जुड़े एक सूत्र के मुताबिक इस बैठक में 90-100 उत्पादों की दर को तार्किक बनाने के असर की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। समिति में उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खीमसर और केरल के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल शामिल हैं। वर्तमान में जीएसटी का चार-स्तरीय कर ढांचा है जिसमें 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की दरें हैं। आवश्यक वस्तुओं पर या तो छूट दी गई है या उन्हें सबसे निचली दर पर टैक्स किया गया है, जबकि विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर उच्चतम 28 फीसदी की दर लागू होती है और उन पर अतिरिक्त उपकर भी लगाया जाता है। कुछ उत्पादों की दरों में बदलाव संभव हो सकता है लेकिन 12 और 18 फीसदी की दरों को मिलाना या 12 और 5 फीसदी की दरों को मिलाने जैसे बड़े सुधारों में समय लग सकता है।

सेबी ने अनिल अंबानी के बेटे अनमोल पर 1 करोड़ का जुर्माना लगाया

रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ कृष्णन गोपालकृष्णन पर भी 15 लाख का जुर्माना

मुंबई ।

शेयर बाजार नियामक सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सामान्य कॉरपोरेट लोन (जीपीसीएल) को मंजूरी देते समय उचित सतर्कता न बरतने पर उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेबी ने रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दोनों को 45 दिनों के भीतर यह राशि चुकानी होगी। यह आदेश अगस्त में सेबी द्वारा अनिल अंबानी और 24 अन्य लोगों को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के फंड डायवर्जन (धन की हेराफेरी) के मामले में पांच साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित करने के बाद आया है। साथ ही अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी ने सामान्य कॉरपोरेट लोन को मंजूरी दी थी, जबकि 11 फरवरी 2019 को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने ऐसे किसी भी लोन को मंजूरी न देने का स्पष्ट निर्देश दिया था। इसके बावजूद अनमोल अंबानी ने 14 फरवरी 2019 को 20 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी दी थी। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी, जो कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक थे, ने अपने अधिकारों से बाहर जाकर कंपनी के हितों के खिलाफ काम किया। उन्होंने शेयरधारकों के हित में काम नहीं किया और न ही सावधानी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया। सेबी ने यह भी बताया कि अनमोल अंबानी ने रिलायंस कैपिटल और रिलायंस होम फाइनेंस के बोर्ड में रहते हुए उचित सतर्कता का पालन नहीं किया। जीपीसीएल लोन के मामले में उन्होंने अन्य रिलायंस एडीएजी समूह की कंपनियों को फंड भेजने के मामले में भी उचित

जांच नहीं की। कृष्णन गोपालकृष्णन ने भी कई जीपीसीएल लोन को मंजूरी दी और उन लोन के क्रेडिट अप्रूवल मेमो में दर्ज महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में जानते थे। रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर के रूप में उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के तहत सही प्रक्रिया का पालन करना चाहिए था और कंपनी के सभी हितधारकों के हित में काम करना चाहिए था। दोनों अनमोल अंबानी और गोपालकृष्णन ने सेबी के लिस्टिंग ओब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट नियमों का उल्लंघन किया है।

चीन की ब्याज दरों में कमी की घोषणा से भारत में चमके मेटल शेयर

मुंबई । चीन के पीपल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा अगले सप्ताह में ब्याज दरों में कटौती की घोषणा का सीधा असर मंगलवार को भारतीय बाजारों के मेटल शेयरों पर नजर आया। भारत में सेंसेक्स और निफ्टी के फ्लैट कारोबार करने के बावजूद मेटल इंडेक्स 2 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और मेटल इंडेक्स में शामिल सारे शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई पर मेटल शेयरों का कारोबार 32,420 पर शुरु हुआ, जबकि कल 32,178 पर बंद हुआ था। इस समय यह 2 फीसदी बढ़त के साथ 32,788 पर कारोबार कर रहा है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की घोषणा के कुछ ही हफ्तों बाद, चीन ने भी आर्थिक कदम उठाते हुए रिजर्व रिक्वायरमेंट रेशो में आधा प्रतिशत की कटौती की है। इस कटौती के बाद बैंकों को अब अपने पास नकदी का कम हिस्सा रखना होगा, जिससे बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ेगा। इसके साथ ही अगले एक हफ्ते में ब्याज दरों में भी कटौती की घोषणा की गई है।

हिंदू वोट से सरकार बनती,गौ हत्या के लिए कानून नहीं

बक्सर में बोले जगतगुरु शंकराचार्य; विकास के नाम पर धार्मिक स्थल बर्बाद हो रहे

बक्सर। यूपी के रास्ते जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बक्सर पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि देश में विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों को बर्बाद किया जा रहा। तिरुपति बाला जी में जो कुछ हुआ है वह पूरे हिंदू समाज के साथ विश्वासघात है। जिन लोगों ने ऐसा किया है कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के वोट से 78 साल से सरकार बन रही है, पर गौ हत्या पर किसी ने रोक नहीं लगाई। गौ माता के मांस बेचने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। गायों को राष्ट्र माता का दर्जा देने और गो हत्या बंद करने के उद्देश्य से जगतगुरु यात्रा पर निकले हैं। 22 सितंबर से उनकी यात्रा यूपी के अयोध्या से शुरू की। अयोध्या के बाद लखनऊ में गए थे। वहां से बक्सर आएं हैं, यहां भोजपुर गो प्रतिष्ठा ध्वज की स्थापना की गई। अभी वे पटना के लिए निकले हैं। यात्रा देश के 36 प्रदेशों की राजधानियों तक पहुंचेगी।

बक्सर में अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर से जुड़े सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वहां निर्माण पूरा नहीं हुआ है। हमने कहा था कि अधूरे भवन में भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा मत करो।

वहीं बागेश्वर बाबा के चमत्कारों के बारे में सवाल पर उन्होंने कहा कि किसी एक का नाम लेना सही नहीं है। चमत्कार हो जाए तो अच्छा है। दरसअल शंकराचार्य ने पिछले दिनों कहा था कि कुछ लोग दिव्य दरबार लगाकर चमत्कार का दावा करते हैं। हम फूल बिछाएंगे, वे जोशी मठ की धंसती जमीन को रोककर दिखाएं। चमत्कार होगा, तो उन्हें पलकों पर बैठाएंगे। उनके इसी बयान को लेकर बक्सर में सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि देश में बहुत-सी समस्याएं हैं। हम लोग तो चाहते हैं कि कोई चमत्कार हो जाए। बक्सर पहुंचने पर शंकराचार्य का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। स्वागत और अभिनंदन में बक्सर के विधायक संजय तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी मौजूद रहे। वो सोमवार की देर शाम बक्सर पहुंचे। रात्रि विश्राम के बाद नया भोजपुर स्थित गौधाम में गौ पूजा की। जिसके बाद पटना के लिए रवाना हो गए। जहां दोपहर में दारोगा राय स्मारक भवन, दारोगा राय पथ में कई कार्यक्रम हैं। अयोध्या से गौ प्रतिष्ठा की शुरूआत स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने 22 सितंबर रविवार को अयोध्या से गौ प्रतिष्ठा आंदोलन की शुरूआत की है। यह यात्रा 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक चलेगी। राजधानी में गो-ध्वज की स्थापना करेंगे। शंकराचार्य इसी प्रकार देश के 36 प्रदेशों की राजधानी में गो-ध्वज स्थापित करेंगे। यह यात्रा 36 दिनों तक चलेगी। इसके बाद 26 अक्टूबर को वृंदावन में आकर इस यात्रा को पूरा करेंगे। अनंत अंबानी की शादी में शामिल हुए थे अविमुक्तेश्वरानंद, पीएम ने छूए थे पैर जुलाई में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मुंबई में अनंत अंबानी की शादी में भाग लिया था। वहां शादी के बाद हुए आशीर्वाद समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की मुलाकात चर्चा में बन गई थी।इसके पहले ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज 14 मार्च 2024 से 28 मार्च 2024 तक गायों को राष्ट्र माता का दर्जा देने के लिए नंगे पैर पदयात्रा कर चुके हैं। उन्होंने गोवर्धन गिरीराज से दिल्ली तक नंगे पैर पदयात्रा की थी।

कभी किराए के मकान तो बरामदे पर चलता है आंगनबाड़ी

जमुई। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 खैरमा गांव में बीते 36 साल से आंगनबाड़ी केंद्र कभी किराए के मकान में तो कभी बरामदे पर संचालित कर बच्चों को पढ़ाया जा रहा है इस आंगनवाड़ी केंद्र को बीते 36 सालों में अपना भवन नसीब नहीं हुआ।इस आंगनबाड़ी केंद्र को फिलहाल वार्ड नंबर एक स्थित खैरमा उत्क्रमित मध्य विद्यालय के एक कमरे में शिफ्ट कर दिया गया है। स्कूल के कमरे में आंगनबाड़ी के बच्चो को पढ़ाए जाने से स्कूली छात्रों को समस्या हो रही है। वहीं आंगनबाड़ी सेविका को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।आंगनबाड़ी सेविका सावित्री देवी बताती है कि 36 सालों से इस आंगनबाड़ी केंद्र को चला रहे हैं।अभी तक सरकारी भवन नहीं मिला है। वार्ड नंबर 4 का यह आंगनबाड़ी केंद्र है। जिसे वार्ड नंबर एक में शिफ्ट कर दिया गया है। वो भी स्कूल के ऊपरी तल्ले पर। अधिकारी द्वारा यह भी कहा गया कि स्कूल में ही खाना बनाना है। इसके लिए गैस चूल्हा भी रखिए लेकिन स्कूल के हेड मास्टर द्वारा यहां खाना बनाने से मना कर दिया गया है। जिसके कारण हर दिन घर से बनाकर लाना पड़ता है। वार्ड नंबर 4 से वार्ड नंबर एक में आंगनबाड़ी चलने से कई तरह की समस्या आ रही है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि चार नंबर वार्ड से बच्चों को लेकर एक नंबर वार्ड स्कूल आने के दौरान मुख्य सड़क को पार करना पड़ता है। मुख्य सड़क होने के कारण हमेशा गाड़ियों का आवागमन होते रहता है। पति की सहायता से सभी छोटे बच्चों को सड़क पार करवाते हैं। इतनी समस्या होने के बाद भी सीडीपीओ मैडम का कहना है कि किसी तरह आप स्कूल में ही चलाइए। मुख्य सड़क पर होने के कारण बच्चों की उपस्थिति कम हो गई है। पेरेंट्स बच्चों को भेजना उचित नहीं समझते हैं।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में अनियमितता का लगाया आरोप

बेतिया। पश्चिम चंपारण जिला के बैरिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्तरी पटजिरवा पंचायत के वार्ड नंबर-12 में विधायक निधि से पीसीसी निर्माण कार्य हो रहा है। ग्रामीणों ने काम में अनियमितता का आरोप लगाया हुए मंगलवार सुबह काम को रोक दिया। जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण शंभू चौधरी, रीता देवी, मनकेशिया देवी, हरेश कुमार, उदय चौधरी अनिता देवी, लखपतीया देवी, विनोद यादव समेत दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि सड़क का निर्माण किस योजना से और कितना राशि से हो रहा है। इसका कोई योजना का शिलापट कार्य स्थल पर नहीं लगाया गया है।

संवेदक ने कहा-ठीक से हो रहा निर्माण काम सड़क का निर्माण जगदेव ठाकुर के घर से बाबूराम चौधरी के घर होते हुए चंपारण तटबंध तक करना है। संवेदक ने कहा कि सड़क का निर्माण जिस तरह से हो रहा है। वैसे ही होने दीजिए। काम ठीक से हो रहा है। ग्रामीणों ने कार्य का विरोध कर कनीय अभियंता को निर्माण स्थल पर बुलाने की बात कही। ग्रामीणों का कहना है कि विधायक दूसरे काम को देखते हैं। अपने योजना से कराए गए कार्य को अवलोकन करने तक भी नहीं आते हैं। इसलिए वह कार्य स्थल पर आए। गुणवत्ता की जांच कर कार्य को सही तरीके से कराए। संवेदक ने बताया कि मेरे हिसाब से काम सही हो रहा है।

जबकि, कनीय अभियंता ने बताया कि लगभग 7 लाख का राशि है। ग्रामीणों से घटिया निर्माण कराए जाने का सूचना मिली है। मामले का जांच पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

होश आने में देर होती तो पोस्टमॉर्टम हो जाता

नालंदा सदर अस्पताल में बेहोश पड़ा था CS ने बिना जांच के कहा-मर गया, पोस्टमॉर्टम कराओ

नालंदा। बिहार शरीफ सदर अस्पताल में सोमवार को एक शख्स बाथरुम में बेहोश की हालत में गिरा हुआ मिला। सिविल सर्जन जितेंद्र कुमार सिंह ने उसे दूर से देखा और बोले कि मर गया है, पोस्टमॉर्टम कराओ। सदर अस्पताल में मौत की सूचना मिलते ही पुलिस भी पहुंच गई और FSL की टीम का इंतजार हो रहा था। पोस्टमार्टम हाउस ले जाने के लिए एक कर्मी स्ट्रैचर लेकर आ गया। अभी स्ट्रेचर पर रखने की तैयारी चल ही रही थी कि उसे होश आ गया और वो खड़ा हो गया। उसके होश में आते ही वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। वहीं इस घटना ने स्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही को सामने आ दिया है।सिविल सर्जन जितेंद्र कुमार सिंह ने बना मरीज की नब्ज देखे, हड़बड़ी में बेहोश अधेड़ को मृत बताकर पोस्टमार्टम हाउस ले जाने का आदेश दे दिया। यहां तक की मौत की सूचना पाकर पुलिस भी आ गई। पुलिस पदाधिकारी एफएसएल टीम के आने का इंतजार कर रहे थे।सदर अस्पताल के पहले तल्ले के शौचालय का दरवाजा अंदर से बंद था। सफाई कर्मी जब गए तो दरवाजा बंद होने का पता चला। कर्मी लौट गए। कुछ देर बाद सफाई कर्मी फिर गया। शौचालय का दरवाजा फिर भी बंद ही था। तब संदेह होने पर सफाई कर्मी ने रेलिंग पर चढ़कर अंदर झांका। अंदर एक अधेड़ बेहोश जमीन में गिरा पड़ा था। सफाई कर्मी ने शौचालय में शव होने का शोर मचा दिया। सीएस समेत अन्य कर्मी मौके पर आ गए। बिना जांच के उसे मृत बता दिया गया। शव मिलने की सूचना देकर पुलिस को भी बुला ली गई।पुलिस की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया। फर्श पर अधेड़ गिरा था। किसी ने भी उसकी नब्ज नहीं टटोली। बिना जांच के सीएस समेत अन्य ने उसे आनन-फानन में मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमॉर्टम हाउस ले जाने का आदेश दे दिया। एफएसएल टीम को भी खबर दे दी गई।अधेड़ अस्थावांथाना इलाके के जिराइनपर गांव निवासी राकेश कुमार है। वो दवा लेने अस्पताल आया था। वहीं, पुलिस की मानें तो अधेड़ नशे में था। इस कारण बाथरूम में अचेत होकर गिर गया। नशेड़ी को पुलिस अपने साथ ले गई। मामले में नगर थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि बाथरूम के अंदर उसे चक्कर आ गया था। वह फर्श पर ही लेट गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह भगवान से मिलने जा रहा था। पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया है। नगर थाना के जमादार व्यास प्रसाद ने बताया कि शव मिलने की सूचना पाकर वह अस्पताल पहुंचे थे। यहां एफएसएल टीम के आने का इंतजार कर रहे थे। कथित शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाने के क्रम में अधेड़ होश में आ गया। तब पता चला कि अधेड़ बेहोश था। नशे की हालत में वह गिर गया था। अस्पताल प्रबंधक कुणाल कुमार ने बताया कि सफाई कर्मी से उन्हें शव मिलने की सूचना मिली। पोस्टमॉर्टम के लिए ले जानेके दौरान अधेड़ को होश आ गया।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, घर जल कर राख

मोतिहारी। रक्सौल के हरैया गांव में एक घर में आग लगने से घर सहित भैंस, बकरी आदि जल कर मर गए। आग सगीर मियां के घर मे रात में 2 बजे के आसपास लगी। जिसमें लाखों का सामान जल कर राख हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। आग लगने के बाद स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने का भरपूर प्रयास किया। लेकिन, आग इतनी भीषण थी कि अग्निशमन को बुलाना पड़ा। अग्निशमन के आने के बाद ही आग पर काबू पाया गया। पंटोका पंचायत के सरपंच ने बताया कि सगीर मियां गाय, भैंस व बकरी पालन कर ही अपनी जीविका चलते थे। लेकिन, अगलगी ने ये सब छीन लिया। जिससे उनके जीविका पर असर पड़ेगा। उनका पूरा घर जल कर राख हो गया।घर में बंधे जानवर व समान को निकालने का गृह स्वामी सगीर मियां व स्थानीय लोगों ने भरपूर प्रयास किया। लेकिन आग की लपटें इतनी भयावह थी कि उनके आंखों के सामने सब कुछ जल कर राख हो गया। सीओ शेखर राज ने बताया कि अगलगी घटना की सूचना मिली है।

सांसद ने वीडियो कॉल किया,डॉक्टर चेहरा दिखाकर बोले-मर चुका है

हादसे में वीणा देवी के बेटे की मौत; पत्नी का पोस्ट-यहां कल क्या हो किसने जाना

मुजफ्फरपुर। सड़क हादसे में वैशाली सांसद वीणा देवी के बेटे राहुल उर्फ छोटू सिंह की मौत हो गई। छोटू की बुलेट को एक पिकअप वैन ने सामने से टक्कर मार दी। घटना रेवा रोड में जैतपुर ओपी क्षेत्र के पोखरैरा गांव के पास सोमवार की देर शाम हुई। आज छोटू सिंह का रेवा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। हादसे के समय छोटू ने हेलमेट नहीं पहना था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक जोरदार आवाज के बाद छोटू बीच सड़क पर गिर कर छटपटा रहे थे। थोड़ी दूर पर बुलेट पड़ी हुई थी। पुलिस ने बताया कि चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। राहुल को सरैया पीएचसी ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सरैया सीएचसी पहुंचने के बाद सांसद वीणा देवी ने बेटे के मोबाइल पर वीडियो कॉल किया। डॉक्टर ने वीडियो कॉल उठाया तो दूसरी ओर सांसद वीणा देवी थीं। डॉक्टर ने वीणा देवी से पूछा कि यह कौन हैं। इनकी तो मौत हो चुकी है। इतना सुनते ही सांसद वीणा देवी छोटू-छोटू कहकर जोर-जोर से रोने लगीं। इसके बाद पता चला कि मृतक राहुल राज सांसद वीणा देवी और एमएलसी दिनेश प्रसाद सिंह के बेटे थे। साहेबगंज के बीजेपी विधायक राजू सिंह, बरूराज के विधायक बीजेपी अरुण सिंह ,पारू विधायक अशोक सिंह , पूर्व मंत्री और कांटी राजद विधायक इसराइल मंसूरी, बोचहा विधायक अमर पासवान समेत कई नेता अंतिम संस्कार में शामिल हुए।घटना से करीब 3 घंटे पहले छोटू सिंह की पत्नी निरूपमा ने फेसबुक पर अपनी बेटी के वीडियो का रील बनाकर पोस्ट किया था। वीडियो किसी एयरपोर्ट का है, जिसमें बेटी बैग लेकर चल रही है। जिसमें गाना लगाया है- 'आसमानों से बढ़ना है आगे, चांद-तारों से चलना है आगे, पीछे रह जाएगा ये जमाना, यहां कल क्या हो किसने जाना'रील पोस्ट होने के बाद फेसबुक से जुड़े लोगों ने खूब लाइक-कमेंट किया। लेकिन, कुछ घंटों में तस्वीर बदलने के बाद सन्नाटा छा गया। हादसे के बाद केवल व्यूज बढ़ रहे थे। उन्हें जानने-पहचाने वाले हादसे की खबर से सदमे में थे। निरूपमा सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। अपनी आईडी पर भी पहचान के तौर पर सोशल इंटरप्रेन्योर लिखा है। फेसबुक वॉल पर पति सहित अन्य रिश्तेदारों की तस्वीर लगा रखी है। वह हिंदुस्तान पीपुल्स मजदूर यूनियन की सदस्य भी हैं।

सोमवार की शाम उन्होंने बेटी के 3 रील्स अपलोड किए। एक वीडियो घर में बनाया गया है, जबकि 2 वीडियो किसी एयरपोर्ट का है। छोटू-निरूपमा की एक ही बेटी है।परिवार के सबसे बड़े बेटे होने के बावजूद छोटू सिंह को राजनीति में अधिक रुचि नहीं थी। वह धार्मिक प्रवृत्ति के थे। वह नवरात्र में कलश स्थापना को लेकर तैयारी कर रहे थे। नौ कलश स्थापित कर वह खुद पूजा करते थे। राहुल सिंह परिवार का कारोबार संभाल रहे थे। वैशाली की सांसद वीणा देवी की चार संतानों में छोटू सिंह सबसे बड़े थे। उनसे छोटी दो बेटियां निशि और कोमल सिंह हैं। सबसे छोटे पुत्र शुभम घर से बाहर है। छोटू की शादी वर्ष 2013 में निरूपमा सिंह से शादी हुई थी।

डिप्टी सीएम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

शेखपुरा। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा सोमवार को जिले के घाटकुसुम्भा प्रखंड में बाढ़ प्रभावित कई गांवों का दौरा करने के लिए पहुंचे। इस दौरान लोगों की समस्याओं को सुना और फिर प्रखंड के घाटकुसुम्भा, गदबदिया, सुजावलपुर, बटोरा होते हुए सडक के रास्ते लखीसराय चले गए।

वहां से वापस लौटने के दौरान घाटकुसुम्भा प्रखंड के सहरा, गुरेरा आदि गांव का दौरा भी किया। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। उनके साथ शेखपुरा के पूर्व विधायक रणधीर कुमार सोनी के अलावा बीडीओ और सीओ मौजूद थे। गंगा में बढ़ते जलस्तर के कारण घाटकुसुम्भा प्रखंड के हरोहर नदी में उफान आया हुआ है।उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि फसल की बबार्दी हो या जानवरों के चारे का संकट लोगों के बीच राहत सामग्री का वितरण जल्द ही कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पदाधिकारियों से भी बातचीत हुई है।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए।

कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12पद्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

भारत/बांग्लादेश: दूसरे टेस्ट के लिए कानपुर पहुंची भारतीय टीम

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ 27 सितंबर से शुरु होने वाले श्रृखंला के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम के सदस्य मंगलवार को कानपुर पहुंचे। भारतीय टीम के सदस्य टुकड़ियों में यहां पहुंचे। सबसे पहले चकेरी हवाई अड्डे से भारतीय कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली बाहर निकले जबकि कुछ देर बाद शुभमन गिल,रोहित शर्मा को औद्योगिक नगरी में आगमन हुआ। बाद में विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत भी कानपुर पहुंच गए।

बांग्लादेश की टीम के देर शाम तक यहां पहुंचने की संभावना है। दोनो टीमे बुधवार से ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम पर बारी बारी से अभ्यास करेंगी। दोनो टीमों को शहर के एकमात्र तीन सितारा होटल लैंडमार्क में ठहराया गया है। टीमों के अभ्यास के शेड्यूल जारी होना बाकी है। हालांकि सूत्रों का दावा है कि सुबह के सत्र में मेहमान बांग्लादेश की टीम ग्रीनपार्क में नेट प्रैक्टिस करेगी जबकि शाम को भारतीय टीम अभ्यास सत्र में हिस्सा लेगी।

अरसे बाद ग्रीनपाक 'पर टेस्ट मैच के आयोजन को लेकर कानपुर के क्रिकेट प्रेमियों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। अपने पसंदीदा क्रिकेट सितारों की एक झलक पाने के लिये क्रिकेट प्रशंसकों की भीड़ होटल के बाहर दोपहर से ही जम गयी। सुरक्षा के लिहाज से हालांकि पुलिस प्रशंसकों को धकियाते दिखायी दी। होटल में क्रिकेट सितारों का स्वागत तिलक लगा कर किया गया।

गौरतलब है कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में 1-0 की अपराजेय बढ़त हासिल कर चुकी भारतीय टीम के लिये आईसीसी टेस्ट क्रिकेट चैंपियनशिप में अपनी रैंकिंग को मजबूत करने का कानपुर में भरपूर मौका होगा।

भारत/बांग्लादेश मैच पर मंडराया खतरा, ग्वालियर में मुकाबले से पहले हिंदू महासभा का बड़ा ऐलान

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हिंदू महासभा ने अगले महीने ग्वालियर में होने वाले भारत-बांग्लादेश क्रिकेट मैच का विरोध करने के लिए 6 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में बंद का आह्वान किया है। 6 अक्टूबर को ग्वालियर में भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 मैच होना है।

ग्वालियर में पत्रकारों से बात करते हुए हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जयवीर भारद्वाज ने कहा कि हिंदू महासभा 6 अक्टूबर को ग्वालियर में होने वाले भारत-बांग्लादेश मैच का विरोध कर रही है। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर 'अत्याचार' अभी भी जारी है और बांग्लादेश के साथ क्रिकेट खेलना सही नहीं है। उन्होंने कहा, 'हिंदू महासभा ने मैच के दिन 'ग्वालियर बंद' का आह्वान किया है और आवश्यक वस्तुओं पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा।' भारद्वाज ने यह भी मांग की कि तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डुओं में 'मिलावट' करने वालों को मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक समारोह के दौरान भी ये लड्डू बांटे गए थे। इस घटना (लड्डू विवाद) ने हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।' गौर हो कि भारतीय टीम इस समय दो मैचों की टेस्ट सीरीज में पहला मैच जीतकर 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट 27 अक्तूबर से कानपुर में खेला जाएगा। इसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज 6, 9 और 12 अक्तूबर को होगी जिसके मैच क्रमशः ग्वालियर, दिल्ली और हैदराबाद में खेले जाएंगे।

द्रविड़ का रवैया काफी सख्त था, गंभीर शांत हैं : अश्विन ने किया खुलासा

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के सबसे उम्रदराज सदस्य रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि गौतम गंभीर राहुल द्रविड़ की तुलना में अधिक शांत हैं, जिनकी कार्यशैली 'अनुशासित' थी। नवंबर 2021 से टीम इंडिया की कमान संभाल रहे द्रविड़ ने टी20 विश्व कप जीत के बाद इस जुलाई में पद छोड़ दिया और तब से उनकी जगह गौतम गंभीर को नियुक्त किया गया है।

अंतर बताते हुए अश्विन ने कहा कि गंभीर का दृष्टिकोण शांत है और ड्रेसिंग रूम में जीवंत माहौल बनाए रखने में मदद करता है, उन्होंने उन्हें 'रिलैक्स्ड रैंचो' कहा। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मुझे लगता है कि वह (गंभीर) बहुत शांत हैं। मैं उन्हें 'रिलैक्स्ड रैंचो' कहना चाहता हूं। उन पर बिल्कुल भी दबाव नहीं है। सुबह, टीम की बैठक होगी। वह इस बारे में भी बहुत शांत हैं। वह कहते हैं, 'क्या आप आ रहे हैं, कृपया आइए'; यह ऐसा ही है।'

द्रविड़ के मामले में अश्विन ने खुलासा किया कि उनका रवैया काफी सख्त और व्यवस्थित था। उन्होंने कहा, 'राहुल भाई के साथ, जैसे ही हम आते हैं, वह क्रम में खेलने की मांग करते हैं। यहां तक कि एक बोतल को भी एक खास समय पर एक खास जगह पर रखना चाहिए। वह बहुत अनुशासित हैं।'

अश्विन ने कहा, 'गंभीर के साथ, वह यह सब उम्मीद नहीं करते हैं। उनका क्रम बहुत सहज है और वह लोगों के दिलों में बसने वाले व्यक्ति हैं। वह सभी का दिल जीत लेंगे और मुझे लगता है कि लड़के उनसे प्यार करेंगे।' द्रविड़ ने पद से हटने से पहले भारत को टी20 विश्व कप में जीत दिलाई थी, वहीं गंभीर ने कोलकाता नाइट राइडर्स को अपने तीसरे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब पर पहुंचाने के बाद कार्यभार संभाला, वह इस सीजन में ही अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी के मेंटर के रूप में शामिल हुए थे। गंभीर अपने पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम का मार्गदर्शन कर रहे हैं, उन्होंने यहां बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जीता था।

महिला टी20 विश्व कप से पहले हरमनप्रीत टीम की तैयारी से खुश

मुंबई (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर लंबे समय से खिताब के करीब पहुंचकर चूकने के अहसास से परेशान हैं लेकिन भारतीय कप्तान को लगता है कि उनकी टीम ने तीन से 20 अक्टूबर तक यूएई में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में खिताब जीतने की दावेदारी पेश करने के लिए अच्छी तैयारी की है। वर्ष 2009 में टूर्नामेंट की शुरुआत के बाद से भारत केवल एक बार 2020 में फाइनल में पहुंचने में सफल रहा है और तब वे ऑस्ट्रेलिया से हार गए थे।

भारत 2017 में महिला एकदिवसीय विश्व कप फाइनल भी खेला और वहां भी उप विजेता रहा। हरमनप्रीत दोनों टीमों का हिस्सा रहीं और उन्होंने 2020 टी20 विश्व कप में टीम का नेतृत्व भी किया था। टी20 विश्व कप के लिए रवाना होने से पहले हरनमप्रीत ने कहा, 'यह सर्वश्रेष्ठ टीम है जिसके साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। खिलाड़ी लंबे समय से एक साथ खेल रहे हैं। हम पिछली बार इतने करीब आ गए थे और सेमीफाइनल (2023) में हार गए। हमारी सभी विभागों में तैयारी काफी अच्छी है।'

जुलाई के अंत में एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ हार के बाद से भारतीय टीम को खेलने का मौका नहीं मिला है। टीम ने राष्ट्रीय क्रिकेट

अकादमी (एनसीए) में एक व्यापक तैयारी शिविर में हिस्सा लिया जहां खिलाड़ियों ने फिटनेस और क्षेत्ररक्षण में बहुत समय बिताया। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां टीम अतीत में कमजोर रही है। प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य कोच अमोल मजूमदार और मुख्य चयनकर्ता नीतू डेविड भी मौजूद थे।

अब तक सभी टी20 विश्व कप में खेलने वाली हरमनप्रीत ने कहा, 'एशिया कप के दौरान हमने अच्छी क्रिकेट खेली, एक दिन चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं।' हरमनप्रीत ने अपने लगभग डेढ़ दशक के करियर में कई वैश्विक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया लेकिन उन्हें लगता है कि वह अब भी अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप की तरह ही उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि मैंने कई विश्व कप खेले हैं लेकिन मेरे अंदर उतना ही उत्साह है जितना 19 साल की उम्र में था।'

हरमनप्रीत की टीम को मुख्य चुनौती इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलेगी जिन्होंने मुश्किल परिस्थितियों में भी आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत को हराने का तरीका ढूंढ लिया है। मुख्य कोच मजूमदार में बेंगलुरू में ट्रेनिंग शिविर पर अधिक प्रकाश डाला। मजूमदार ने कहा, 'हमने कुछ चीजों की पहचान की (श्रीलंका से हार के बाद) और हमने अगले शिविर में इन पर काम किया। हमने पहले फिटनेस और क्षेत्ररक्षण शिविर लगाया। फिर हमने 10 दिन का कौशल शिविर लगाया। हमने एक खेल मनोवैज्ञानिक (मुग्धा बावरे) को भी बुलाया। वह टीम के साथ शानदार रहीं।'

उन्होंने कहा, 'हमने एथलेटिक क्षमता, ऑलराउंड क्षेत्ररक्षण क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया, योग सत्र और मनोवैज्ञानिक सत्र भी जोड़े गए।' मैच नहीं खेलने के बारे में उन्होंने कहा, 'हम हर चीज के लिए तैयार हैं। कौशल शिविर में हमने 10 दिन में नेट पर तैयारी के साथ पांच मैच खेले। जहां तक तैयारी का सवाल है, हमने अच्छी तैयारी की है।' उन्होंने बल्लेबाजी विभाग में भी आत्मविश्वास दिखाया जिसमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी ताकत नहीं है। मजूमदार ने कहा, 'हमारे शीर्ष छह बल्लेबाज सर्वश्रेष्ठ हैं। उनकी शैली अलग है। हमने नंबर तीन की पहचान कर ली है लेकिन हम इसका खुलासा तब करेंगे जब एकादश की घोषणा की जाएगी। टी20 में नंबर तीन का बल्लेबाज मैच की दिशा तय करता है, असल में किसी भी प्रारूप में।' उन्होंने कहा, 'जहां तक परिस्थितियों का सवाल है, यह भारत के समान ही होंगी। सत्र की शुरुआत में अतिरिक्त उछाल हो सकता है विशेष रूप से दुबई में लेकिन मौसम भारत की तरह ही होगा।'

रहाणे ईरानी कप में मुम्बई की कप्तानी करेंगे, शारदुल करेंगे वापसी

मुंबई । अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को शेष भारत के खिलाफ एक अक्टूबर से होने वाले ईरानी कप मैच के लिए मुंबई का कप्तान बनाया गया है। वहीं सर्जरी से उबरे ऑलराउंडर शारदुल ठाकुर भी इस मुकाबले से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करेंगे। इस मैच में मुंबई की टीम की ओर से श्रेयस अय्यर, मुशीर खान, शम्स

मुलानी और तनुश कोटियान जैसे खिलाड़ी खेलेंगे। इसमें सरफराज खान के शामिल होने को लेकर भी संशय छाया हुआ है क्योंकि वह भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में शामिल हैं। ऐसे में अगर कोई बल्लेबाज चोटिल होता है तो उन्हें अवसर मिल सकता है। ईरानी कप में सबसे सफल टीम शेष भारत है। उसने 30 बार यह खिताब जीत चुकी है। अगर आंकड़े देखें तो शेष भारत ने 61 बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है जिसमें 30 बार जीत तो 29 बार वह उपविजेता रही है। वहीं मुंबई 29 बार टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुकी है। वह 14 बार चैंपियन तो 14 बार उपविजेता रही है। कर्नाटक ने 8 बार में 6 बार यह चैंपियनशिप जीती है। दिल्ली ने 7 भागीदारियों में 2 बार, रेलवे ने 2 भागीदारियों में 2 बार इसे जीता है। वहीं पंजाब, बड़ौदा, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश टीमें ऐसे हैं जोकि एक बार भी यह टूर्नामेंट जीत नहीं पाई हैं।

शुभमन से अच्छी दोस्ती से बड़ी साझेदारी बनाने में सहायता मिली : ऋषभ

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबा बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि उनकी शुभमन गिल के साथ अच्छी दोस्ती है। इससे बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में शुभमन के साथ अच्छी साझेदारी बनाने में सहायता मिली। ये दोनो ही बल्लेबाज पहली पारी में अधिक रन नहीं बना पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने 167 रन की साझेदारी बनाकर मैच बदल दिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें ऋषभ ने कहा कि जब मैदान के बाहर आपके बीच बहुत अच्छे संबंध होते हैं तो फिर उस खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हुए तालमेल बनाने में सहायता मिलती है। हम एक दूसरे के खेल का आनंद ले रहे थे, आपस में खूब बातें कर रहे थे और मैच पर भी बात कर रहे थे और बेहद सहज थे। इसके अलावा हम दोनों यह जानते थे कि हमें क्या करना है। दिसंबर 2022 में सड़क हादसे के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने वाले ऋषभ ने कहा कि आप जहां भी खेल रहे हों, आपके खेल में सुधार होना चाहिए, ये मेरा मानना है, इसलिए मैं टीम की सहायता करने की कोशिश कर रहा था और यह शानदार रहा। मैंने इसका पूरा आनंद उठाया। ऋषभ ने 128 गेंद पर 109 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने अपने रक्षात्मक और आक्रामक खेल का शानदार नमूना पेश किया।

दो हॉकी मैचों की श्रृंखला के लिए जर्मनी की मेजबानी करेगा भारत, शेड्यूल आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेलेगी। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को यह घोषणा की। भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था जहां यूरोप की दिग्गज टीम ने 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारत ने ओलंपिक में तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता था।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'जर्मनी के खिलाफ यह द्विपक्षीय श्रृंखला विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है और यह श्रृंखला प्रशंसकों को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर

देगी।' पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, 'हम इस श्रृंखला की मेजबानी से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी मजबूत होंगे।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'भारत-जर्मनी हॉकी प्रतिद्वंद्विता हमेशा एक रोमांचक प्रतियोगिता रही है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हैं और मेरा मानना है कि यह श्रृंखला दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को बेहतर बनाने का मौका देगी।'

जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्टरिच ने कहा कि राष्ट्रीय टीम इस चुनौती के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हॉकी के लिए भारत हमेशा विशेष स्थान रहा है और हमारी टीम उत्साही भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए रोमांचित है। यह श्रृंखला जर्मनी और भारत के बीच खेल संबंध मजबूत करने का शानदार मौका है जबकि दोनों टीमों को आगामी वैश्विक प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए प्रतिस्पर्धी मंच भी देगा।' फास्टरिच ने कहा, 'हम चुनौती और ऐतिहासिक मेजर ध्यान चंद राष्ट्रीय स्टेडियम में खेलने के अनुभव के लिए उत्सुक हैं।'

शाकिब का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

चेन्नई। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का भारत के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर मे होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि शाकिब की अंगुली में लगी चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है। शाकिब के फिट नहीं होने से बांग्लादेश के खेम में चिंता की लहर है। इसका कारण है कि शाकिब एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चयनकर्ता हनन सरकार ने कहा कि वह डॉक्टर की निगरानी में हैं और कानपुर में उनके खेलने को लेकर फैसला बाद में उनकी फिटनेस की समीक्षा के बाद होगा। चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय शाकिब को जसप्रीत बुमराह की गेंद लग लगी थी। हनन ने कहा अभी हमारे पास दो दिनों का समय है। इसमें देखते हैं क्या होता है। उनके चयन को लेकर हम विचार करने और फिटनेस देखने के बाद भी फैसला करेंगे हम जानते हैं कि उनके हाथ की चोट को लेकर चर्चा हो रही है. मैच से पहले ऐसा नहीं था। फिजियो ने उन्हें पहले टेस्ट मैच में उतरने के लिए सौ फीसदी फिट घोषित किया था।' पहले टेस्ट मैच में शाकिब को गेंदबाजी देर से देने पर भी सवाल उठे थे। तब ये भी कहा जा रहा था कि शाकिब की स्पिनिंग उंगली और कंधे में दर्द था।

बुमराह को खेलना कभी भी आसान नहीं होता : स्मिथ

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। स्मिथ ने कहा कि गेंद नई हो या पुरानी बुमराह को खेलना आसान नहीं होता क्योंकि उनका गेंदबाजी कौशल काफी अच्छा है। साथ ही कहा कि अभी के समय में बुमराह सभी प्रारुपों में नंबर एक तेज गेंदबाज हैं। ऐमें वह नवंबर-दिसंबर में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में अहम भूमिका निभा सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत ने पिछली दो सीरीज ऑस्ट्रेलिया में जीती हैं। इस बार भी अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो बुमराह को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। स्मिथ ने कहा, वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं, चाहे मैं नई गेंद से, थोड़ी पुरानी गेंद से या पुरानी गेंद से उनका सामना करूं। उनको खेलना आसान नहीं होता क्योंकि उनके पास सभी तरह के कौशल हैं। वह एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो तीनों ही प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है। डेविड वार्नर के संन्यास क बाद से ही स्मिथ ने पिछली कुछ सीरीज में ऑस्ट्रेलिया में पारी की शुरुआत की है और ऐसे में वह भारत के खिलाफ सीरीज में भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। इस कारण पारी की शुरुआत में ही बुमराह से उनका सामना होगा। 109 टेस्ट खेल चुके स्मिथ का लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाकर इस सीरीज में 10,000 रनों का आंकड़ा पार करना रहेगा। उन्होंने अब तक 9685 रन बनाए हैं। दूसरी ओर बुमराह ने जनवरी 2018 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 37 मैचों में 20.51 की औसत से अब तक 164 विकेट लिए हैं।

क्रिकेट के अलावा विज्ञापन से भी करोड़ों की कमाई करते हैं पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर अपने जुनून के कारण छाये रहने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या कमाई के मामले में भी पीछे नहीं हैं। वह करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं जबकि क्रिकेटर बनने से पहले वह बेहद कठिन हालातों से गुजरे हैं। वह देश के सबसे धनी क्रिकेटर्स की सूची में शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पंड्या की वर्तमान में कुल संपत्ति लगभग 11.4 मिलियन डॉलर तकरीब 95 करोड़ से ज्यादा है। उनकी महीने की आय ही 1.5 करोड़ रुपये है। पंड्या की मोटी कमाई क्रिकेट से मिलने वाली मैच फीस, अनुबंध राशि के अलावा विज्ञापनों और सोशल मीडिया से होती है। वह कई कंपनियों के ब्रांड प्रमोशन से भी जुड़े हैं। वह बोट, सिन डेनिम, गल्फ ऑयल इंडिया, ड्रीम 11, एमेजॉन एलेक्सा, रिलायंस रिटेल और एसजी क्रिकेट जैसे कई ब्रांड से जुड़े हुए हैं। इन कंपनियों से वह विज्ञापन के जरिए करोड़ों कमाते हैं। पंड्या ने साल 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। जिस तरह से पंड्या ने टीम में आते ही अपनी जगह बना ली, उसी तरह उनकी नेट वर्थ भी तेजी से बढ़ी। उनका यहां तक का सफर हालांकि आसान नहीं रहा है। पंड्या को एकदिवसीय और टी20 मैच खेलने के लाखों मिलते हैं जबकि आईपीएल में गुजरात टाइटंस के जब वो कप्तान थे तब उनका वेतन 15 करोड़ था। अभी वह इससे अधिक रकम में मुंबई इंडियंस टीम के कप्तान हैं। पंड्या ने साल 2016 में वडोदरा में करीब 6000 वर्ग फीट का घर लगभग 3.6 करोड़ में खरीदा था। इसके अलावा पंड्या के पास लग्जरी गाड़ियों में रॉल्स रॉयस, लेंबोर्गिनी हुराकन ईबीओ, पोर्श केयेन, ऑडी ए6, रेंज रोवर वोग, जीप कंपास, मर्सिडीज जी वैगन और टोयोटा इटियोस है।

आदिल राशिद ने बताया रिटायरमेंट का प्लान, 200 वनडे विकेट लेने वाले हैं इंग्लैंड के पहले स्पिनर

डरहम (यूके) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान 200 वनडे विकेट लेने वाले देश के पहले स्पिनर बने इंग्लैंड के स्पिनर आदिल राशिद ने कहा कि फिलहाल रिटायरमेंट के बारे में उनके दिमाग में कुछ नहीं है और वह 2027 वनडे विश्व कप तक खेलते हुए युवाओं को अपनी समझ और अनुभव देना चाहते हैं। आदिल मंगलवार को चेस्टर-ले-स्ट्रीट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीसरे वनडे से पहले यह बात कही।

ऑस्ट्रेलिया पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है और उसने आखिरी वनडे 271 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 202 रनों पर समेट कर 68 रनों से जीता था। इंग्लैंड ने अपने पिछले 14 वनडे में से 10 गंवाए हैं और एक और हार मेजबान टीम को सीरीज में हार का सामना करना पड़ेगा। इस सीरीज में खेली जा रही टीम में बदलाव हो रहे हैं, कप्तान जोस बटलर चोट के कारण बाहर हैं और युवा हैरी ब्रूक के हाथों में कमान है।

नए दौर की शुरुआत, शुरुआत में अंतरिम कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक के नेतृत्व में हुई, उसके बाद ब्रेंडन मैकुलम ने टेस्ट प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ व्हाइट-बॉल कोच की भूमिका संभाली, लेकिन इसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। रणनीति और खिलाड़ियों के बदलने के साथ, राशिद अभी भी इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट का अहम हिस्सा बने हुए हैं। 36 वर्षीय राशिद ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ एक केंद्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जो उन्हें 2025 के अंत तक टीम में बनाए रखेगा और उनका लक्ष्य अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी, 2026 टी20 विश्व कप और 2027 50 ओवर का विश्व कप खेलना है।

राशिद ने कहा, 'मैंने अभी तक इसके बारे में नहीं सोचा है। खेलते रहना, इसका लुत्फ उठाना, फिट रहना, अच्छी गेंदबाजी करना, जीत में योगदान देना, उम्मीद है कि विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतना--यही मेरा अंतिम लक्ष्य है। मैं हर मैच और हर सीरीज खेल रहा हूं और अगर मैं अभी भी इसका लुत्फ उठा रहा हूं और अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं, तो मैं खेलना जारी रखूंगा। इतने लंबे समय तक खेलना और विकेट लेना, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, इसलिए उम्मीद है कि मैं इसे जारी रखूंगा। यह उतार-चढ़ाव के साथ एक मजेदार सफर रहा है और उम्मीद है कि मैं अपने करियर के बाकी बचे हिस्से में भी इसी तरह आगे बढ़ूंगा।'

उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, 'मैंने अभी तक संन्यास लेने या ऐसा कुछ करने के बारे में नहीं सोचा है, यह मेरे दिमाग में भी नहीं आया है। यह खेल का लुत्फ उठाने और अपना सबकुछ देने के बारे में है।' राशिद का यह बयान बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि जो रूट और बेन स्टोक्स के सीटी 2025 से पहले व्हाइट-बॉल सेट-अप में लौटने की उम्मीद है और वर्तमान में टेस्ट प्रतिबद्धताओं में व्यस्त हैं, लेकिन टीम ने हाल ही में बहुत अनुभव खो दिया है। ऑलराउंडर और पूर्व उप-कप्तान मोईन अली की अनुपस्थिति काफी महसूस की जा रही है, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया सीरीज की टीम से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

जयपुर में रक्षा मंत्री की सुरक्षा में चूक... जब पास पहुंच गया 10वीं का छात्र

जयपुर । राजस्थान की राजधानी जयपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। दरअसल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने आए थे। तभी रक्षा मंत्री की सुरक्षा में चूक हो गई। बता दें कि रक्षा मंत्री सिंह भवानी निकेतन स्कूल के कैंपस में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर सैनिक स्कूल का उद्घाटन करने के बाद एयरपोर्ट के लिए रवाना हो रहे थे। तभी अचानक ही एक बालक सुरक्षा घेरा तोड़कर राजनाथ सिंह के पास पहुंच गया। हालांकि तभी सुरक्षाकर्मियों की सतर्कता काम आई और सुरक्षाकर्मियों ने छात्र को उठाकर बाहर किया। लेकिन सिंह ने सादगी दिखाते हुए छात्र को अपने पास बुलाया और छात्र की पूरी बात सुनी। इस दौरान छात्र हर्ष भारद्वाज ने कहा कि 10वीं क्लास में पढ़ता है और जयपुर में अकेला रहता है। उसकी मम्मी झालावाड़ में सरकारी टीचर हैं। उनका ट्रांसफर यहां नहीं हो रहा है। हालांकि रक्षा मंत्री सिंह ने छात्र हर्ष से उसकी मम्मी के ट्रांसफर को लेकर उसके हाथों में मौजूद आवेदन तक नहीं लिया। जयपुर में हुई चूक से पहले आगरा में भी 5 फरवरी को रक्षा मंत्री सिंह की सुरक्षा को लेकर हुई चूक का मामला सामने आया था। बता दें कि उत्?तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सिंह पांच फरवरी को आगरा गए थे। दरअसल पांच फरवरी को रक्षा मंत्री सिंह ने खेरागढ़ और आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में मतदाता संवाद कार्यक्रम किया था। इस दौरान रक्षा मंत्री द्वारा पेय एवं खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग के लिए एफएसडीए की टीम लगाई गई थी, जो कि निर्धारित समय पर यहां नहीं पहुंची थी। इस बीच रक्षा मंत्री ने खाने के लिए कहा जिस पर बिना सैंपल लिए ही खाना परोस दिया गया।

संपत्ति ब्योरा नहीं देने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगा सितंबर का वेतन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राज्य कर्मचारियों को संपत्ति का ब्योरा नहीं देना अब भारी पड़ सकता है। दरअसल ऐसे कर्मचारियों को सितंबर महीने का वेतन नहीं मिलेगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और विभागाध्यक्षों को आदेश जारी करते हुए कहा है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति की घोषणा करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का ही वेतन जारी किया जाएगा। संपत्ति की घोषणा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर निर्धारित की गई है। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि संपत्ति का विवरण न देने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए सरकार सख्त कदम उठा सकती है। यदि किसी कर्मचारी ने अपना संपत्ति ब्योरा नहीं दिया, तो संबंधित डीडीओ का वेतन भी रोका जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का ब्योरा उपलब्ध कराने वाले कर्मचारियों को ही सितंबर महीने का वेतन मिलेगा।

8 साल में अवैध शराब पीने से 150 से अधिक लोगों की मौत

पटना । बिहार में अप्रैल 2016 में शराब बंद होने के बाद से राज्य में अवैध शराब पीने से 150 से अधिक लोगों की मौत हो हुई है। बिहार के मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि हालांकि, पिछले आठ वर्षों में राज्य के विभिन्न हिस्सों से संदिग्ध जहरीली शराब से होने वाली मौतों की संख्या 266 है। दरअसल अप्रैल 2016 में नीतीश सरकार ने बिहार में शराब की बिक्री और खपत पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था।

156 मौतों की पुष्टि- विभाग के सचिव विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि राज्य में 2016 के बाद से विभिन्न जिलों में जहरीली शराब पीने से कुल 156 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। पिछले आठ वर्षों में राज्य में जहरीली शराब पीने से रिपोर्ट की गई संदिग्ध मौतों की संख्या 266 है, जिसमें से 156 की पुष्टि की गई है।

सबसे ज्यादा बारिश वाले चेरापूंजी में भरी गर्मी, पारा 33 के पार

शिलांग । भारत में ग्लोबल वार्मिंग का असर बड़ी तेजी के साथ दिखने लगा है। मेघालय के चेरापूंजी में सबसे ज्यादा बारिश होती है। इस बार यहां के मानसून सीजन में न्यूनतम बारिश नहीं हुई। पहली बार चेरापूंजी का पारा 33.1 डिग्री सेल्सियस है। यहां के लोगों ने पहली बार इतनी गर्मी देखी है। मानसून के चार महीनो में 11000 मिली मीटर बारिश का रिकॉर्ड होता था। जो इस बार घटकर मात्र 9712 मिलीमीटर पर आ गया है। पिछले कई वर्षों से हर साल यहां 27 मिली मीटर बारिश घटती जा रही है। पिछले 5 वर्षों में लगभग 15 फीसदी बारिश कम हो गई है। असम के गुवाहाटी में हीट वेव चलने के कारण 4 दिन स्कूल बंद किए गए थे। पूर्वोत्तर के कुछ इलाकों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया था। जो सामान्यत: 32 के आसपास रहता था।

सप्ताह भर देरी से लौट रहा मॉनसून

नई दिल्ली। देश के अधिकतर हिस्सों में झमाझम बारिश के बाद मंगलवार को पश्चिमी राजस्थान और कच्छ के कुछ इलाकों से दक्षिण पश्चिम मॉनसून की वापसी होने लगी है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी है। उल्लेखनीय है कि मॉनसून की वापसी एक सप्ताह पहले होनी थी। जून में केरल से शुरू होने के बाद मॉनसून की वापसी चार महीने बाद हो रही है। 23 सितंबर तक देश में कुल मिलाकर पांच फीसदी अधिक बारिश हुई है और पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत को छोड़कर देश के सभी हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है। मंगलवार तक पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा और असम जैसे पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के बड़े राज्यों में दक्षिण पश्चिम मॉनसून सामान्य से 13 फीसदी कम बरसा। इसके तहत 1 जून से 23 सितंबर तक के बीच सबसे कम 30 फीसदी बारिश अरुणाचल प्रदेश में हुई है और उसके बाद 28 फीसदी कम बारिश बिहार में हुई। देश में अच्छी बारिश होने से हाल के दिनों में खरीफ फसलों की बोआई भी अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच गई है। मॉनसून में हुई झमाझम बारिश से कई जलाशय भी भर गए हैं।

'आप' द्वारा केजरीवाल की तुलना भगवान राम से करने पर भड़की कांग्रेस, देवेन्द्र यादव बोले- अजीब खेल चल रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने अरविंद केजरीवाल को लेकर आप द्वारा किए जा रहे दावे पर सवाल खड़े किए है। दिल्ली के मंत्री और आप नेता कैलाश गहलोत द्वारा खुद की तुलना भगवान हनुमान और अरविंद केजरीवाल की भगवान राम से करने पर पलटवार किया गया है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि अजीब खेल चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे दुख है कि भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद व्यक्ति की तुलना भगवान राम से कैसे की जा सकती है। इससे न केवल हिंदुओं की भावनाएं आहत होती हैं, बल्कि यह लोगों को गुमराह करने का भी प्रयास है।' यह निंदनीय है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि आप को इस पर अफसोस करना चाहिए और इसके बजाय अपने कर्तव्य पर ध्यान देना चाहिए।' दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का हनुमान बनकर मेरी प्राथमिकता सभी लंबित कार्यों को पूरा करना है और यह सुनिश्चित करना है कि अरविंद केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनें...इसमें कुछ भी गलत नहीं है। सीएम की कुर्सी खाली छोड़ते हुए आतिशी के निर्णय पर उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह है कि जब भगवान राम 14 साल के लिए वनवास गए और भरत को कमान संभालनी पड़ी, तो यह भी गलत था, जिसका मतलब है कि बीजेपी भगवान राम के खिलाफ है। बड़ों का सम्मान करना भारतीय परंपरा का हिस्सा है...इसमें कुछ भी गलत नहीं है।'

आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने सोमवार को दिल्ली की आठवीं मुख्यमंत्री का प्रभार संभाल लिया था। उन्होंने शनिवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। अब दिल्ली विधानसभा का सत्र 26 और 27 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। आतिशी ने केजरीवाल सरकार में उनके पास रहे 13 विभागों का प्रभार अपने पास रखा है जिनमें शिक्षा, राजस्व, वित्त, बिजली और पीडब्ल्यूडी शामिल हैं। उन्होंने प्रभार संभालने के बाद कहा, ''मैं दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में चार महीने तक उसी तरह काम करूंगी, जैसे भरत ने भगवान राम की खड़ाऊं को सिंहासन पर रखकर काम किया था। अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा देकर राजनीति में गरिमा की मिसाल कायम की है। भाजपा ने उनकी छवि बिगाड़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।''

एस जयशंकर न्यूयॉर्क में जी4 देशों के विदेश मंत्रियों से मिले

नई दिल्ली । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान जी4 देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। जिसमें भारत की तरफ से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार के लिए समूह की प्रतिबद्धता को लेकर चर्चा की गई। इन जी4 राष्ट्रों में ब्राजील, जर्मनी, भारत और जापान शामिल हैं। एस जयशंकर ने बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा ?कि आज न्यूयॉर्क में अपने सहकर्मियों एनालेना बेयरबॉक (जर्मनी), योको कामिकावा (जापान) और माउरो विएरा (ब्राजील) के साथ पारंपरिक जी4 विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होकर प्रसन्नता हुई। जी4 ने पाठ आधारित वार्ता के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के तत्काल सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। जी4 राष्ट्र में भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान शामिल हैं। ये सभी देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे की दावेदारी का समर्थन करते हैं। एस जयशंकर ने सोमवार को वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल के साथ ऊर्जा और आर्थिक सहयोग समेत अन्य मुद्दों पर भी बातचीत की। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा ?कि आज संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के दौरान वेनेजुएला के विदेश मंत्री इवान गिल से मिलकर प्रसन्नता हुई। ऊर्जा, स्वास्थ्य और आर्थिक सहयोग के साथ-साथ बहुपक्षवाद में सुधार पर भी चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और वेनेजुएला के बीच अच्छे संबंधों का इतिहास रहा है और दोनों देशों के बीच प्रमुख अंतरराष्ट्रीय, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर उनके विचारों में समानता है। दोनों देशों ने 2024 में राजनयिक संबंधों की स्थापना की 65वीं वर्षगांठ मनाई।

जम्मू-कश्मीर: उद्योग और रोजगार के मुद्दे गायब, 370 पर लड़ा जा रहा विधानसभा चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की 25 सितंबर को होने जा रही वोटिंग की तैयारियां जोरदार तरीके से चल रही हैं। 2019 में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद यह पहला अवसर है जब राज्य में चुनाव हो रहे हैं। यहां के मूल मुद्दों को लेकर राजनैतिक दल उतने दमखम से नहीं उठा रहे जितने उन्हे उठाना चाहिए। यहां कोई कहता है कि अनुच्छेद 370 वापस लगा देंगे तो कोई कहता है ऐसा कभी नहीं होगा। जबकि यहां के लोगों का मानना है कि यहां उद्योग और रोजगार की जरुरत है। बता दें कि कई उद्योगों और स्टार्टअप्स को आतंकवाद और अस्थिरता के कारण ठप होना पड़ा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में सुप्रीम कोर्ट के इंटरनेट बंदी के आदेश के बाद से 2022 में 43 बार और 2023 में 10 बार इंटरनेट सेवाएं बाधित की गईं। इससे राज्य के व्यवसायों और कृषि गतिविधियों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। कश्मीर में सेब की खेती एक महत्वपूर्ण आर्थिक स्रोत है। हर साल 15 हजार करोड़ रुपये का सेब का व्यापार होता है, जो करीब सात लाख लोगों की रोजी-रोटी का साधन है। देश में 80 प्रतिशत सेब का उत्पादन कश्मीर में होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इंटरनेट सेवाएं स्थिर रहतीं, तो सेब के व्यापार में और भी वृद्धि हो सकती थी। इंटरनेट बंद होने से सेब उत्पादकों को गंभीर नुकसान उठाना पड़ता है, जो उनके व्यापार को प्रभावित करता है। भाजपा सरकार ने अनुच्छेद 370 हटने के बाद घाटी में स्टार्टअप्स और उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है, लेकिन बार-बार इंटरनेट बंद होने से यह प्रयास प्रभावित हो रहा है। स्टार्टअप्स के लिए इंटरनेट एक आवश्यक तत्व है, और इसके बिना उनका संचालन ठप हो जाता है। कई स्टार्टअप व्यवसायी अन्य शहरों में चले जाते हैं, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति और भी कमजोर होती है।

सिद्धारमैया की याचिका खारिज, क्या राहुल भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन?

-भाजपा ने आरोप लगाकर कांग्रेस से पूछा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कथित मुडा घोटाले में अभियोजन के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली सीएम सिद्धारमैया की याचिका खारिज हो गई है। इसके बाद से राज्य में सियासत तेज है। भाजपा ने इस लेकर सत्ताधारी कांग्रेस पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को हमें बताना चाहिए कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के बाद क्या मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पद पर बने रहना उचित है? सिद्धारमैया को पद छोड़ना होगा। उन्होंने वह जमीन लूट ली जो एससी/एसटी समुदाय के लोगों के लिए थी।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि मुडा घोटाले में 5000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। सिद्धारमैया के परिवार और दोस्तों को फायदा हुआ। कांग्रेस पार्टी को एससी/एसटी समुदाय के लोगों की कोई परवाह नहीं है। क्या राहुल गांधी भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन? बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि पहले भी स्पष्ट कहा था कि मुडा घोटाले में सीधे तौर पर सीएम शामिल थे। भाजपा ने भ्रष्ट मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए बेंगलुरु से मैसूरु तक पदयात्रा निकाली।

उन्होंने कहा कि मामला राज्यपाल के कार्यालय तक पहुंचा और राज्यपाल ने कागजात देखने और विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद मुकदमा चलाने की अनुमति दी। सीएम और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने राज्यपाल कार्यालय के खिलाफ कई आरोप लगाए। विजयेंद्र ने कहा कि इस फैसले से साफ है कि सीएम और उनका परिवार घोटाले में शामिल है। हम पिछले दो माह से मुडा घोटाले में सीएम के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सीएम सिद्धारमैया हाई कोर्ट के फैसले का सम्मान कर इस्तीफा दें।

बीजेपी की बढ़ेगी टेंशन, अब कंगना रनौत ने कर दी तीन कृषि कानूनों को वापस लाने की मांग, कांग्रेस बोली- हरियाणा देगा जवाब

मंडी (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की हिमाचल सांसद कंगना रनौत अब खत्म हो चुके कृषि कानूनों पर अपने विचारों से पीछे हटने से इनकार करती नजर आ रही हैं। एक ताजा वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिसमें मंडी सीट से सांसद विवादास्पद कृषि कानूनों पर बोलती नजर आ रही हैं। वीडियो में कंगना रनौत तीन कृषि कानूनों को दोबारा लागू करने की वकालत करती नजर आ रही हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, अभिनेता से नेता बनीं कंगना ने कहा कि मुझे पता है कि यह बयान विवादास्पद हो सकता है लेकिन तीन कृषि कानूनों को वापस लाया जाना चाहिए। किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए। कंगना रनौत ने तर्क दिया कि तीन कानून किसानों के लिए फायदेमंद थे लेकिन कुछ राज्यों में किसान समूहों के विरोध के कारण सरकार ने इन्हें रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि किसान देश के विकास में शक्ति स्तंभ हैं। मैं उनसे अपील करना चाहती हूं कि वे अपने भले के लिए कानूनों को वापस मांगें। कांग्रेस ने रनौत की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ऐसा कभी नहीं होने देगी। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि तीन किसान विरोधी काले कानूनों का विरोध करते हुए 750 से अधिक किसान शहीद हो गए। उन्हें फिर से वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे। उन्होंने आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव की ओर इशारा करते हुए कहा, 'हरियाणा सबसे पहले जवाब देगा।' कांग्रेस ने वीडियो साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि किसानों पर लादे गए 3 काले कानून वापस लाने चाहिए। भाजपा की सांसद कंगना रनौत ने ये बात कही। देश के 750 से ज्यादा किसान शहीद हुए, तब जाकर मोदी सरकार की नींद टूटी और ये काले कानून वापस हुए। पार्टी ने कहा कि अब कुछ के सांसद फिर से इन कानून की वापसी का प्लान बना रहे हैं। कांग्रेस किसानों के साथ है, इन काले कानून की वापसी अब कभी नहीं होगी, चाहे नरेंद्र मोदी और उनके सांसद जितना जोर लगा लें।

अक्षय शिंदे का एनकाउंटर ध्यान भटकाने की साजिश? संजय राउत ने उठाए कई सवाल

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की पुलिस मुठभेड़ में मौत को लेकर महाराष्ट्र की भाजपा नीत महायुति सरकार पर मंगलवार को हमला बोला। अक्षय शिंदे की मौत को 'मुठभेड़' करार देते हुए राउत ने कहा कि मामले के 'मुख्य आरोपी' स्कूल प्रबंधन को बचाने के लिए शिंदे की हत्या की गई। पत्रकारों से बात करते हुए, राज्यसभा सांसद ने कहा कि आरोपियों के प्रति कोई सहानुभूति दिखाने का कोई कारण नहीं है, लेकिन यह मुठभेड़ संदिग्ध है। उन्होंने सवाल उठाया कि कैसे एक चौकीदार हिरासत में रहते हुए बंदूक छीन सकता है और बंद हथियार से गोली चला सकता है।

राउत ने कहा कि यह हत्या या मुठभेड़ मुख्य आरोपी (स्कूल प्रबंधन) को बचाने के लिए की गई है। यह कितना विश्वसनीय है कि एक चौकीदार पुलिसकर्मी से बंदूक छीन ले और बंद बंदूक से गोली चला दे? यह एक बुनियादी सवाल है। इस घटना को लेकर सरकार पर स्कूल अधिकारियों को बचाने का आरोप लगाते हुए राउत ने कहा कि यह एक बड़ी साजिश है। जिन लोगों को बचाया जा रहा है, उन्हें मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का संरक्षण प्राप्त है।

बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के साथ यौन शोषण के मामले में मुख्य आरोपी अक्षय शिंदे की बीते दिनों मुंबई इलाके में मुठभेड़ में मौत हो गई। अक्षय ने पुलिस से बंदूक छीन ली और एक पुलिसकर्मी पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई फायरिंग में अक्षय शिंदे की मौत हो गई। फिलहाल इस मामले पर राज्य में माहौल काफी गर्म है. ऐसे में सत्ता पक्ष और विपक्ष की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। इस घटना पर आज उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने प्रतिक्रिया दी है। अक्षय शिंदे एक हत्यारा था, उसके कृत्य के बाद बदलापुर गुस्से में था। विरोधियों ने चिल्लाकर कहा कि महिलाएं असुरक्षित हैं।

वोट के लिए आरक्षण की मांग... राहुल गांधी विदेश जाकर खत्म करने की बात करते : मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि यह छल-कपट से भरी है। मायावती ने पोस्ट में कहा, कांग्रेस और राहुल गांधी की एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण नीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि छल-कपट की है। अपने देश में वोट के लिए ये आरक्षण का समर्थन करते हैं, वहीं विदेश में जाकर आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार ने ओबीसी आरक्षण संबंधी मंडल कमीशन रिपोर्ट लागू नहीं की थी। इसके अलावा, बीएसपी के संघर्ष से एससी/एसटी के पदोन्नति में आरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए संसद में लाए गए संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस ने पास नहीं होने दिया, जो अब तक लंबित है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस ने इस मामले में सही तरीके से कोर्ट में पैरवी भी नहीं की।

मायावती ने जातीय जनगणना पर सवाल उठाकर कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब उन्होंने जनगणना नहीं होने दी और अब सत्ता से बाहर होने पर आवाज उठा रहे हैं, यह सब ढोंग नहीं और क्या है? पिछले दिन, मायावती ने कहा था कि राजनीतिक घटनाक्रम यह साबित करते हैं कि कांग्रेस और अन्य जातिवादी पार्टियां अपने बुरे दिनों में दलितों को महत्वपूर्ण पदों पर रखने की याद करती हैं, लेकिन अच्छे दिनों में उन्हें दरकिनार कर देती हैं, जैसा कि हाल ही में हरियाणा में देखा गया है।

आखिरी कौन रच रहा ट्रेन पलटाने की साजिश? रोकने के लिए क्या कदम उठा रही सरकार? रेल मंत्री का आया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेनों को लेकर हाल के दिलों में जिस तरीके से खबरें आ रही है, उससे हर भारतीय चिंतित हो रहे होंगे। लगातार ट्रेनों को पलटने की साजिश का खुलासा हो रहा है। पटरियों पर शरारती तत्व कुछ ऐसे काम कर रहे हैं जिसकी वजह से एक्सीडेंट की संभावनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे की ओर से किस तरीके के कदम उठाए जा रहे हैं? क्या रेलवे राज्य सरकारों से सहयोग ले रहा है? इसी को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा बयान सामने आया है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारतीय रेलवे उन शरारती तत्वों पर नजर रखने के लिए सभी राज्य सरकारों, पुलिस महानिदेशकों और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के साथ मिलकर काम कर रही है जो रेल परिचालन को पटरी से उतारने और पटरियों पर वस्तुएं रखकर यात्रियों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। अपने बयान में उन्होंने कहा कि पूरा रेलवे प्रशासन अलर्ट पर है और इस मामले को गंभीरता से ले रहा है हम लगातार सभी राज्य सरकारों के संपर्क में हैं।'

मंत्री ने कहा कि राज्य के डीजीपी, गृह सचिव और एनआईए भी शामिल हैं... जो कोई भी दुर्घटना करने की कोशिश करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह हमारी प्रतिबद्धता है। पूरा रेलवे प्रशासन काफी सतर्कता के साथ काम कर रहा है। वैष्णव ने कहा कि उनका मंत्रालय मामले की तह तक जाने के लिए सभी जोन और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी अवैध गतिविधियों के पीछे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है कि ऐसी कोई घटना दोबारा न हो और हम अपराधियों का पता लगा सकें।

हालांकि, मंत्री ने एनआईए की भूमिका के बारे में विस्तार से नहीं बताया। यह घटनाक्रम ऐसे कई उदाहरणों के बाद सामने आया है जब लोकोमोटिव पायलटों ने रेलवे ट्रैक पर हानिकारक वस्तुएं देखी हैं, जिनका उद्देश्य ट्रेन को पटरी से उतारना या यात्रियों के जीवन को नुकसान पहुंचाना था। 22 सितंबर को, कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही एक मालगाड़ी के चालक ने ट्रैक पर एक गैस सिलेंडर देखा और किसी दुर्घटना से बचने के लिए समय रहते आपातकालीन ब्रेक लगा दिया। ऐसी ही एक घटना 15 सितंबर को हुई जब कालिंदी एक्सप्रेस के कानपुर में रुकने से ठीक पहले एक क्षतिग्रस्त सिलेंडर और अन्य हानिकारक वस्तुएं मिलीं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**